डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | श्रावण शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार, 09 अगस्त 2024, वर्ष-30, अंक- 292, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और **शुभकामनाएं**

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मुख्य आकर्षण

- रीझ रंग शोभा यात्रा
- सांस्कृतिक कार्यक्रम
- झारखण्ड की चित्रकला शैलियां
- आदिवासी पुस्तक मेला
- आदिवासी कवि सम्मेलन
- वृत्तचित्र स्क्रीनिंग
- कला-शिल्प प्रदर्शनी
- परिधान फैशन शो
- खान-पान
- लेजर शो

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

उद्घाटन समारोह

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

मुख्य अतिथि

श्री संतोष कुमार गंगवार

माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री शिबू सोरेन

माननीय अध्यक्ष, राज्य समन्वय समिति
सह सांसद, राज्यसभा

अध्यक्षता

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

तथा

माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण,
माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों
की गरिमामयी उपस्थिति में

शुक्रवार 9 अगस्त, 2024 | अपराह्न 12:00 बजे से

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, जेल चौक,
रांची में आयोजित है

समारोह में आपकी उपस्थिति सादर प्रार्थित है

PR No. 332291 (IPRD) 2024-25

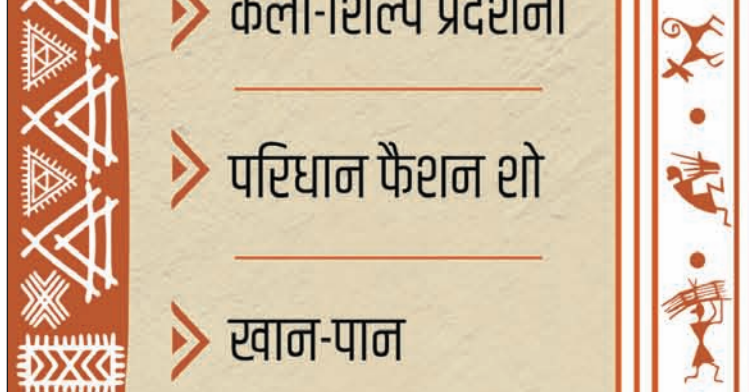

श्री संतोष कुमार गंगवार
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

त्योहार बताते हैं कितनी समृद्ध है झारखंड की सांस्कृतिक विरासत

झारखंड में रह रहीं 32 जनजातियां आपस में मिलजुल कर रहती हैं। सब मिलजुल कर उल्लास के साथ पर्व-त्योहार मनाते हैं। इसमें गैर आदिवासी भी उत्साह के साथ भाग लेते हैं। झारखंड के सभी पर्व-त्योहार यहां के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की जानकारी देते हैं।

जावा पर्व

अविवाहित आदिवासी लड़कियों जावा पर्व मनाती हैं। इसमें अलग तरह के गीत और नृत्य होते हैं। यह अच्छी प्रजनन क्षमता और बेहतर घर की उम्मीद के लिए मनाया जाता है। अविवाहित लड़कियां अंकुरित बीजों से एक छोटी टोकरी सजाती हैं। अनाज के अच्छे अंकुरण से माना जाता है कि प्रजनन क्षमता बढ़ती है। इस पर्व के दौरान झारखंड का जनजातीय क्षेत्र उल्लास में डूबा रहता है।

भगता पर्व

यह पर्व वसंत और गर्मियों की अवधि के बीच में आता है। झारखंड के आदिवासी लोगों के बीच भगता पर्व, बूढ़ा बाबा की पूजा के रूप में जाना जाता है। लोग दिन में उपवास रखते है और पुजारी पहान को उठा कर सर्ना मंदिर कहे जाने वाले आदिवासी मंदिर ले जाते है। शाम को पूजा के बाद भक्त बहुत गतिशील और जोरदार छऊ नृत्य में भाग लेते हैं। अगले दिन बहादुरी का आदिम खेल खेला जाता है। यह पर्व तमाड़ क्षेत्र में अधिक लोकप्रिय है।

मागे पर्व

मागे पर्व झारखंड के आदिवासी समुदाय का एक पारंपरिक पर्व है। मागे शब्द का अर्थ माता होता है। यह झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के हो जनजाति का एक पारंपरिक पर्व है। यह त्यौहार माघ महीने की शुरुआत (जनवरी-फरवरी) में मनाया जाता है। यह आदि धर्म व संस्कृति एवं सृष्टि रचना पर्व है। इसकी कोई तिथि निर्धारित नहीं है। अलग-अलग गांवों में अलग-अलग तिथियों पर मागे पर्व मनाया जाता है। मागे पर्व आठ दिनों में संपन्न होता है। पहले दिन अनादेर पर्व, दूसरे दिन लोयो-गुरि, तीसरे दिन ओते इलि, चौथे दिन गौ महरा, पांचवें दिन हेःसकम, छठे दिन मरंग पोरोब, सातवें दिन बसि (जतरा) और आठवें दिन हर मगेया। कहीं-कहीं टुउमुटू पर्व भी मनाया जाता है।

सरहुल पर्व

वसंत के मौसम में सरहुल पर्व मनाया जाता है। इस समय साल वृक्ष की शाखाओं पर नए फूल खिले रहते हैं। सरहुल में साल के पेड़ के नीचे गांव के देवता की पूजा साल की फूलों से की जाती है। ये देवता जनजातियों के रक्षक माने जाते हैं। इस पर्व में लोग खूब नाचते-गाते हैं और एक तरह से वसंतोत्सव मनाते हैं। यह त्योहार छोटानागपुर के इस क्षेत्र में लगभग सप्ताह भर मनाया जाता है। मुंडा, भूमिज और हो जनजाति इस पर्व को विशेष रूप से मनाते हैं।

सरहुल पूजा में गांव के पुजारी या पहान कुछ दिनों के लिए व्रत रखते हैं। सुबह में वह स्नान कर कच्चे धागे से बने नए धोती पहनते हैं। सरहुल के एक दिन पूर्व शाम में तीन नए मिट्टी के बर्तन में ताजा पानी भरा जाता है। अगली सुबह इन मिट्टी के बर्तन के अंदर, पानी का स्तर देखा जाता है। अगर पानी का स्तर कम होता है, तो अकाल या कम बारिश की भविष्यवाणी की जाती है। यदि पानी का स्तर सामान्य रहता है, तो इसे अच्छी बारिश का संकेत माना जाता है। पूजा शुरू होने से पहले, पहान की पत्नी, पहान के पैर धोती हैं और उनसे आशीर्वाद लेती हैं।

सरहुल पूजा में पहान तीन अलग-अलग रंग के युवा मुर्गा प्रदान करते हैं-पहला ईश्वर के लिए, दूसरा गांव के देवताओं के लिए और तीसरा गांव के पूर्वजों के लिए। इस पूजा के दौरान ग्रामीण सरना की जगह को घेर कर खड़े रहते हैं। पूजा के दौरान ढोल, नगाड़ा, मांदर और तुरही जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्र भी बजाए जाते हैं। पूजा समाप्त होने पर, गांव के लड़के पहान को अपने कंधे पर बैठाते है और गांव की लड़कियां रास्ते भर आगे-पीछे नाचती गाती उन्हे उनके घर तक ले जाती है, जहां उनकी पत्नी उनके पैर धोकर स्वागत करती है। वहां पहान अपनी पत्नी और ग्रामीणों को साल के फूल भेट करते हैं। इन फूलों को पहान और ग्रामीण के बीच भाईचारे और दोस्ती का प्रतिनिधि माना जाता है। गांव के पुजारी हर ग्रामीण को साल के फूल वितरित करते है। और तो और वे हर घर की छत पर इन फूलों को डालते है, जिसे फूल खोसी भी कहा जाता है। पूजा समाप्त होने के बाद हंड़िया नामक प्रसाद ग्रामीणों के बीच वितरित किया जाता है। यह चावल से बनाया जाता है। पूरा गांव गायन और नृत्य के साथ सरहुल का त्योहार मनाता है।

टुसू पर्व

टुसू पर्व सर्दियों के दौरान मकर संक्रांति पर आयोजित होने वाला एक फसल कटाई का त्योहार है। यह एक लोक उत्सव है। टुसू पर्व को तीन प्रमुख नामों से जाना जाता है - टुसू पर्व, मकर पर्व और पौष पर्व। उत्सव के अंत में, टूसू देवी की छवि का विसर्जन टुसू गीतों के साथ विशद रूप से किया जाता है। त्योहार के दौरान ग्रामीण मेलों का भी आयोजन किया जाता है। टुसू पर्व ज्यादातर झारखंड के दक्षिण पूर्व क्षेत्रों में मनाया जाता है। टूसू एक धर्मनिरपेक्ष पर्व है और सभी जातियों और धर्मों के लोग इसे मनाते हैं। यह पर्व मुख्य रूप से भूमिज, कोरा, मुंडा, संथाल, खड़िया, हो, गोंड, चिक बड़ाइक, उरांव, खेरवार, माहली, लोहरा, सबर, करमाली, कुड़मी महतो, लोधा, बागाल, भुइंया, गोंझू द्वारा मनाया जाता है।

करम पर्व

करम पर्व भादपद की शुक्ल पक्ष एकादशी को मनाया जाता है। यह झारखंड, पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और ओडिशा मनाया जाता है। यह एक फसल उत्सव है। यह शक्ति, यौवन और युवावस्था के देवता करम देवता की पूजा के लिए समर्पित है। यह अच्छी फसल और स्वास्थ्य के लिए मनाया जाता है। इसे भाई-बहन का त्योहार भी माना जाता है। करम पर्व पर एक विशेष नृत्य भी किया जाता है। इसे करम नाच कहते हैं। करम पर्व पर श्रद्धालु उपवास के पश्चात करम वृक्ष की शाखा को घर के आंगन में रोपित करते हैं तथा मिट्टी से हाथी और घोड़े की मूर्तियां बनाकर करम देवता की पूजा करते हैं। पूजा-अर्चना करने के बाद महिला-पुरुष नगाड़ा, मांदर और बांसुरी के साथ करम शाखा के चारों ओर करम नाच-गान करते हैं। दूसरे दिन कुल देवी-देवता को नवान्न (नया अन्न) देकर ही उसका उपभोग शुरू होता है। करम नृत्य को नई फसल आने की खुशी में लोग नाच-गाकर मनाया जाता है। करम पर्व बैगा, भूमिज, उरांव, खड़िया, मुंडा, कुड़मी, कोरवा, भुईयां घटवाल, बागाल, घटवार, बिंझवारी, करमाली, लोहरा विशेष रूप से मनाते हैं। ।

जनी शिकार

जनी शिकार भी शिकार का पर्व है। यह हर 12 साल में एक बार आयोजित किया जाता है। महिलाए पुरुषों के कपड़े पहनती हैं और जंगल में शिकार के लिए जाती है। जनी शिकार कुड़ुख महिलाओं द्वारा बख्यिार खिलजी (अलाउद्दीन खिलजी का सेनापति) को भगा देने की याद में मनाया जाता है। बख्यिार खिलजी रोहतास गढ़ में त्योहार के नववर्ष के अवसर पर किले का कब्जा करना चाहता था। 12 वर्ष में किले पर 12 बार कब्जा करने की कोशिश की गई और हर बार कुड़ुख महिलाओं ने उन्हें भगा दिया। महिलाएं युद्ध के क्षेत्र में पुरुषों के कपड़े पहनती थीं।

सेंदरा पर्व

सेंदरा का अर्थ शिकार होता है। ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले आदिवासी हर साल अपनी परंपरा के अनुसार सेंदरा खेलने का पर्व मनाते हैं। इस पर्व में पहले आदिवासी समाज के पुरुष सेंदरा करने जंगल की ओर जाते हैं। सेंदरा से लौटने पर उनका इंतजार करने वाली महिलाएं पैर धोकर उनका स्वागत करती हैं और पानी से ही होली खेलती हैं।

बंदना पर्व/सोहराय

कार्तिक अमावस्या को मनाया जाने वाला बंदना पर्व राज्य के प्रसिद्ध त्योहारों में से एक है। यह पर्व मुख्य रूप से पशुओं के लिए हैं। इस त्योहार में लोग अपनी गायों और बैलों को धोते है, साफ करते है, और सुंदर गहने से सजाते है। इस त्योहार के गीत को ओहिरा कहा जाता है, जो पशुओ को समर्पित होते हैं। पशुओं को सजाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला रंग प्राकृतिक रंग होता है। इसे सोहराय भी कहते हैं।

आखांइन जतरा

आखांइन जतरा, हिंदू पंचांग के माघ महीने की पहली तिथि को मनाया जाता है। यह कृषि उत्सव है। झारखंड में आखांइन को नववर्ष के रूप में मनाते हैं। जनजातीय लोग वर्ष की शुरुआत मानकर इस दिन से सारे शुभ कार्य शुरू कर देते हैं। किसान परंपरा के अनुसार, इस दिन से ही खेत में पहला हल चलाकर खेती की शुरुआत की जाती है। वर्तमान समय में इसे जनजातीय और गैर जनजातीय किसान दोनों समुदायों द्वारा मनाया जाता है। आखांइन जतरा के साथ ही टुसू पर्व का आगाज हो जाता है।

कौन झारखंडी है यह आज तक निर्णय नहीं हुआ, विकास क्या होगा : डॉ भगत

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर देश और राज्य में जनजातियों की स्थिति पर ध्यान जाना स्वाभाविक है। जनजातियों की बड़ी आबादी अब भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इन्हीं मुद्दों को लेकर हमारे प्रतिनिधि रजनीश ने आजसू पार्टी के महासचिव डॉ देवशरण भगत से बात की। डॉ भगत झारखंड के आदिवासी समुदाय के बौद्धिक चेहरे का प्रखर प्रतिनिधित्व करते हैं।

डॉ देवशरण भगत से बातचीत के प्रमुख अंश -

प्रश्न : झारखंड अलग राज्य जिन मुद्दों पर बना था, आज भी वही मुद्दे हैं। इसे आप कैसे देखते है?

उत्तर : जिन विषयों के लेकर झारखंड अलग राज्य बना था, जिन विषयों के लिए हमारे पूर्वजों ने अपनी प्राणों तक की आहुति दी थी, आज उन विषयों को ही अनदेखा कर दिया गया है। झारखंड क्यों अलग राज्य बना था? यह इसलिए बना था, क्योंकि हम अपना निर्णय खुद ले सकें। अबुआ दिशुम अबुआ राज हो सके। जल, जंगल, जमीन, पहाड़, पर्वत, रीति-रिवाज, संस्कृति, भाषा, स्वाभिमान,

और स्वशासन हो सके। राज्य में जमीन संरक्षण के लिए सीएनटी-एसपीटी जैसे कानून बने हुए हैं, लेकिन उन कानूनों के रहते हुए भी आदिवासियों की जमीन को लूटा जा रहा है। यूएन ने विश्व आदिवासी दिवस इसलिए मनाने की घोषणा की थी, ताकि आदिवासियों के जल जंगल जमीन, संस्कृति, सभ्यता, भाषा को बचाया जा सके, उसे संरक्षित किया जा सके।

प्रश्न : झारखंड में स्थानीय कौन है?

उत्तर : झारखंड में आज तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि स्थानीय कौन है। हम किसे स्थानीय कहें, इस बात का अब तक कोई कंफर्मेशन नहीं हो पाया है। हम किसे नियोजित करें, नियोजन नीति नहीं बनी है। झारखंड में न तो नियोजन नीति बनी और न ही स्थानीय नीति बनी। कौन कहां जाएगा और यह कैसे तय होगा, आज भी एक बड़ा प्रश्न ही बन कर रह गया है।

प्रश्न : आज जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाएं कहां हैं?

उत्तर : आज जनजातीय व क्षेत्रीय भाषा के लिए विश्वविद्यालय में शिक्षक नहीं हैं। तो, इसके शोध कार्य कैसे होंगे और इसे संरक्षित कैसे किया जाएगा। और, हम कहते हैं कि केजी से लेकर पीएचडी तक की पढ़ाई हम जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा में करेंगे। हम झारखंड की जनजातीय संस्कृति को सहेज कर कैसे रखेंगे और क्या पढ़ाएंगे? प्राइमरी स्कूल में बच्चों को सिलेबस नहीं मिला है, शिक्षक नहीं हैं, पुस्तकें नहीं मिली हैं। इस पर काम करने की जरूरत है। हमारे पूर्वज सिदो-कान्हू, बिरसा मुंडा, नीलांबर पीतांबर जैसे कई वीर योद्धा झारखंड में रहे हैं। वे क्यों लड़ रहे थे, क्योंकि वे चाहते थे कि अपनी धरती का सब कुछ बचा के रखें। अपनी भाषा और संस्कृति बची रहे।

प्रश्न : आजसू सरकार में थी, तब आपने क्या किया?

उत्तर : सुदेश महतो जब मंत्री थे, उस वक्त उन्होंने जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा शोध के लिए कई रिसर्च सेंटर बनवाए थे। यह अलग-अलग जिलों में है। वहां रिसर्च होते थे। प्रयास होता था कि इन रिसर्च सेंटर में किसी भाषा को कैसे विकसित किया जाए? इस पर काम चलता था। लेकिन, आज वह किस परिस्थिति में है, यह कहना मुश्किल है। सुदेश महतो ने आदर्श गांव की स्थापना की थी, क्योंकि वह उस गांव को आदर्श बनना चाहते थे, जहां के महापुरुष ने अपनी शहादत आजादी की लड़ाई के लिए दी हो या अलग राज्य बनाने की लड़ाई में दी हो, जिनका एक अलग तरह का योगदान रहा हो। वहां के लोगों को यह पता चलना चाहिए कि हमारे गांव के ही एक बुजुर्ग या एक युवक ने अपनी भाषा, संस्कृति एवं सभ्यता के लिए लड़ाई लड़ी थी। आज उस आदर्श गांव का क्या हुआ

झारखंड की प्रमुख जनजातियां

झारखंड विभिन्न जनजातियों का निवास स्थान है। इसलिए झारखंड की संस्कृति पर इसका मिश्रित प्रभाव पड़ा है। राज्य की कुछ जनजातियां सनातन धर्म से प्रभावित हैं, तो कुछ बौद्ध और जैन धर्म से। कुछ ईसाई धर्म से भी प्रभावित है।

संथाल

राज्य की सबसे बड़ी जनजातियों में से एक है संथाल जनजाति। ये मुख्य रूप से हिंदू धर्म, ईसाई धर्म और सरना धर्म का पालन करते हैं। वे संथाली भाषा बोलते हैं। सोहराय इस समुदाय का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है।

मुंडा

झारखंड और भारत में सबसे बड़ी अनुसूचित जनजातियों में से एक मुंडा हिंदू धर्म (सनातन धर्म), ईसाई धर्म आदि का पालन करते हैं। वे मुंडारी भाषा बोलते हैं। इनके कई नृत्य, कला और संगीत प्रसिद्ध हैं। मुंडा समुदाय द्वारा मनाए जाने वाले प्रमुख त्योहार में मागे पर्व, सरहुल, सोरहाई, फागु और करम शामिल हैं।

हो

हो जनजाति झारखंड में अनुसूचित जनजातियों का लगभग 10.7 प्रतिशत है। हो समुदाय झारखंड के अलावा ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में भी पाए जाते हैं। यह जनजाति हो भाषा बोलती है।

बैगा

झारखंड की बैगा जनजाति छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी पाई जाती हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड में बैगा समुदाय के लगभग 3585 लोग रहते हैं। यह जनजाति प्रकृति को मां मानती है और प्रकृति की शक्ति में दृढ़ता से विश्वास करती है। इसलिए इस जनजाति समुदाय में भोजन प्राप्त करने के लिए हल चलाने पर रोक है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस जनजाति के ज्यादातर लोग बांग्ला भाषा बोलते हैं।

असुर

वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार झारखंड में असुर समुदाय के लगभग 33,000 लोग रहते हैं। इस जनजाति के लोग बिरजा भाषा बोलते हैं।

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | श्रावण शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार, 09 अगस्त 2024, वर्ष-30, अंक- 292, पृष्ठ-16 ₹3.00 रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और **शुभकामनाएं**

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

वर्ष 2024 का थीम : 'स्व-निर्णय के लिए परिवर्तन के एजेंट के रूप में स्वदेशी युवा' विश्व आदिवासी दिवस 2024 का थीम है। यह थीम परिवर्तनकारी कार्यों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। यह जनजातीय समुदायों के भीतर और बाहर आत्मनिर्णय के अपने अधिकार पर जोर देने में 'स्वदेशी' युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में पहली बार विश्व आदिवासी दिवस के संबंध में घोषणा की थी। 23 दिसंबर 1994 के प्रस्ताव 49/214 द्वारा, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने निर्णय लिया कि विश्व के आदिवासी लोगों के अंतरराष्ट्रीय दशक (1995-2004) के दौरान आदिवासी या स्वदेशी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस हर वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाएगा। और, तब से हर वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है।

आदिवासी 'आदि' और 'वासी' शब्द से मिलकर बना है। यानी, किसी भी क्षेत्र में आदि काल या शुरु से रहने वाला व्यक्ति। इसे 'आदिम' भी कहा जा सकता है। क्योंकि, 'आदिम' का अर्थ है, जो शुरु से है या पहले से है। यह आदिवासी समुदाय को समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से परिभाषित करता है। इसमें आदिवासियों को समुदाय की भाषा, संस्कृति, वंश परंपरा, निश्चित भौगोलिकता आदि से परिभाषित किया जाता है। वहीं, मानव शास्त्री आदिवासियों को वंश एवं रक्त के तत्व के आधार पर शेष मानव समुदाय से अलग करते हैं। भारत में आदिवासी समुदाय की पहचान के लिए पांच तत्वों को अनिवार्य माना गया है। इन पांच तत्वों में एक खास क्षेत्र में सिमटे रहना, अनूठी सांस्कृतिक परंपरा, आदिम प्रवृत्तियां, आर्थिक पिछड़ापन और बाहरी लोगों से मिलने में हिचकिचाहट शामिल हैं।

ऋग्वेद का एक सूत्र है 'ऋतस्य यथा प्रेत।' इसका अर्थ है प्राकृतिक नियमों के अनुसार जीएं। आदिवासी जीवन इसी दार्शनिक सूत्र पर आधारित है और वास्तव में पृथ्वी पर निवास करने वाले सभी जीवों सहित प्रत्येक मनुष्य पर यह लागू होता है। आदिवासी समुदाय प्रकृति के तत्वों को संरक्षित करते हुए व मानव जीवन से अलग जीवजगत के प्रति सह अस्तित्व का दृष्टिकोण हमेशा से अपनाता रहा है। अपने को सभ्य व विकसित समझने वाले मनुष्य आज न केवल पृथ्वी, बल्कि संपूर्ण सृष्टि के लिए खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं। उस समय विश्व आदिवासी दिवस मनाते हुए जनजातीय समुदाय के प्रकृति प्रेम को समझना आवश्यक है। तब ही यह पृथ्वी बचेगी और हम बचेंगे। आइए, संकल्प लें कि प्रकृति के नियमों के अनुसार जीवन बिताएंगे, 'तमसो मा ज्योतिर्गमय।'

भारतीय जनजातीय समुदाय के नायक थे धरती आबा बिरसा मुंडा

धरती आबा बिरसा मुंडा न केवल भारतीय जनजातीय समुदाय के महानायक थे, बल्कि महान स्वतंत्रता सेनानी भी थे। झारखंड, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के जनजातीय इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है। भगवान बिरसा का जन्म 15 नवंबर 1875 को झारखंड (उस समय बंगाल प्रेसीडेंसी) के खूंटी जिले के अड़की प्रखंड के उलिहातू गांव में एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम सुगना पुर्ती (मुंडा) और माता का नाम करमी पुर्ती (मुंडा) था। उनकी प्रारंभिक पढ़ाई साल्गा गांव में हुई थी। इसके बाद वे चाईबासा के गोस्नर इवेंजेलिकल लुथरन चर्च से जुड़े विद्यालय में पढ़ाई करने चले गए। धरती आबा ने 1895 में अंग्रेजों की लागू की गई जमींदारी प्रथा, राजस्व व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई शुरू की। उन्होंने जंगल-जमीन बचाने के लिए सभी आदिवासियों को संगठित किया और फिर अंग्रेजों के खिलाफ 'उलगुलान' छेड़ दिया। इसे 'आदिवासी विद्रोह' कहा जाता है, लेकिन यह वास्तव में जनजातीय अस्मिता और संस्कृति को बचाने के लिए एक महाविद्रोह था।

20 वर्ष की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते बिरसा मुंडा वैष्णव धर्म की ओर मुड़ गए। जो आदिवासी किसी महामारी को दैवीय प्रकोप मानते थे, उनको वे महामारी से बचने के उपाय समझाते और लोग बड़े ध्यान से उन्हें सुनते और उनकी बात मानते थे। जनजातीय समुदाय के लोग उस समय हैजा, चेचक, को ईश्वर की मर्जी मानते, लेकिन बिरसा उन्हें समझाते कि चेचक-हैजा से कैसे लड़ा जाता है। वे आदिवासियों को अपने धर्म एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए कहते। जनजातीय समुदाय के लोग धीरे-धीरे बिरसा मुंडा पर विश्वास करने लगे। बिरसा मुंडा आदिवासियों के भगवान हो गए और उन्हें 'धरती आबा' कहा जाने लगा। लेकिन, आदिवासी पुनरुत्थान के नायक बिरसा मुंडा अंग्रेजों से जुड़े कुछ लोगों की आंखों खटकने लगे। एक बड़ी साजिश कर 3 मार्च 1900 को बिरसा मुंडा को पकड़ लिया गया। उनके किसी अपने ने ही 500 रुपये के लालच में उनके गुप्त ठिकाने के बारे में प्रसाशन को सबकुछ बता दिया था। उनके साथ करीब 400 लोग भी पकड़े गए थे। बिरसा मुंडा पर क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की बहुत-सी धाराओं में केस दर्ज किया गया था। पर, वे जानते थे कि उन्हें सजा नहीं होगी। 9 जून 1900 की सुबह में बंदीगृह में उन्हें उल्टियां होने लगीं। कुछ ही क्षण में वे बेहोश हो गए। डॉक्टर को बुलाया गया, उसने बताया कि बिरसा मुंडा की नब्ज नहीं चल रही थी। अंग्रेज सरकार ने कहा कि उनकी मौत हैजे से हो गई। लेकिन, लोगों का मानना है कि उन्हें विषैला पदार्थ दे दिया गया था, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

भारत में 10 करोड़ से ज्यादा है जनजातीय आबादी : *वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार देश में अनुसूचित जनजातियों की आबादी 10.42 करोड़ से ज्यादा है। झारखंड में आदिवासियों की आबादी 86.45 लाख से अधिक है। यहां 32 जनजातियां निवास करती हैं। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या का कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत है। अनुसूचित जनजातियां ग्रामीण इलाकों की कुल आबादी का 11.3 प्रतिशत है। शहरी क्षेत्रों में जनजातीय आबादी का मात्र 2.8 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है। जनगणना 2011 के अनुसार, देश में अनुसूचित जनजातियों के कुल 9,38,19,162 लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं। वहीं, 1,04,61,872 लोग शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। 2001-2011 के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों की दशकीय वृद्धि दर कम 21.3 प्रतिशत थी। शहरी क्षेत्रों में यह 49.7 प्रतिशत थी।*

अनुसूचित जनजातियों के अधिकतम अनुपात वाले राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

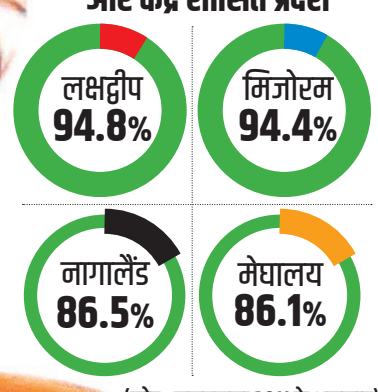

(नोट : जनगणना 2011 के अनुसार)

अनुसूचित जनजातियों के न्यूनतम अनुपात वाले राज्य और केंद्र शासित प्रदेश

उत्तर प्रदेश : **0.6 प्रतिशत**

तमिलनाडु : **1.1 प्रतिशत**

बिहार : **0.3 प्रतिशत**

केरल : **1.5 प्रतिशत**

उत्तराखंड : **2.9 प्रतिशत**

(नोट : जनगणना 2011 के अनुसार)

इन राज्यों में नहीं है अनुसूचित जनजातियों की आबादी : **पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पुडुचेरी।**
(नोट : यहां कोई अनुसूचित जनजाति अधिसूचित नहीं है।)

यहां अनुसूचित जनजाति के लोग बहुसंख्यक हैं : **झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, अंडमान-निकोबार, सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैंड और असम।**

यहां अनुसूचित जनजाति के लोग अल्पसंख्यक हैं : **गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल।**

कौन हैं आदिवासी

- आदिवासी प्रकृति की पूजा करते हैं। ये जंगल, पेड़, पौधों प्रेम करते हैं। इन्हें जड़ी-बूटियों और औषधियों का ज्ञान पर्याप्त ज्ञान होता है।
- इनका मुख्य हथियार तीर-धनुष है। ये शिकार में माहिर होते हैं, लेकिन इनकी जीवनशैली सादा व पारंपरिक है। पूर्वजों की परंपरा का ये आज भी पालन करते हैं।
- अपने लोगों के बीच रहना इन्हें पसंद है। अपनी भूमि, भाषा और संस्कृति से इन्हें विशेष लगाव होता है। ये पारंपरिक कला को जीवित रखे हुए हैं। गीत-संगीत से इन्हें खास प्रेम होता है।

झारखंड की अनुसूचित जनजातियों की खास बातें

- झारखंड में 32 अनुसूचितजनजातियां निवास करती हैं।
- अनुसूचित जनजाति की आबादी के हिसाब से झारखंड देश में छठे स्थान पर है। यह देश की कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत है।
- वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, झारखंड में जनजातियों की संख्या 86,45,042 है, जो राज्य की आबादी का 26.2 प्रतिशत है। इसमें आदिम जनजाति 1,92,425 हैं, जो कुल आबादी का 0.72 प्रतिशत है।
- संताल राज्य की सबसे बड़ी जनजाति है। इनकी कुल जनसंख्या 27.54 लाख है। इसके बाद उरांव की जनसंख्या 17.16 लाख है। मुंडा जनजाति की संख्या 12.29 लाख है।
- राज्य में 91.7 प्रतिशत आदिवासी आबादी आज भी गांवों में रहती है।
- झारखंड विधानसभा की 81 सीटों में 28 सीटें अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित हैं। वहीं, 14 लोकसभा में पांच सीटें इनके लिए सुरक्षित हैं।
- झारखंड की जनजातियां श्रीलंका की बेद्दा और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों से काफी हद तक मिलती हैं।
- प्रजातीय तत्व के आधार पर झारखंड की सभी जनजातियों को 'प्रोटो-ऑस्ट्रोलॉयड' वर्ग में रखा गया है।
- अधिसंख्य जनजातीय भाषाएं आस्ट्रिक समूह की हैं। केवल उरांव जनजाति की कुड़ुख भाषा और माल पहाड़िया व सौरिया पहाड़िया की मालतो भाषा द्रविड़ समूह से संबंध रखती हैं।

1951 में अविभाजित बिहार में आदिवासियों की संख्या 36.02 प्रतिशत थी।

भारत में जनजाति समुदाय

- भारत में 500 से ज्यादा जनजातीय समूह हैं। इनमें लगभग 75 विशेष रूप से कमजोर हैं।
- 1961 की जनगणना के अनुसार, देश में अनुसूचित जनजाति की आबादी करीब 3.1 करोड़ (कुल जनसंख्या का 6.9 प्रतिशत) थी।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, देश में अनुसूचित जनजाति की आबादी लगभग 10.45 करोड़ थी, जो कुल आबादी का लगभग 8.6 प्रतिशत है। यानी, अनुसूचित जनजाति की आबादी में 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

झारखंड में निवास करती हैं 32 जनजातियां

भारत में 500 से ज्यादा जनजातीय समूह हैं। वहीं, 461 अनुसूचित जनजातियां हैं। इनमें से 32 जनजातियां झारखंड में निवास करतीं हैं। इनमें 24 प्रमुख जनजातियों की श्रेणी में हैं, जबकि आठ को आदिम जनजातियों की श्रेणी में रखा गया है। आदिम जनजाति की श्रेणी में बिरहोर, कोरवा, असुर, परहिया, विरजिया, सौरिया पहाड़िया, माल पहाड़िया और सबर शामिल किए गए हैं। दो जनजातियों की आबादी 500 से भी कम है। दो की 5,000 से कम है। चार जनजातियों की आबादी पांच हजार से 10 हजार के बीच है। किसी की आबादी 10 हजार नहीं है। यहां हमें 'जनजाति' और 'अनुसूचित जनजाति' का अंतर समझ लेना चाहिए। किसी क्षेत्र के मूल निवासियों के लिए सामान्य शब्द 'आदिवासी' है। अब 'आदिवासी' के लिए 'जनजाति' शब्द का प्रयोग ज्यादा होता है। जबकि, भारत में 'अनुसूचित जनजाति' एक कानूनी और संवैधानिक शब्द है। हर राज्य और क्षेत्र में 'अनुसूचित जनजाति' में अलग-अलग जनजाति के लोग सम्मिलित किए गए हैं। 'जनजाति' के लिए 'स्वदेशी' शब्द का भी प्रयोग किया जाता है। अंग्रेजी में जनजाति के लिए 'ट्राइब' और स्वदेशी के लिए 'इंडीजेनस' शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'इंडीजेनस' शब्द का प्रयोग व्यापक अर्थ में होता है।

विश्व में आदिवासी समुदाय

विश्व में आदिवासी समुदाय की जनसंख्या करीब 37 करोड़ है। यह विश्व की कुल जनसंख्या का पांच प्रतिशत है।

दुनिया में लगभग 5000 आदिवासी समुदाय हैं। ये आदिवासी समुदाय करीब सात हजार भाषाएं बोलते हैं।

इन राज्यों में ये प्रमुख जनजातियां हैं

राज्य - प्रमुख जनजातियां

झारखंड - संथाल, मुंडा, उरांव, हो, पहाड़िया, बिरहोर, खरिया, तमरिया आदि।
पश्चिम बंगाल - असुर, बिरहोर, मालपहाड़िया, भूमिज, लोधा, माघ, महली, लेप्चा, पोलिया आदि।
ओडिशा - खोंड, कंध, जुआंग, करिया, सवारा आदि।
मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ - भील, गोंड, बैगा, कोरवा, पहाड़ी मारिया, मुरिया, परजा, भट्टरा, दंडामी, अगरिया, सहरिया, हल्बा आदि।
उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड - थारू, भाटिया, खरवार, भुइया, कोल, मांझी, जौनसारी, भोक्शा, राजी, खासा आदि।
हिमाचल प्रदेश - गुज्जर, गद्दी, किन्नर आदि।
राजस्थान - भील, मीना, गरासिया, कथोरिया आदि।
अरुणाचल प्रदेश - मिशमी, मिरी, डफला, आका, सिंफो, अपतानी, खामती आदि।
असम - बोरा, चकमा, कचारी, मिकिर आदि।
मेघालय - गारो, जयंतिया, खासी, हमार आदि।
नगालैंड - अंगामी, लोथा, कोनयाक आदि।
मणिपुर - कुकी, मुघ, लेप्चा आदि।
त्रिपुरा - कुकी, गारो, भूटिया, चकमा आदि।
मिजोरम - मिजो, लाखेर आदि।
जम्मू और कश्मीर - बकरवाल, गद्दी आदि।
आंध्र प्रदेश और तेलंगाना - कुरुम्बा, चेंचू, बागाटा, यांडई, बगदाज, कोया, खोंड, गदाबा आदि।
केरल - कुरुम्बा, कादर, इरुला, पुलियान आदि।
तमिलनाडु - कुरुम्बा, बडगा, कोटा, टोडा आदि।
अंडमान और निकोबार - ग्रेट अंडमानी, निकोबारी, जारवा, सेंटेनेलीज, ओंगे, शोंपेन आदि।

अमेरिका से व्याख्याता का पद छोड़कर लौटे डॉ राम दयाल मुंडा झारखंड के रवींद्रनाथ टैगोर थे

सुनील बादल

अलग राज्य के लिए झारखंड आंदोलन के मध्यकाल में जब क्रांति उग्र और हिंसक रूप ले चुकी थी, तब तत्कालीन सरकारें इसे अस्वीकार करने से लेकर दबाने तक में लगीं थीं। तब बौद्धिक और बहुत हद तक सांस्कृतिक वर्ग इससे जुड़ने से बचता था। 1980 में अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय में भाषा विज्ञान के व्याख्याता के आकर्षक पद को छोडकर रांची आए डॉ रामदयाल मुंडा ने इसे समझा और छोटानागपुर राज परिवार के दामाद, आइएएस अधिकारी और लेखक डॉ कुमार सुरेश सिंह के सहयोग से जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना कराई। इसमें तत्कालीन दक्षिण बिहार की उपेक्षित नौ भाषाओं की पढ़ाई पहली बार शुरू हुई। डॉ मुंडा के नेतृत्व में डॉ बीपी केशरी, डा. गिरिधारी राम गौंझू, डॉ बीपी पिंगुआ और डॉ कुमारी बासंती जैसे विद्वानों ने इस विभाग को ऊंचाई प्रदान की। आजसू के संस्थापक सूर्य सिंह बेसरा तब विभाग के छात्र हुआ करते थे। एक पुरानी बुलेट मोटरसाइकिल में शॉर्ट कुर्ता और जींसधारी लंबे बालों वाले विलक्षण प्रतिभावान व्यक्ति डॉ मुंडा को पहचानने वाले लोग कम ही थे। राम दयाल ने जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग की स्थापना अपने अथक प्रयासों से की। तब डॉ बीपी केशरी, कुमार सुरेश सिंह, गिरिधारी राम गौंझू और डॉ कुमारी बासंती जैसे विद्वानों और संस्कृति प्रेमियों के साथ मिलकर उन्होंरने एक अलख जगाई। यह आज भी रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के सार्वजनिक त्योहारों सरहुल और कर्मा में देखने को मिलता है, जब सभी नौ भाषाओं के लोग पद और आर्थिक पृष्ठभूमि की चिंता किए बगैर एक अखरा में इकठ्ठा होते हैं। पहिल पिरितिया उनका प्रसिद्ध गीत है और दर्जनों बांसुरियों की मीठी तान से लोग खींचे चले आते थे। उनपर भारत सरकार के फिल्म्स डिवीजन ने नाची से बांची फिल्म बनाई है, जो उनकी विचारधारा थी। फिल्मकार मेघनाथ उन्हें झारखंड का टैगोर मानते हैं। डॉ राम दयाल मुंडा झारखंड के रवींद्रनाथ टैगोर थे। जिस तरह टैगोर ने सामाजिक-सांस्कृतिक क्रांति के लिए बिगुल बजाया था, उसी तरह डॉ मुंडा ने भारत के आदिवासी आंदोलन को आगे बढ़ाया। झारखंड में सामाजिक-सांस्कृतिक-राजनीतिक क्रांति का बिगुल फूंका। वे दो भाषाओं नागपुरी और मुंडारी में गीत लिखते थे। वे तमाड़ के पास के गांव के थे। पंचपरगनिया और कुरमाली सहित कई विदेशी भाषाओं पर उनकी पकड़ थी। 90 के दशक के अंत में भारत सरकार द्वारा बनाई गई कमेटी ऑन झारखंड मैटर के वे प्रमुख सदस्य थे। उसी दौरान उन्होंने द झारखंड मूवमेंट रेट्रोसपेक्ट एंड प्रोस्पेक्ट नामक आलेख लिखा। वे रांची विश्वविद्यालय के कुलपति और राज्य सभा के सदस्य भी रहे। 23 अगस्त 1939 को तमाड़ के दिउडी में जन्मे डॉ मुंडा की 30 सितंबर 2011 को कैंसर से असामयिक मृत्यु के साथ ही झारखंड की जनजातीय क्षेत्रीय समाज का सपना अधूरा रह गया।

देश में ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है 90 प्रतिशत आदिवासी आबादी

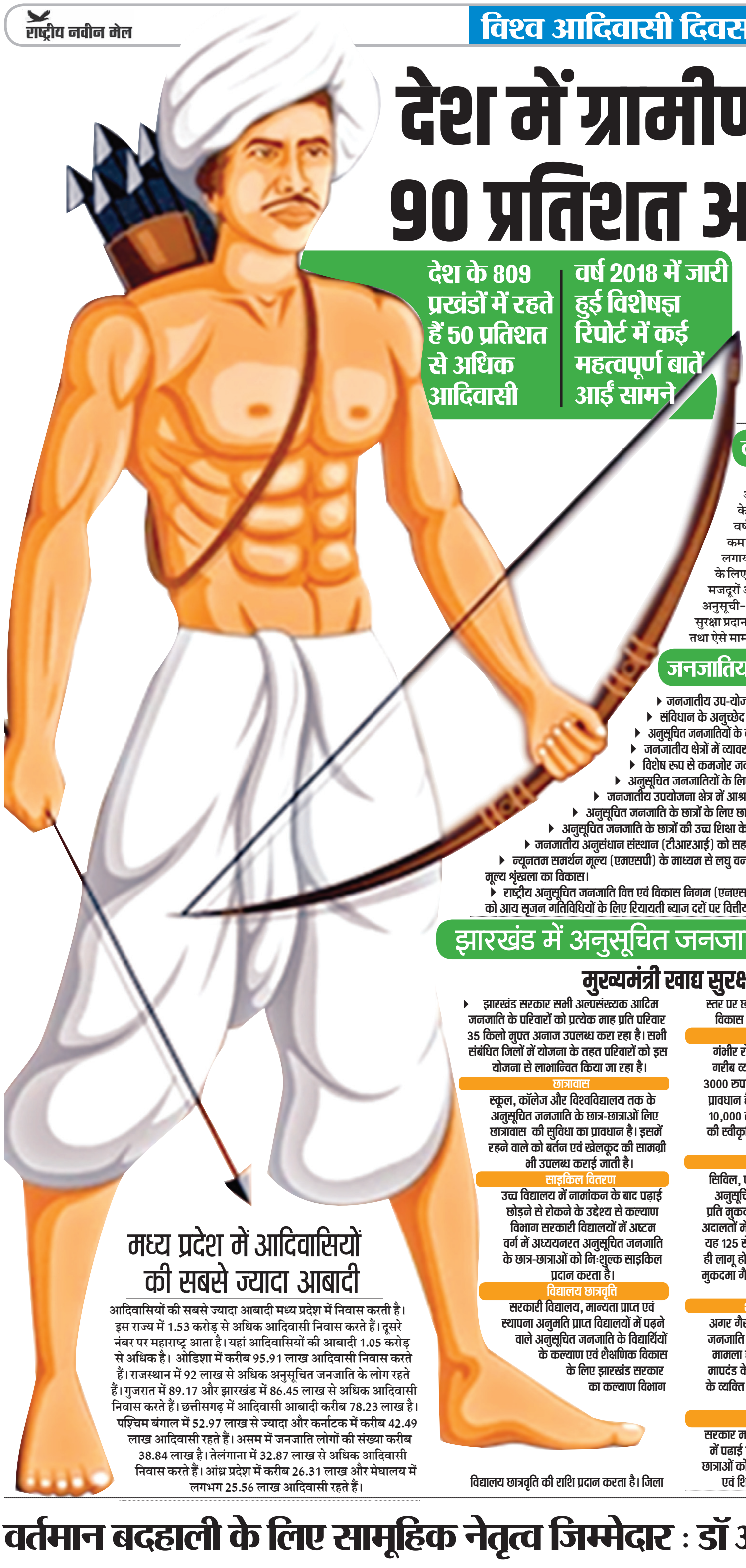

देश के 809 प्रखंडों में रहते हैं 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी

वर्ष 2018 में जारी हुई विशेषज्ञ रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण बातें आईं सामने

आदिवासी स्वास्थ्य पर वर्ष 2018 में विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट जारी की गई थी, जिसका नाम था 'भारत में आदिवासी स्वास्थ्य : अंतर को पाटना और भविष्य के लिए एक रोडमैप।' इसके अनुसार, भारत में 104 मिलियन आदिवासी रहते हैं। ये मुख्य रूप से दस राज्यों और पूर्वोत्तर में केंद्रित हैं। रिपोर्ट के अनुसार, देश की लगभग 90 प्रतिशत आदिवासी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। देश में 90 जिले या 809 प्रखंड ऐसे हैं, जिनमें 50 प्रतिशत से अधिक आदिवासी आबादी हैं। वे देश में अनुसूचित जनजाति (एसटी) की लगभग 45 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यानी, करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी इन 809 आदिवासी बहुल प्रखंडों से बाहर रहती है।

दो-तिहाई से अधिक आबादी प्राथमिक क्षेत्र में कर रही काम

दिसंबर 2018 की इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 2011 की जनगणना के अनुसार दो-तिहाई से अधिक जनजातीय आबादी प्राथमिक क्षेत्र में काम कर रही है और वे या तो कृषक के रूप में, या कृषि मजदूर के रूप में कृषि पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। जनजातीय लोग तेजी से कृषक से कृषि मजदूर बनते जा रहे हैं। वर्ष 2001 और 2011 की जनगणना के बीच की तुलना से पता चलता है कि कृषकों का अनुपात 10 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है, जबकि कृषि मजदूरों का अनुपात अनुसूचित जनजाति की आबादी में 9 प्रतिशत बढ़ गया है। यह अनुमान लगाया गया है कि पिछले दशक में लगभग 3.5 मिलियन जनजातीय लोगों ने अनौपचारिक श्रम बाजार में प्रवेश करने के लिए कृषि और कृषि संबंधी गतिविधियों को छोड़ दिया है। विस्थापन और जबरन पलायन से निर्माण उद्योग में ठेका मजदूरों और प्रमुख शहरों में घरेलू कामगारों के रूप में काम करने वाले अनुसूचित जनजातियों की संख्या में वृद्धि हुई है। अनुसूची-5 के अंतर्गत संवैधानिक प्रावधान भूमि अधिग्रहण आदि के कारण जनजातीय आबादी के विस्थापन के विरुद्ध सुरक्षा प्रदान करते हैं। अनुसूचित क्षेत्र वाले राज्य के राज्यपाल को आदिवासियों से भूमि के हस्तांतरण को प्रतिबंधित करने तथा ऐसे मामलों में अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों को भूमि के आवंटन को विनियमित करने का अधिकार है।

जनजातियों के पलायन कम करने और उनके उत्थान के लिए योजनाएं

- जनजातीय उप-योजना के लिए विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए से टीएसएस)।
- संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत सहायता अनुदान।
- अनुसूचित जनजातियों के कल्याण के लिए कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों को अनुदान सहायता योजना।
- जनजातीय क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना
- विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) का विकास।
- अनुसूचित जनजातियों के लिए बालिकाओं एवं बालकों के छात्रावास की योजना।
- जनजातीय उपयोजना क्षेत्र में आश्रम विद्यालयों की योजना।
- अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजनाएं।
- अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फेलोशिप और छात्रवृत्ति।
- जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) को सहायता।
- न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के माध्यम से लघु वन उपज (एमएफपी) के विपणन के लिए तंत्र और एमएफपी के लिए मूल्य श्रृंखला का विकास।
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसटीएफडीसी) अनुसूचित जनजातियों को आय सृजन गतिविधियों के लिए रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

कानून

- केंद्र सरकार ने कई कानून बनाए हैं, जिनमें जनजातीय लोगों के विस्थापन, पुनर्वास और पुनर्स्थापन के संबंध में विशिष्ट प्रावधान हैं।
- अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006।
- भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013।

झारखंड में अनुसूचित जनजातियों के लिए कल्याणकारी योजनाएं

मुख्यमंत्री खाद्य सुरक्षा योजना

- झारखंड सरकार सभी अल्पसंख्यक आदिम जनजाति के परिवारों को प्रत्येक माह प्रति परिवार 35 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध करा रहा है। सभी संबंधित जिलों में योजना के तहत परिवारों को इस योजना से लाभान्वित किया जा रहा है।

छात्रावास

स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय तक के अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं लिए छात्रावास की सुविधा का प्रावधान है। इसमें रहने वाले को बर्तन एवं खेलकूद की सामग्री भी उपलब्ध कराई जाती है।

साइकिल वितरण

उच्च विद्यालय में नामांकन के बाद पढ़ाई छोड़ने से रोकने के उद्देश्य से कल्याण विभाग सरकारी विद्यालयों में अष्टम वर्ग में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल प्रदान करता है।

विद्यालय छात्रवृत्ति

सरकारी विद्यालय, मान्यता प्राप्त एवं स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के कल्याण एवं शैक्षणिक विकास के लिए झारखंड सरकार का कल्याण विभाग विद्यालय छात्रवृत्ति की राशि प्रदान करता है। जिला स्तर पर छात्रवृत्ति का वितरण ग्राम शिक्षा समिति, विकास समिति के माध्यम से किया जाता है।

चिकित्सा अनुदान

गंभीर रोग से पीड़ित अनुसूचित जनजाति के गरीब व्यक्तियों के इलाज के लिए अधिकतम 3000 रुपये तक चिकित्सा सहायता राशि देने का प्रावधान है। अत्यन्त गंभीर मामले में यह राशि 10,000 रुपये तक हो सकता है। इन अनुदानों की स्वीकृति की शक्ति जिलों के उपायुक्त को दी गई है।

विधिक सहायता

सिविल, फौजदारी एवं राजस्व मुकदमों के लिए अनुसूचित जनजाति के गरीब लोगों के लिए प्रति मुकदमा पर सुनवाई के लिए अलग-अलग अदालतों में अलग-अलग दर निर्धारित की गई है। यह 125 से 1250 रुपये तक है। लेकिन, यह तब ही लागू होगा, जब एक पक्ष सरकार नहीं हो। जब मुकदमा गैर अनुसूचित जनजाति से होगा, तब भी यह लागू नहीं होगा।

शोषण एवं अत्याचार से राहत

अगर गैर अनुसूचित जनजाति द्वारा अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति पर अत्याचार या शोषण का मामला है, तो विभिन्न श्रेणियों में सरकार के मापदंड के अनुसार पीड़ित अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति को राज्य का कल्याण विभाग आर्थिक सहायता प्रदान करता है।

प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति

सरकार मान्यता प्राप्त महाविद्यालय एवं संस्थानों में पढ़ाई कर रहे अनुसूचित जनजाति के छात्र-छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक योजना के तहत छात्रवृत्ति एवं शिक्षण शुल्क का भुगतान करती है।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों की सबसे ज्यादा आबादी

आदिवासियों की सबसे ज्यादा आबादी मध्य प्रदेश में निवास करती है। इस राज्य में 1.53 करोड़ से अधिक आदिवासी निवास करते हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र आता है। यहां आदिवासियों की आबादी 1.05 करोड़ से अधिक है। ओडिशा में करीब 95.91 लाख आदिवासी निवास करते हैं। राजस्थान में 92 लाख से अधिक अनुसूचित जनजाति के लोग रहते हैं। गुजरात में 89.17 और झारखंड में 86.45 लाख से अधिक आदिवासी निवास करते हैं। छत्तीसगढ़ में आदिवासी आबादी करीब 78.23 लाख है। पश्चिम बंगाल में 52.97 लाख से ज्यादा और कर्नाटक में करीब 42.49 लाख आदिवासी रहते हैं। असम में जनजाति लोगों की संख्या करीब 38.84 लाख है। तेलंगाना में 32.87 लाख से अधिक आदिवासी निवास करते हैं। आंध्र प्रदेश में करीब 26.31 लाख और मेघालय में लगभग 25.56 लाख आदिवासी रहते हैं।

वर्तमान बदहाली के लिए सामूहिक नेतृत्व जिम्मेदार : डॉ अरुण उरांव

रांची। मृदुभाषी डॉ अरुण उरांव के पिता बंदी उरांव बिहार सरकार के मंत्री रहे और झारखंड के आदिवासियों के हितों के लिए आवाज उठाते रहे। अपने पिता की ही तरह ये भी आइपीएस अधिकारी रहे, झारखंड में भी एसपी रहे। पंजाब में आईजी पद से स्वैच्छिक सेवा निवृति ली। अरुण उरांव पेशे से डॉक्टर हैं, जो प्रधानमंत्री की मेडिकल टीम के सदस्य रहे। अभी पूरी तन्मयता से रात्रि पाठशालाओं का बड़ी संख्या में संचालन कर रहे हैं। संप्रति कोल इंडिया के निदेशक हैं। राष्ट्रीय नवीन मेल के कार्यकारी संपादक **सुनील बादल** ने उनसे बातचीत की। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश-

प्रश्न : 24 साल का झारखंड कहां है?

उत्तर (डॉ अरुण उरांव) : जिन उम्मीदों से झारखंडियों ने इसका सृजन किया था, आज भी उससे बहुत दूर हैं। रोजगार, पलायन के सवाल या विस्थापन रोकने और खेती की खुशहाली जो मिलनी थी, उससे निम्नवर्ग अभी भी दूर है। एकमात्र फसल धान कटने के बाद सदियों से काम के लिए गांव के गांव बाहर निकल जाते थे, यह आज भी जारी है।

प्रश्न : इसका कारण आप क्या मानते हैं?

उत्तर : इसका सबसे बड़ा कारण नेतृत्व की असफलता है, जो किसी मुख्यमंत्री की नहीं, सभी जनप्रतिनिधियों की अक्षमता के कारण है। छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड इसके साथ ही अस्तित्व में आए थे। दोनों कहां पहुंच गए। अभी हम छोटे स्वार्थों में ही उलझे हुए हैं। अभी भी लोगों को आस है कि स्पष्ट और ईमानदार सोच वाले लोग आएं और राज्य को सही दिशा में गति मिले।

प्रश्न : बाबूलाल जी ने एक शुरुआत की थी, आपका आकलन?

उत्तर : उन्हें समय बहुत कम मिला। आंकड़े हैं, जो बताते हैं कि उन्होंने सड़क, पुल-पुलिया जैसी बुनियादी आधारभूत ढांचा पर काम किया। काम सही दिशा

में चल भी रहा था। अगर अपना कार्यकाल निर्बाध पूरा कर पाते, तो बहुत कुछ कर सकते थे।

प्रश्न : पहले बिहार को दोषी मानते थे। अब तो झारखंडियों का राजपाट है, तब भाषा-संस्कृति तक की कमी क्यों?

उत्तर : विडंबना है कि ज्यादातर मुख्यमंत्री आदिवासी ही रहे, पर टीम के कैप्टेन की तरह काम नहीं हुआ। सामूहिक नेतृत्व को योग्य नौकरशाही से ईमानदारी से काम लेना चाहिए था। पर, इस मानसिकता से काम हुआ कि योजनाओं से चार पैसा मुझे भी मिल जाए, जिससे ईमानदार अधिकारी हतोत्साहित हुए। कुछ विभागों में जरूर अच्छा काम हुआ, जैसे सड़क। खास तौर पर ग्रामीण सड़कों ने झारखंड की जीवनरेखा की तरह काम किया। लोग इलाज से लेकर अनाज-सब्जी की बिक्री के लिए शहरों के बाजार तक ऑटो से आसानी से पहुंच जा रहे हैं। पर, जिस पर फोकस करना था, किसानों पर, वह सबसे उपेक्षित और भ्रष्टाचार का शिकार है। सिंचाई की कुछ योजनाएं अच्छी थीं, जैसे डोभा निर्माण। इससे सिंचाई के साधन और भूगर्भ जल की समस्या दूर हो सकती थी। पर, सबसे अधिक पलायन किसान कर रहे हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। रांची के निकट नगड़ी में कभी एक समुदाय विशेष के लोग ही खेती करते थे, पर आज सिंचाई के साधन मिलने से आदिवासी सहित सभी लोग अच्छी खेती कर रहे हैं।

प्रश्न : आप स्वयं पुलिस के उच्चाधिकारी रहे हैं। माओवाद जैसी गतिविधियों में आदिवासियों के जुड़ाव को किस रूप में देखते हैं?

उत्तर : शुरुआती दिनों में इससे पढे-लिखे लोग भी जुड़े, यह सोचकर कि हमारे पूर्वज भी भूखे-नंगे रहे और अभी भी व्यवस्था उन्हीं पूंजीपतियों के हाथों में है। युवा जो बेरोजगार थे, दो-तीन हजार रुपये में बंदूक ढोने पर राजी हो गए, क्योंकि उन्हें बंदूक की ताकत का अंदाजा हो गया था। बाद में उन्हें अहसास हुआ कि उन्हें छला गया है। और, पुलिस या प्रशासन भले भ्रष्ट हो, पर ऊपर के अधिकारियों तक बात पहुंचाने के रास्ते खुले थे, जबकि माओवादी निरंकुशता से काम करते थे। सरेंडर पॉलिसी भी अच्छी आई और पारामिलिट्री, कोबरा बटालियन जैसे संगठनों ने उनकी कमर तोड़ दी और अब वे अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं।

प्रश्न : होना क्या चाहिए, आप को अवसर मिले तो क्या करेंगे?

उत्तर : झारखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष काम करने की आवश्यकता है। सरकारी स्कूलों का यह हाल है कि स्नातक एक आवेदन पत्र ठीक से लिख नहीं पाता। प्राथमिक कक्षाओं की पढ़ाई का स्तर भी बहुत खराब है। मैंने पंजाब में देखा है कि चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों की पढ़ाई किसी भी निजी स्कूल से बेहतर थी, जिसमें बड़े-बड़े प्रशासनिक अधिकारी भी अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रयासरत रहते थे। यहां प्रखंडों में बिचौलियों की फौज खड़ी रहती है, जो लोगों से अंगूठा लगवाकर योजनाओं का काम कराती है और आधे पैसे आपस में बांट लिए जाते हैं। इसी प्रकार, सरकारी स्वास्थ्य सेवा बदहाल है। इससे माताएं शारीरिक ही नहीं, मानसिक रूप से कमजोर बच्चों को जन्म दे रही हैं, जिससे अगली पीढ़ी तक बर्बाद हो रही है। अंधविश्वास के मूल में भी यही है और नशाखोरी के भी, क्योंकि यहां के सरकारी स्कूलों में पढ़कर बच्चे उन लोगों से मुकाबला नहीं कर पाते और बाहरी लोगों की नियुक्ति सरकारी पदों पर होती है।

भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजातियों के लिए हैं खास प्रावधान

भारतीय संविधान में अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण और कल्याण के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान अनुच्छेद 15 (4) में किया गया है। पदों एवं सेवाओं में आरक्षण का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 16 (4), 16 (4क) और 16 (4ख) में है। अनुच्छेद 46 में शैक्षणिक और आर्थिक हितों का प्रावधान है। ये सभी प्रावधान अनुसूचित जनजातियों के अलावे अन्य वंचित वर्गों पर भी लागू हैं। इसके अतिरिक्त, अन्य क्षेत्रों में भी अनुसूचित जनजातियों के हितों एवं अधिकारों को संरक्षण के लिए भारतीय संविधान में प्रावधान किए गए हैं।

अन्य प्रावधान

- **अनुच्छेद 164 (1) :** यह अनुच्छेद उपबंध करता है कि झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा और मध्य प्रदेश में जनजातियों के कल्याण के लिए एक मंत्री होगा, जो अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों के कल्याण का या किसी अन्य कार्य का भी इंचार्ज हो सकेगा।
- **अनुच्छेद 243 (घ) :** यह अनुच्छेद पंचायतों में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है।
- **अनुच्छेद 330 :** यह अनुच्छेद लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है।
- **अनुच्छेद 332 :** यह अनुच्छेद विधानसभाओं में अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है।

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | श्रावण शुक्ल पक्ष 05, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), शुक्रवार, 09 अगस्त 2024, वर्ष-30, अंक- 292, पृष्ठ-16 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanavccnmail.com

विश्व आदिवासी दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 72094 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 72094 03444 संपर्क करें।

एक नजर

हॉकी में भारत ने किया कांस्य पर कब्जा

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कमाल कर दिया है और टोक्यो के बाद पेरिस ओलंपिक में भी अपना परचम लहराते हुए कांस्य पदक जीत लिया है। भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था। इस बार स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। यह ओलंपिक के इतिहास में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का 13वां पदक था। टोक्यो ओलंपिक ने भारतीय हॉकी की कहानी बदलकर रख दी है। इस ओलंपिक से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम 2016 के रियो ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी। 2012 में लंदन में हुए ओलंपिक खेलों में हॉकी टीम ने क्वालीफाई किया, लेकिन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई। भारतीय हॉकी टीम के लिए सबसे खराब पल 2008 में हुई बीजिंग ओलंपिक में आया।

1970 के बाद दूसरी बार हो रहा भेड़ियों का सर्वे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नेशनल वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट की टीम पलामू टाइगर रिजर्व क्षेत्र अंतर्गत महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में सर्वे कर रही है। यह सर्वे महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ (भेड़िया) के लिए किया जा रहा हैं। बता दें कि देश के एक मात्र वुल्फ सेंचुरी महुआडांड़ में ही है। यह टीम चार महीने तक वहां पर रह कर भेड़ियों के डाटा को इकट्ठा कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इसकी वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट देहरादून में आकलन किया जा रहा है। महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी का कॉरिडोर झारखंड, छत्तीसगढ़ के बीच जुड़ा है। सर्वे में महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी के इलाके में 70 भेड़िया के होने के सबूत मिले हैं। भेड़ियों का समूह चार झुंडों में बंटा हैं। भेड़ियों का यह झुंड छत्तीसगढ़, झारखंड के बीच घूम रहा है। वुल्फ सेंचुरी में करीब 63 वर्ग किलोमीटर में फैला है व पलामू टाइगर रिजर्व के एक हिस्से में मौजूद है। यह एशिया का एकमात्र वुल्फ सेंचुरी है, जहां दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ पाए जाते हैं। महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी का गठन 1976 में किया गया था। गठन से पहले 1970 में सर्वे हुआ था। 1979 में महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में भेड़ियों की गिनती की गई थी। उस समय 49 भेड़िया मिले थे। जानकारी के अनुसार पलामू टाइगर रिजर्व करीब 1129 वर्ग किलोमीटर में फैला है। इसमें 63 वर्ग किलोमीटर में वुल्फ सेंचुरी है। यह सीमा छत्तीसगढ़ से सटा है। यहां पर दुर्लभ प्रजाति के इंडियन ग्रे वुल्फ हैं। सर्वे में यह बात निकाल कर सामने आई है कि एक बार खतरा महसूस होने के बाद जीवन भर भेड़िया मांद में वापस नहीं लौटते हैं। भेड़िया आमतौर पर बकरी का शिकार करते हैं। जिससे ग्रामीणों को नुकसान होता है। ग्रामीण भेड़ियों के मांद में जाल लगा देते हैं। एक बार भेड़िया को इसका एहसास होता है तो दोबारा उस इलाके में भेड़िया नहीं जाते हैं। यही कारण है कि झारखंड से निकलकर भेड़िया छत्तीसगढ़ के इलाके में चले जाते हैं। भेड़िया की याददाश्त काफी मजबूत होती है।

- **भेड़ियों की मांद में लगाया गया ट्रैकिंग कैमरा, एशिया के एक मात्र वुल्फ सेंचुरी में हो रहा व्यवहार का आकलन**
- **एशिया के एक मात्र वुल्फ सेंचुरी में आखिर क्यों कम हो रही भेड़ियों की संख्या? वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट कर रहा आकलन**
- **पलामू टाइगर रिजर्व में दिखे दुर्लभ प्रजाति के 100 भेड़िएं**

महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी में 100 के करीब भेड़ियां मौजूद है। भेड़िया के व्यवहार उनके हैबिटेट के बारे में विस्तृत सर्वे किया जा रहा है। 1970 के बाद यह पहला मौका है जब इस तरह के सर्वे की शुरूआत की गई है। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट की एक टीम ने महुआडांड़ वुल्फ सेंचुरी के इलाके में महीनों से कैम्प कर रही है। इस दौरान कई चौंकाने वाली जानकारी भी निकाल कर सामने आई है।

- प्रजेशकांत जेना, उपनिदेशक, पीटीआर

'वुल्फ सेंचुरी में सर्वे हो रहा है, कुछ फैक्ट निकले हैं। जिसका आकलन वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट कर रही है।'

- कुमार आशुतोष, निदेशक, पीटीआर

मुख्य कार्यक्रम

9 अगस्त 2024

शुभारंभ समारोह

अपराह्न 12:10 से 06:45 तक

- रीझ-रंग शोभा यात्रा
- मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का आगमन
- आदिवासी दिव्यांग बच्चों द्वारा परिधान प्रदर्शन
- मिजोरम, आसामी, छत्तीसगढ़ और ओड़िशा का आदिवासी नृत्य
- छात्रों द्वारा चारित्रिक गुणों पर आधारित नाटक
- अखड़ा दर्शन 8 जनजातियों का गीत नृत्य
- पद्मश्री मुकुंद नायक द्वारा नागपुरी गीत नृत्य
- संथाली बैंड की प्रस्तुति
- लोक कला वाद्ययंत्र एवं परिधान की प्रस्तुति

10 अगस्त 2024

सांस्कृतिक कार्यक्रम

पूर्वाह्न 11:00 बजे से 03:30 तक

- आधुनिक नागपुरी और कुड़ुख गीत
- त्रिपुरा, मिजोरम, झारखण्ड, महाराष्ट्र, आसामी, उत्तर प्रदेश और राजस्थानी आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति
- झारखण्ड का आदिवासी पांता झूमर नृत्य
- आधुनिक नागपुरी गीत
- पद्मश्री मधुमंसूरी का गायन
- छात्र - छात्राओं द्वारा आरोहण गीत की प्रस्तुति
- झारखण्ड रंगारंग महोत्सव
- मानभूम छउ नृत्य

समापन समारोह

सांय 05:00 बजे से 07:30 तक

- मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का आगमन
- आसाम बैंड की प्रस्तुति
- "फ्लेम ऑफ दी फारेस्ट" वादन कार्यक्रम
- आदिवासी परिधान प्रदर्शन प्रस्तुति
- लेजर एवं फायर शो (VFX)

झारखण्ड सरकार

झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2024

9 एवं 10 अगस्त 2024

बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची

आप सभी इस महोत्सव में सादर आमंत्रित हैं

कार्यक्रम स्थल

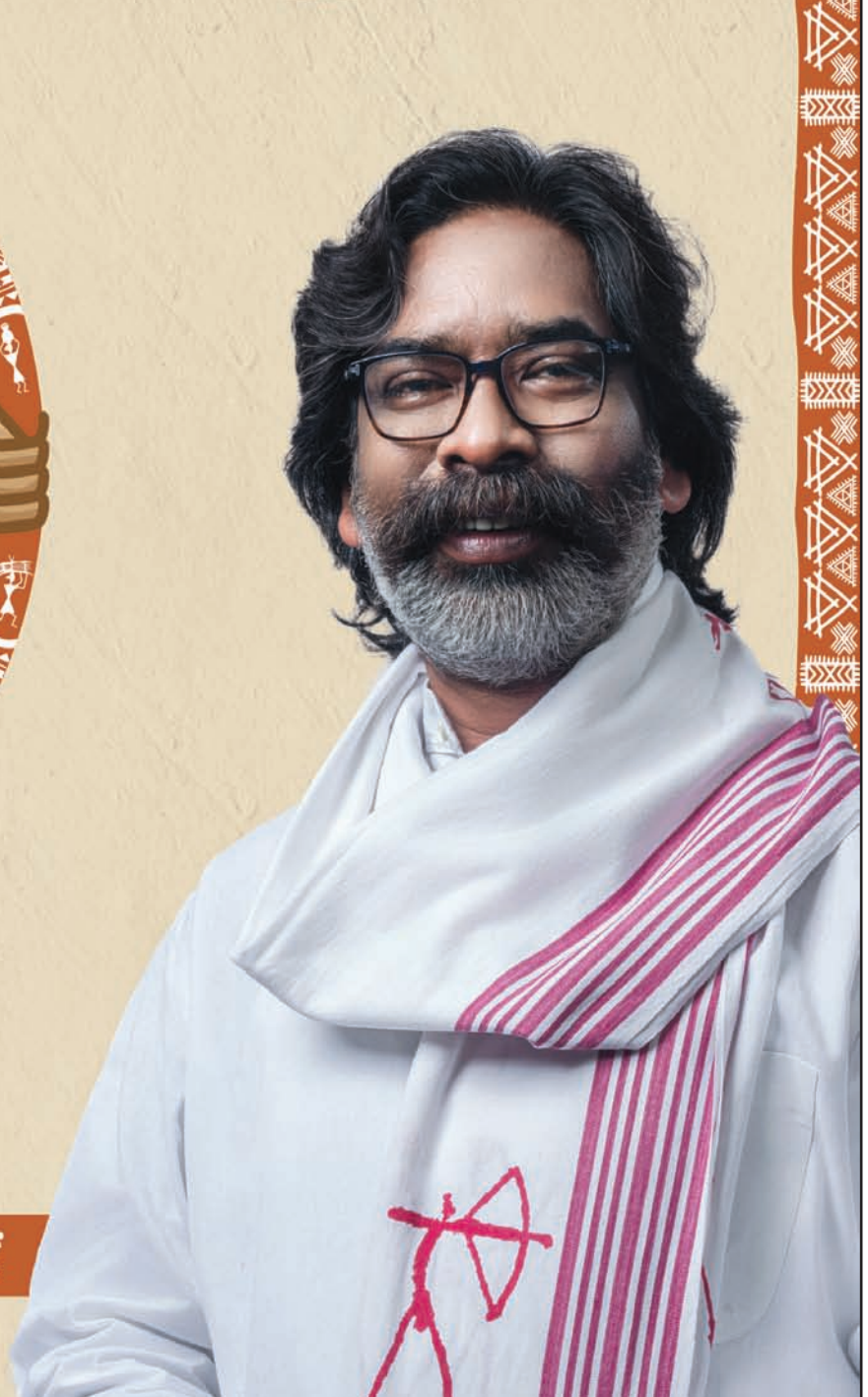

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

PR No. 332321 (IPRD) 2024-25

सामुदायिक पुलिसिंग के तहत बच्चों के लिए नि:शुल्क कोचिंग चलाई जा रही है

उत्पाद सिपाही, पुलिस, झारखंड सचिवालय, एसएससी, परीक्षाओं की तैयारी करायी जायेगी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले के मनातू थाना अंतर्गत आने वाले अति उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए पलामू पुलिस ने एक सार्थक और प्रशंसनीय पहल की है। इस पहल की पूरे क्षेत्र में सराहना की जा रही है। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गुरुवार से क्षेत्र के ग्रामीण बच्चों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए

निःशुल्क कोचिंग कक्षाओं की शुरूआत की गई है। कोचिंग में विशेष तौर पर उत्पाद सिपाही, झारखंड पुलिस, झारखंड सचिवालय, एसएससी, जीडी आदि परीक्षाओं की तैयारी करायी जायेगी। इन कक्षाओं का आयोजन प्रत्येक सप्ताह गुरुवार और रविवार को किया जाएगा। मनातू थाना के विभिन्न गांव जो कि उग्रवाद से प्रभावित और आर्थिक, शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े हुए हैं वहां के बच्चों के लिए यह पहल वरीय पुलिस पदाधिकारी के निर्देशानुसार की गई है। इस कोचिंग के माध्यम से न केवल बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त होगी, बल्कि पुलिस और ग्रामीण जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का भी प्रयास किया जा रहा है।

कोचिंग थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों द्वारा संचालित किया जायेगा

इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के बीच शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने और उनके भविष्य को संवारने की दिशा में सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। इस कक्षा में नागद, केदल, करमा, मिटार, पदमा, रबदा और मनातू जैसे उग्रवाद प्रभावित गांव के बच्चे शामिल हो रहे हैं और इसका लाभ उठा रहे हैं। इस कोचिंग को मनातू थाना के प्रभारी पुअनि. निर्मल उरांव, पुअनि. राजेश कुमार, पुअनि. संतोष कुमार गुप्ता और पुअनि. अनीश राज द्वारा संचालित किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में इस पहल को लेकर काफी खुशी है और वे शिक्षा के प्रति उत्साहित हैं। पलामू पुलिस परिवार की ओर से यह पहल निरंतर जारी रहेगी, जिससे ग्रामीण बच्चों का भविष्य उज्जवल हो सकेगा।

एसससी-एसटी एक्ट के दो प्राथमिक अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नावाबाजार। नवाबाजार थाना पुलिस ने गुरुवार को एससी एसटी केस के दो प्राथमिक अभियुक्त सत्येंद्र कुमार उर्फ सकेंद्र कुमार गुप्ता व मंटू कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया। इनके उपर नवाबाजार में थाना कांड संख्या 46/23 दर्ज था। जानकारी देते हुए नावाबाजार थाना प्रभारी चिंटू कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के रबदा गांव निवासी रामाधार राम के द्वारा 8 मई 2023 को एससी-एसटी के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोपी रामाधार राम के घर में प्रवेश कर मारपीट करते हुए जातिसूचक शब्द बोलते हुए गाली-गलौज की गई थी। दोनों प्राथमिक अभियुक्त सत्येंद्र कुमार उर्फ सकेंद्र कुमार गुप्ता व मंटू कुमार छतरपुर थाना क्षेत्र के खाटिन गांव के रहने वाले हैं।

एके सिंह कॉलेज में फाइलेरिया उन्मूलन पर विचार गोष्ठी

फाइलेरिया के कारण, लक्षण और उससे बचाव के बारे में दी गई जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। स्थानीय एके सिंह कॉलेज जपला के प्रांगण में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में झारखंड सरकार द्वारा निर्देशित फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस लक्ष्य गीत से हुआ । जिसमें दिव्या शीतल आरुषि और किरण ने लक्ष्य गीत की प्रस्तुति दी। इस विचार गोष्ठी की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सूर्यमणि सिंह ने की। प्राचार्य ने फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में अपना व्याख्यान देते हुए कहा कि फाइलेरिया एक संक्रामक रोग है जो सर्वप्रथम मच्छर के काटने से होता है और वहीं मच्छर यदि दूसरे व्यक्ति को काट देता है तो उससे भी होने की संभावना हो जाती है। स्वास्थ्य विभाग के पीसी आई,

(एसएमसी) पलामू से आए हुए अमरेन्द्र ओझा विशिष्ट अतिथि के रूप में अपना संभाषण देते हुए कहा कि आज हम सभी के गांव में फाइलेरिया के रोगी यत्र-तत्र मिल जाते हैं और यह सब रोग गंदगी के कारण होता है, क्योंकि गंदगी जहां होगी। वहां मच्छर का प्रकोप होगा और मच्छर के काटने से यह रोग फैलता है। प्रो. डॉ. आलोक रंजन कुमार ने फाइलेरिया रोग होने के कारण और निवारण पर प्रकाश डाला उन्होंने फाइलेरिया के विभिन्न प्रकारों का वर्णन किया तथा उसकी दवा के संबंध में भी जानकारी दी। इस अवसर पर फाइलेरिया उन्मूलन से संबंधित एक नुक्कड़ नाटक राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों रिंकी, प्रिया,प्रीति,निशा,पूजा और सोनम ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. राजेश कुमार सिंह कर रहे थे। साथ ही उन्होंने कहा कि फाइलेरिया क्यूलेक्स मादा मच्छर के काटने से होता है, जिसका कुप्रभाव दस से पंद्रह साल बाद दिखता है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक प्रतिनिधि प्रो. डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के प्रो. डॉ. शिवकुमार विश्वकर्मा, प्रो. शशि भूषण, प्रो. रेखा कुमारी सिंह, प्रो. राहुल कुमार सिंह तथा स्वयंसेवकों तथा छात्रों ने सहभागिता अपनाई।

मोहम्मदगंज में 10 से 18 तक पंचायतवार लगेंगे दाखिल खारिज कैंप

मोहम्मदगंज। अंचल अधिकारी रणवीर कुमार ने बताया है कि उपायुक्त के आदेशानुसार अंचल अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में शिविर लगाकर उत्तराधिकार दाखिल खारिज और म्यूटेशन किया जाएगा। इसके लिए विभिन्न पंचायत सचिवालयों में 10 से 18 अगस्त तक शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें पंचायत सचिवालय पंसा में 10 अगस्त,रामबांध 12, लटपौरी 13 , कोल्हुआ-सोनबरसा, 14 भजनिया 16, मोहम्मदगंज 17 और कादलकुर्मी में 18 अगस्त को शिविर का आयोजन किया जाएगा। अंचलाधिकारी ने बताया कि दाखिल खारिज की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए जमीन से संबंधित आवश्यक कागजात, नोटरी से निर्गत वंशावली शपथ पत्र मुखिया से प्रमाणित स्वघोषणा पत्र, और लगान रसीद की प्रति अनिवार्य होंगे।

बिजली चोरी मामले में 7 पर केस, 93 हजार का लगा जुर्माना

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। विभागीय उच्चाधिकारियों के निदेर्शानुसार जपला विद्युत अवर प्रमंडल के सहायक अभियंता ने मोहम्मदगंज रामप्रसाद महतो के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। इसमें कनीय अभियंता प्रदीप कुमार सिंह भी शामिल थे। उन्होंने बताया कि थाना क्षेत्र में 7 लोगों को अवैध तरीके से बिजली चोरी करते हुए पकड़ा गया। जिनमें पठखौलिया के अयोध्या राम, मोफिदून बीबी, मोहम्मदगंज बाजार पंकज कुमार, डाली ग प्रिभुवन राम, सरस्वती कुंवर, इंद्रदेव पाल और नागेश्वर प्रसाद के नाम शामिल हैं। इनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। 93 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए अवैध बिजली उपयोग करने वाले को तुरंत विद्युत कार्यालय से कनेक्शन लेने की हिदायत दी है। कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी में मानव दिवस कर्मी जितेंद्र ठाकुर, ललितेश्वर मेहता, मंटू मुंडा, रंजय कुमार और रविशंकर सिंह शामिल थे।

न्यूज बॉक्स

देशी कट्टा और जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

सतबरवा। थाना क्षेत्र मुरमा मलय डैम के पास विकास कुमार सिंह 21 वर्ष, पिता अखिलेश सिंह दुलसुलमा गांव निवासी को आर्म्स एक्ट में गुरुवार को न्यायिक हिरासत भेज दिया गया। इस बात की जानकारी थाना प्रभारी अंचित कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि चैटदार शर्ट पहने एक व्यक्ति के पास हथियार देखा गया। मैंने तत्वरित कार्रवाई करते हुए एक देसी कट्टा, एक 8 एमएम का जिंदा कारतूस के साथ विकास कुमार सिंह को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत न्यायिक हिरासत भेज दिया । उन्होंने आम जनों से निवेदन किया किया कि इस तरह का कहीं भी कुछ ऐसा लगे या दिखें, तो सतबरवा थाना को तुरंत सूचित करें। हम लोग आपकी सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं। इस मौके एस आई विश्वनाथ कुमार राणा,एएसआई बसंत दुबे समेत पुलिस के जवान मौजूद थे।

बीज वितरण को लेकर प्रखंड स्तरीय कमेटी की हुई बैठक

हुसैनाबाद। गुरुवार को हुसैनाबाद प्रखंड सभागार में उड़द बीज वितरण को लेकर प्रखंड स्तरीय कमेटी की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने की। इस बैठक में सरकार द्वारा किसान समृद्धि योजना के तहत मिली उड़द बीज वितरण पर चर्चा की गयी। पांच पंचायतों का चयन किया गया। चयनित प्रति पंचायत दो क्विंटल बीज दिया जाएगा। चयनित पंचायतों में पोल्डीह, झरगाड़ा, पतरा खुर्द, डंडिला, उर्दवार आदि का नाम शामिल है। बैठक में मुख्य रूप से बीससूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, बीटीएम जय गोबिंद यादव, कृषि विभाग के सतीश चौबे, अविनाश सिंह, किसान सलाहकार समिति के यमुना प्रसाद सिंह आदि मौजूद थे।

राजकीय कृत स्तरोन्नत उच्च विद्यालय सतबहिनी में किया पौधरोपण

उंटारी रोड। बीआरसी अंतर्गत राजकीय कृत स्तरोन्नत उच्च विद्यालय सतबहिनी में गुरुवार को कई प्रजाति के औषधीय ,फलदार व छायादार पौधे के साथ किचन गार्डेन के तहत कई प्रकार के सब्जी व परिसर सौंदर्य में विभिन्न प्रकार के फूल पौधे लगाए गए। पौधरोपण प्रभारी प्रधानाध्यापिका सरिता कुमारी व सहायक शिक्षक राजेश कुमार शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने संयुक्त रूप से किया। शिक्षक श्री शर्मा ने कहा की विद्यालय की सुंदरता व आकर्षक को लेकर पौधारोपण किया गया उन्होंने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधारोपण जरूरी है। पौधारोपण में विद्यालय के सभी शिक्षक के साथ बाल सांसद के सदस्य उपस्थित थे।

मुरमा कला के 36 किसानों को मिला बीज

उंटारी रोड। जिले के उंटारी रोड प्रखंड सह अंचल कार्यालय में गुरुवार को मुरमा कला पंचायत के 21 किसान को मक्का का बीज व 15 किसान को बादाम का बीज का वितरण बीडीओ आशा साहु, जिला पार्षद अरबिंद सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी अनुज पासवान, एटीएम अनिल मेहता ने संयुक्त रूप से किया। वहीं ज़िला पार्षद अरविंद सिंह ने कहा कि गरीब परिवार के उत्थान के लिए सरकार द्वारा दिया जाने वाला निः शुल्क बीज वितरण किया जा रहा है। वहीं बीज पाकर किसान खुश नजर आए।

छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया

पाटन। पाटन के नावाजयपुर थाना छेत्र के नावाखास पंचायत के मध्य विद्यालय पोखरिया व नावा खास मध्य विद्यालय मे पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के बीच मुखिया मनोज कुमार के द्वारा 90 साईकल का वितरण किया गया। वितरण के मोके पर मुखिया मनोज कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को साईकिल मिल जाने से स्कूल आने जाने मे सहूलियत होंगी। साईकिल मिल जाने पर दूर से आने जाने वाले बच्चों समय पर स्कूल पहुँचेगे। उन्होंने छात्र-छात्राओ के उज्जवल भविष्य हेतु कामना की। साईकल मिलने पर छात्र- छात्राओं में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। मोके पर शिक्षक अमोद कुमार चंद्रवंशी, सुरेन्द्र कुमार यादव, दिलीप कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

सुशील ठाकुर बने दूसरे बार उंटारी रोड भाजपा मंडल अध्यक्ष

उंटारी रोड। प्रखंड के भाजपा कार्यालय उंटारी रोड में भाजपा मंडल अध्यक्ष सुशील ठाकुर को दूसरी बार मंडल अध्यक्ष बनने पर भाजपा कार्यकताओं ने बधाईयां दी है। वहीं दूसरी बार मंडल अध्यक्ष बनने पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामंत्री रघुवीर सिंह चंद्रवंशी एवं संचालन सुनील तिवारी के ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व जिला परिषद सह विधायक प्रतिनिधि मनोज सिंह ,महामंत्री रघुवीर सिंह चंद्रवंशी ,मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा सिंह सभी के द्वारा नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष सुशील ठाकुर को गुलदस्ता एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके परा अमित प्रजापति, योगी सिंह,भरत ठाकुर, रामसुन्दर विश्वकर्मा, अजय विश्वकर्मा, राजेंद्र विश्वकर्मा,नगीना देवी,भाजपा सोशल मीडिया अजीत कुमार चंद्रवंशी, जितेंद्र ठाकुर सहित कई लोग उपस्थित थे।

भजनियां स्कूल का चापाकल उखाड़ ले गए चोर

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। घरों के बाद अब स्कूलों में चोरों ने हाथ लगाना शुरू कर दिया है। ऐसी ही घटना थाना अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय भजनियां में सामने आई है। जिसमें बुधवार की रात्रि चोरों ने विद्यालय परिसर से चापाकल ही उखाड़ लिया है। सुबह जब स्कूल खुली, तो शिक्षकों ने चापाकल गायब पाया। प्रधानाध्यापक राकेश पांडेय ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने मोहम्मदगंज पुलिस को सूचना दे दी है। इस घटना को देखते हुए उन्हें विद्यालय की सुरक्षा को लेकर चिंता हो गई है। ग्रामीणों ने थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटना को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि चोरों के हौसले बुलंद हैं।

एक नजर

भाजपा का शिष्टमंडल सीओ को रेलवे ओवरब्रिज से संबंधित सौंपा ज्ञापन

हुसैनाबाद। भाजपा का एक शिष्टमंडल सांसद प्रतिनिधि अखिलेश मेहता के नेतृत्व में हुसैनाबाद सीओ व जपला रेलवे स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में रेलवे ओवरब्रिज आरओबी का अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं देने की मांग की है। दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि जपला रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण प्राक्कलन के अनुसार अभी अधूरा है। दंगवार रोड की ओर अभी कार्य नहीं हुआ है। रेलवे के उदासीन रवैया के कारण अबतक कार्य पूरा नहीं होने के कारण बड़े वाहनों को काफी परेशानी होती है। संकीर्ण रोड होने के कारण अक्सर जाम व दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है। इस दिशा में अविलंब पहल की मांग की गयी है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि बिना कार्य पूर्ण किये अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया जाता है तो भाजपा आंदोलनात्मक कार्रवाई करेगी। इसके लिये स्थानीय प्रशासन जिम्मेवार होगी। शिष्टमंडल में मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि रंजीत पासवान, श्रवण कुमार, नरेंद्र सिंह, संजय मेहता आदि लोग शामिल थे।

'मुख्यमंत्री मईया सम्मान' योजना का ऑफलाइन फार्म भर कर जमा कर सकते हैं

पाटन। पाटन सगुना पंचायत भवन में मुखिया मंजू देवी की अध्यक्षता में झारखंड सरकार के चलाए गए योजना 'मुख्यमंत्री मईयां सम्मान 'योजना में ऑनलाइन सर्वर से परेशानी झेल रही महिलाओं को अब ऑफलाइन आवेदन जमा कर सकती है। यह झारखंड सरकार का आदेश जारी किया गया। इस संबंध में मुखिया मंजू देवी ने बताया कि झारखंड सरकार बहुत ही गंभीरता पूर्वक यह स्कीम चलाई है। महिलाओं को सरकार के द्वारा 1000 रूपये की राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

एसडीपीओ ने की अपराध समीक्षा बैठक, दिए कई निर्देश

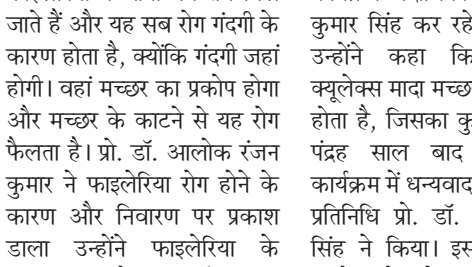

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो ने गुरूवार को अपने कार्यालय कक्ष में हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के थाना प्रभारियों व पुलिस निरीक्षक के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अपराध पर अंकुश लगाने को लेकर कई निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने थाने में लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने के अलावा वारंटी और कुर्की आदेशों को निष्पादित करने के लिय कहा। साथ ही उन्होंने एसी, एसटी , पोक्सो एक्ट, डायन बिसाही के प्रति थाना प्रभारी व अधीनस्थ अधिकारियों को सचेत रहने का निर्देश दिया। साथ ही अपने अपने थाना क्षेत्र नियमित रूप से वाहन चेकिंग अभियान चलाने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से छतरपुर थाना पुलिस निरीक्षक द्वारिका राम, हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय यादव, हैदरनगर थाना प्रभारी अफजल अंसारी, मोहम्मदगंज थाना प्रभारी,पांडू थाना प्रभारी, रामाशीष पासवान, दंगवार ओपी प्रभारी बब्लू कुमार, देवरी ओपी के एएसआई अखिलेश यादव, एसआई, अनंत सिंह समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को लेकर हुई बैठक

चौक-चौराहों पर महापुरुषों स्थल पर साफ-सफाई का दिया निर्देश

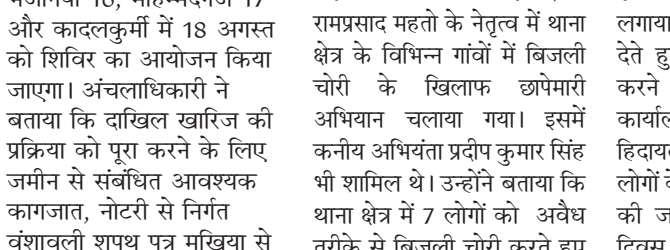

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। अनुमंडल कार्यालय हुसैनाबाद के सभागार में स्वतंत्रता दिवस समारोह व झंडोत्तोलन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी पीयूष सिंन्हा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में सभी विभागों, सरकारी कार्यालयों व प्रतिमा स्थलों पर झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने की बात कही गयी। एसडीओ पीयूष सिन्हा ने कहा कि नगर पंचायत के सभी चौराहों पर स्थापित प्रतिमा स्थलों की साफ-सफाई का निर्देश नगर पंचायत को दिया गया। उन्होंने पूर्व की तरह प्रभात फेरी का भी निर्देश दिया। वही सुबह से 12 बजे तक शहर में बड़े वाहनों के प्रवेश न हो, इसके लिये पुलिस बल को निर्देश दिया गया। उक्त तिथि को 3:30 बजे से प्रशासन बनाम मीडिया फुटबॉल फैन्सी मैच खेला जाएगा। इस मौके पर मुख्य रूप से एसडीपीओ मुकेश कुमार महतो, एलआरडीसी गौरांग महतो,सीओ पंकज कुमार, बीडीओ रौशन कुमार, थाना प्रभारी संजय कुमार यादव,वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रेश्वर प्रसाद, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, बीससूत्री अध्यक्ष योगेंद्र सिंह, स्वास्थ्य प्रबंधक बिभूति कुमार गुप्ता,सुधीर कुमार सिंह, बीटीएम जय गोबिंद यादव, अजय भारती, राजेश सिंह,प्रो. संजय सिंह,वार्डेन किरण सिंह, दंगवार ओपी प्रभारी शोनु गुप्ता,सुधीर सिंह,कन्हैया प्रसाद, राजेश कर्ण, राकेश कुमार सिंह,कुश पांडेय, अखिलेश विश्वकर्मा समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

इंडिया

सबके दावे आदिवासी उनके पर उनका कोई नहीं

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

झारखंड से लेकर देश के आदिवासियों को सभी अपना बताते हैं कोई उनके साथ खाना खाता है कोई फोटो खिंचवाता है कोई उन्हें पढ़ाता है इलाज करता है कोई उनके पर्व त्योहार में आर्थिक सहायता करता है फिर सवाल उठता है कि झारखंड में उनकी आबादी 10 प्रतिशत कम कैसे हो गई? मूल सनातन संस्कृति के सच्चे वाहक आस्थावान और प्रकृति प्रेमी यह समुदाय विस्तारवादी मानसिकता के निशाने पर सदा रहा है। इतिहास के पन्नों में दबी इनकी सच्ची कहानियां भी राजनीति और वोट बैंक के हिसाब इस्तेमाल की जाती रहीं हैं जबकि निर्माण, विकास और कला संस्कृति के संरक्षण का इतिहास इनके बिना अधूरा है। असम के चाय बागान,अंडमान निकोबार यानी पुराने काला पानी को विकसित करने से लेकर देश के अनेक राज्यों में कठोर परिश्रम और कम भुगतान पर भी संतोष करने वाले ये श्रमजीवी आज भी अपनी मेहनत और ईमानदारी के कारण सबसे अधिक प्राथमिकता वाले मजदूर हैं। इनकी इसी विशेषता के कारण झारखंड की जनजातीय महिलाएं मानव व्यापार की शिकार हैं या धूर्त लोगों द्वारा शादी के नाम पर छली जाती हैं जिनके नाम पर आदिवासी भूमि की हेराफेरी होती है ।झारखंड के गौरवपूर्ण विकास के इतिहास की नींव दुर्लभ त्याग और उच्च राजनीतिक आदर्शों पर टिकी है जब लगभग दो हजार साल पूर्व राजा मदरा मुंडा ने अपने पुत्र के बजाय पोष्यपुत्र

फणिमुकुट राय को राज्यहित में सत्ता सौंपी थी जो गैर आदिवासी थे और उनके समन्वयवादी शासन से विश्व के सबसे लंबे राजवंश का इतिहास रचा गया था। यहां के बहुतायत में उपलब्ध साल के वृक्षों की तरह सीधे ये निश्छल आदिवासी आसानी से किसी का विश्वास कर लेते हैं और हृदय से आभारी होते हैं जिस कारण ये आज भी इस्तेमाल ही हो रहे हैं। पहले दूसरों से छले जाने के बाद आज अपने या अपनापन दिखाने वाले नेताओं से छले जा रहे हैं जो सत्ता प्राप्त करने या उसमें बने रहने के लिए इन्हें भीड़ की तरह इस्तेमाल करते हैं। रांची के एयरपोर्ट में स्वागत नृत्य हो या सत्ताधारी या शक्तिशाली लोगों की महफिल इनके ढोल मांदर से सजी कुछ पंक्तियों के बाद इन्हें कुछ पैसे देकर बाहर कर दिया जाता है ठीक उन परियोजनाओं की तरह जो इनकी बदहाली अशिक्षा और नशाखोरी दूर करने के लिए चलाई जाती हैं। आज इनकी नई पीढ़ी विरोध या विद्रोह करती है तो जमीन की लूट, सरकारी लाभ या सुविधाओं में इन्हें भी भागीदार या दलाल बना दिया जाता है। स्थिति यह है कि बेरोजगारी,गरीबी हटाने और मुफ्त अनाज जैसी सुविधाओं के लिए हर प्रखंड कार्यालय से लेकर राज्य मुख्यालय तक किसी न किसी पार्टी या संगठन से जुड़े अनेक एजेंट हैं जो बिना पैसा लिए कोई काम नहीं होने देना चाहते। महंगी गाड़ियों में घूमने वाले ये बिचौलिए सरकारी कार्यालयों में बेरोकटोक घूमते हैं जबकि इनका रिमोट किसी और के हाथ होता है। जातीय और धार्मिक आधार पर बंट रहे लोगों के समूहों में या तो आक्रोश पनप रहा है या नफरत जिससे आदिवासी युवा भी अछूते हैं। इन सबके बीच ईमानदारी से काम करने वाली संस्थाएं भी हैं जो इन्हें संस्कारवान बनाकर कृषि,हुनर और प्रशासन तक से जोड़ रहीं हैं ।सुखद यह है कि अभी भी अच्छाई अधिक बुराई कम है ।समय की मांग है कि झारखंड की मूल समन्वयवादी संस्कृति के अनुरूप सभी को लेकर चला जाए अन्यथा वोटबैंक की राजनीति की आग इस सुंदर प्रदेश को बदरंग ही करेगी।

दो लड़कियों के अपहरण के मामले में एक आरोपी फरार, दूसरा पुलिस हिरासत में

मोहम्मदगंज। पुलिस ने अपहरण के दो अलग-अलग मामले में कार्रवाई की है। थाना क्षेत्र निवासी लड़की के अपहरण की रिपोर्ट थाना में लड़की की मां द्वारा दर्ज कराई गई थी। इसमें लड़की की मां ने खुद खोजबीन के बाद बेटी को मोहम्मदगंज थाना ले आई। जिसे पुलिस ने न्यायिक प्रक्रिया और मेडिकल जांच के बाद परिजनों को सौंप दिया। इस मामले में आरोपी किशुनडीह टोला निवासी 22 वर्षीय नारायण साव फरार है। दूसरे मामले में शिलापर टोला निवासी 24 वर्षीय सोनू कुमार को हैदरनगर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। सोनू कुमार के साथ नाबालिग लड़की को भी बरामद किया है। सोनू कुमार फिलहाल पुलिस हिरासत में है। उससे पूछताछ जारी है। थाना प्रभारी शेख अमानुल्लाह ने बताया कि नाबालिग अपहृता को पुलिस मेडिकल जांच और न्यायिक प्रकिया के लिए मेदिनीनगर ले गई है। इसके बाद उसे उसके परिजनों के हवाले किया जाएगा।

पुरानी पेंशन स्कीम की स्वीकृति हेतु एसोसिएशन ने प्रकट किया आभार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हेमंत सोरेन सरकार की कैबिनेट द्वारा 7 अगस्त को विश्व विद्यालय और महाविद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को स्वीकृत करने के लिए जीएलए कॉलेज मेदिनीनगर के शिक्षकों ने झारखंड यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन के बैनर तले धन्यवाद ज्ञापन का कार्यक्रम आयोजित किया। यह शिक्षकों की चिर प्रतीक्षित मांग थी, जिसे अंततः कैबिनेट द्वारा स्वीकृति दे दी गई। प्राचार्य डॉ आई जे खलखो ने हेमंत सोरेन सरकार को इस शिक्षक हित के लिए किए महत्वपूर्ण कार्य के लिए धन्यवाद दिया। जुटान की नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय प्रतिनिधि डॉ. ऋचा सिंह ने कहा कि सरकार के इस फैसले से राज्य के शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मियों और उनके परिवारों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। कार्यक्रम में डॉ. रवि शंकर, डॉ. आरके झा, डॉ. विभेश चौबे, डॉ. राजेंद्र सिंह, प्रदीप कुमार,डॉ . संजय बारा, डॉ. वीरेंद्र कुमार, डॉ. विभा शंकर, मंजू सिंह, लीना कुमारी, नीलम पांडे, अन्ना हंसदा आदि ने विशेष रूप से भाग लिया।

जर्जर छत वाले भवन में चल रहा है आवासीय विद्यालय

स्कूल में साढ़े चार सौ से अधिक छात्र करते हैं अध्ययन, कई सुविधाओं का है अभाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जहां अभिभावक अपने बच्चों की शिक्षा के लिए उन्हें शहर में पढ़ने के लिए भेजते हैं। साथ ही उनके ऊपर प्रत्येक माह हजारो-लाखों रूपये खर्च करते हैं। लेकिन उनके बच्चे वहां किस हालत में पढ़ाई कर रहे हैं। इस पर अभिभावक ध्यान नहीं दे रहे हैं। बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। स्थानीय बाईपास रोड स्थित आवासीय बाल शिक्षा निकेतन पब्लिक स्कूल का भवन जर्जर हो गया हैं। भवन की छत की स्थिति दयनीय हो गई है। लेकिन यहां के संचालक इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यहां पर किसी भी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यहां लगभग साढ़े चार सौ से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययन करती हैं। लेकिन उनके लिए मात्र 16 कमरे ही उपलब्ध हैं। साथ ही इनके लिए सिर्फ तीन शौचालय ही हैं। उनमें भी सफाई की व्यवस्था नहीं है। शुद्ध पानी के बारे में पूछे जाने पर यहां के एक शिक्षक ने बताया कि यहां पर सप्लाई का पानी अभी कुछ दिनों से ऐसा ही आ रहा है। यहां पर बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। यहां पर हॉस्टल में रहकर पढ़ने वाले बच्चों से एक माह की फीस 3900 रूपये ली जाती है। जबकि पढ़ने वाले छात्रों से पांच सौ रूपये प्रति माह फीस ली जाती है। इस स्कूल में खेलने के लिए कोई मैदान की भी व्यवस्था नहीं है। आज के समय में जब ओलम्पिक में हमारे खिलाड़ी अपना दम-खम दिखा रहे हैं। वैसे में इस स्कूल में खेल की ओर ध्यान नहीं देना कुछ सोचने पर विवश करता है।

साढ़े चार सौ बच्चों के लिए मात्र तीन शौचालय

स्कूल में खेलने के लिए कोई मैदान की भी व्यवस्था नहीं है,आज के समय में जब ओलम्पिक में हमारे खिलाड़ी अपना दम-खम दिखा रहे हैं।

न्यूज बॉक्स

विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पुलिस की अंतर्राज्यीय बैठक

हरिहरगंज। झारखंड में विधानसभा चुनाव होना है, इसे लेकर गुरुवार को झारखंड-बिहार के अंतरराज्यीय पुलिस पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक हरिहरगंज थाने में हुई। अधिकारियों की यह बैठक करीब एक घंटे तक चली। इस मैराथन बैठक में चुनाव व विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। चुनाव के लिए भयमुक्त वातावरण तैयार करने और इसके लिए आवश्यक एहतियाती कदम उठाने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि बैठक का उद्देश्य ऐसे वातावरण का निर्माण करना है, जिसमें मतदाता स्वतंत्र और निर्भीक मतदान कर सकें। चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब तस्करी, नक्सल गतिविधि, फिरार अपराधकर्मियो की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलना, संगीन अपराध जैसे हत्या, डकैती, आर्म्स एक्ट आदि में जेल गए अपराधकर्मी जो बेल पर बाहर है उनपर निगरानी रखने, सघन वाहन जांच एवं एंटी क्राइम चेकिंग करने पर विशेष रूप से चर्चा की गयी। इस मौके पर हुसैनाबाद डीएसपी मुकेश महतो, छतरपुर डीएसपी नौशाद आलम, औरंगाबाद 1 डीएसपी संजय पांडेय, हरिहरगंज इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी चंदन कुमार, पिपरा थाना प्रभारी बिमल कुमार, अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज, कुटुंबा थानाध्यक्ष अक्षेश्वर सिंह, नवीनगर थाना अध्यक्ष मनोज कुमार पांडेय आदि थे.
अधिकारियों ने यह भी कहा कि चुनाव व विधि-व्यवस्था को लेकर दोनों राज्यों की पुलिस आगे भी संयुक्त बैठक करेगी और शांति बनाए रखने में एक-दूसरे का सहयोग करेगी।

एमके डीएवी के 50 छात्रों का हुआ एनसीसी में चयन

मेदिनीनगर। आठ अगस्त को एमके.डीएवी. पब्लिक स्कूल डालटेनगंज में छात्रों के बीच अनेक प्रतियोगिताएं जैसे 400 मीटर दौड़ , पुश-अप, पुल-अप इत्यादि के माध्यम से विभिन्न कक्षाओं से 50 छात्रों का चयन किया गया । यह चयन प्रक्रिया एनसीसी के पीआई स्टाफ सूबेदार नायक एवं हवलदार जेबियर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इसमें विद्यालय के 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। ये छात्र अब ट्रुप संख्या 168/44 कैडेट कहलाएंगे। इसमें बालक एवं बालिका दोनों सम्मिलित हैं। बालकों में अभिनव प्रताप, अर्पित कुमार पांडे, अन्शराज, सुनील कुमार सिंह, कुणाल किशोर,हिमांशु सिंह इत्यादि सम्मिलित हैं। जबकि बालिका वर्ग में एकता, दिव्या स्प्रिहा,अंजलि, स्वीटी, सोनी इत्यादि शामिल है। ये छात्र 44वीं बटालियन एनसीसी डाल्टनगंज के लिए चयनित हुए हैं। जो दो वर्षों तक प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे और परीक्षा उत्तीर्ण कर ए सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकेंगे।

मानसिक व शारीरिक दिव्यांगता वाले दो बच्चों की पहचान की गई

मेदिनीनगर। झालसा के दिशा निर्देश व पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में मानसिक व शारिरिक दिव्यांगता वाले बच्चों को पहचान करने को ले जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत गुरुवार को हैदरनगर प्रखंड के बेलासपुर गांव के दो बच्चे को पीएलभी भोलेनाथ शर्मा के द्वारा चिन्हित किया गया । उक्त आशय की जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव ने दी । उन्होंने बताया कि इन बच्चों को सरकार द्वारा प्रदत्त योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। बच्चों को प्रमाण पत्र भी बनवाकर दिलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 45 दिवसीय यह कैम्पेन की शुरूआत पलामू के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में किया गया हैं, जिसके तहत पारा लीगल वॉलिंटियर गांव-गांव में जाकर फिजिकल और मेंटली डिसेबल्ड बच्चों को चिन्हित करने का कार्य कर रहे हैं । उनकी एक सूची तैयार कर रहें हैंख ताकि वैसे बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ व प्रमाण पत्र मिल सके।

भाजपा महिला मोर्चा13 अगस्त को हेमंत सरकार के विरोध में प्रदर्शन करेगी

मेदिनीनगर। भाजपा जिला कार्यालय पलामू में भाजपा महिला मोर्चा की बैठक जिला अध्यक्ष सीटू गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। संचालन जिला महामंत्री लक्ष्मी रवि ने किया। मुख्य अतिथि के तौर पर छतरपुर विधायक पुष्पा देवी उपस्थिति थी। उन्होंने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार आने के बाद महिलाओं और युवाओं को किए गए वादों पर तो खरा नहीं उतरी। उसके उलट महिलाओं पर अत्याचार हुआ। महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न के सबसे अधिक मामले इस राज्य में अभी तक दर्ज किए गए हैं। इसमें बलात्कार, हत्या सहित अन्य मामले शामिल है। हेमंत सरकार के विरोध में आगामी 13 अगस्त को भाजपा महिला मोर्चा पलामू समाहरणालय का घेराव कर उग्र प्रदर्शन करेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रथम महापौर अरुण शंकर ने कहा कि जब से हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से राज्य में भ्रष्टाचार, बलात्कार, अपहरण, यौन शोषण, महिला उत्पीड़न के मामले चरम पर है। महिलाओं के खिलाफ अत्याचार हो रहा है, लेकिन हेमंत सरकार आंख बंद किये हुए है। आदिवासी बहन-बेटियों को फुसला कर घुसपैठिये शादी कर रहे हैं। आदिवासियों की जमीन हड़पा जा रही है।बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम की प्रमंडल यह प्रभारी शकुंतला जायसवाल, जिला प्रभारी सह कार्यक्रम प्रभारी कल्याणी पांडे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अभिमन्यु तिवारी, जिला महामंत्री ज्योति पांडे, जिला मंत्री सोमेश सिंह, भाजयुमो जिला अध्यक्ष विपुल गुप्ता, रीना किशोर, सुमिता सिंह, उषा मखारिया ,मंजू देवी, उषा अग्रवाल, किरण देवी, इंदु देवी, सुषमा देवी, सावित्री देवी, लीलावती देवी ,किरण देवी, बबिता देवी, अर्चना देवी, रीता सिंह एवं काफी संख्या में भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ता उपस्थित थे।

यूनिवर्सिटी में काम कर रहा मजदूर सीढ़ी से गिरकर घायल

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी में एक निजी कंस्ट्रक्शन कंपनी में काम कर रहे युवक इब्राहिम शेख, पिता रेजाक शेख सीढी से गिर कर से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार इब्राहिम सीढ़ी की रेलिंग पर चढ़कर ऊपर दीवाल में लगे झोल को साफ कर रहा था। उसी दौरान अचानक उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह वहां से नीचे की सीढ़ी के पास फर्श पर गिर गया। गिरने के बाद उसे अंदरूनी चोट आई, जिससे छटपटाने लगा। वहां उपस्थित लोगों ने उसे तुरंत मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवम अस्पताल में अस्पताल में भर्ती कराया। इब्राहिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले का रहने वाला है और यूनिवर्सिटी में विभिन्न काम कर रही जेके कंस्ट्रक्शन कंपनी में मजदूरी करता है। कंपनी के मुंशी अली ने बताया कि इब्राहिम साफ -सफाई का काम कर रहा था, तभी अचानक से गिर पड़ा। हम लोगों ने उसकी आवाज सुनी तो जाकर उठाया और वहां के कर्मचारियों की मदद से अस्पताल लेकर आए। युवक को अंदरूनी चोटे आई हैं हालांकि वह खतरे से बाहर है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष अमरनाथ तिवारी ने विश्वविद्यालय मे लापरवाही से हुई घटना पर दुख जताते हुए कहा कि बिना सेफ्टी के किसके आदेशानुसार यह काम कराया जा रहा था। दोषी पदाधिकारी पर जल्द कार्यवाई करे विश्वविद्यालय प्रशासन और मजदूर की पूरी इलाज का खर्च एवं मुआवजा देने की मांग करती है। यहां कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती थी।

एक नजर

प्रमुख के जेल जाने के बाद उप प्रमुख को मिला प्रभार

हरिहरगंज । पिपरा प्रखंड के उप प्रमुख ममता कुमारी ने गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी पारितोष प्रियदर्शी के उपस्थिति में उन्हें प्रखंड प्रमुख का प्रभार सौंपा गया। ज्ञात हो कि पिपरा प्रखंड के प्रमुख विक्रांत कुमार यादव एक केस में दो महीना से जेल में है। पलामू उपायुक्त नेउप प्रमुख को प्रमुख का प्रभार लेने का आदेश जारी किया था। प्रभार लेने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए प्रमुख ने कहा कि पिपरा बाजार से दुबटिया मोड़ तक सड़क जर्जर हो गयी है, जिसे अविलंब मरम्मत कराने का काम करेंगे। साथ ही स्वास्थ्य व्यवस्था में भी सुधार हो इसके लिए सिविल सर्जन से मिलकर मांग को रखने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में भी सुधार हो इसके लिए स्कूल का निरीक्षण किया जायेगा। इसके अलावे प्रखंड सह अंचल के कर्मी भी समय से कार्यालय पहुंचे एवं लोगों के काम का निपटारा करे, यह उनकी प्राथमिकता में है। ब्लॉक कार्यालय पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने प्रमुख का फूल माला से स्वागत किया।

छात्रों के मध्याह्न भोजन पर भारी संकट

छः महीने से एमडीएम राशि का नहीं हुआ आवंटन

दो वर्ष पूर्व बढ़ाई गई थी कुकिंग कॉस्ट

बताते चलें कि 2 वर्ष पूर्व कुकिंग कॉस्ट को कक्षा एक से पांच के लिए 3.59 से बढ़ा कर 5.45 रुपए तथा कक्षा छठी से आठवीं तक क्रमशः 5.38 से बढ़ा कर 8.17 प्रति विद्यार्थी कर दी गई है। लेकिन दस वर्ष पूर्व 2014 से बच्चों की कुकिंग कास्ट की तुलना करें तो कक्षा 1 से 5 की राशि में 1.86 रुपए तथा कक्षा 6 से 8 में 2.79 रुपए की ही बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में सवाल यह उठता है इतने कम पैसे में एक तो नामांकित बच्चों को मेन्यू के हिसाब से भोजन देना काफी कठिन है। समय के साथ महंगाई बढ़ती चली गई और सरकार में विद्यार्थियों को दिए जाने वाले भोजन की मेन्यू में भी बदलाव किए परंतु प्रति विद्यार्थी मिलने वाली कुकिंग कास्ट में नाम मात्र की बढ़ोतरी हुई। कक्षा एक से आठ तक सभी बच्चों को साप्ताहिक मेन्यू के आधार पर अलग-अलग दिन अलग-अलग भोजन परोसा जाना है। जिसमें चावल दाल के साथ छोला,सलाद, सोयाबीन बड़ी युक्त पुलाव, हरी सब्जी और शनिवार को पालक युक्त खिचड़ी के साथ पापड़, अचार भी देने का प्रावधान है। इसके साथ-साथ सप्ताह में बच्चों को दो दिन अंडा या मौसमी फल भी दिए जाते हैं। एक अंडे की कीमत 7 से 8 रुपए है, जबकि विभाग अंडे के लिए केवल छः रुपए ही देता है।

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के प्राथमिक तथा मध्य विद्यालयों में मध्याह्न भोजन की राशि का आवंटन नहीं होने के कारण एमडीएम पर भारी संकट आ गया है। सरकारी विद्यालयों में अध्यनरत छात्रों को कुपोषण से बचाने हेतु मध्याह्न भोजन की व्यवस्था सरकार के द्वारा की गई है, परंतु बड़ा प्रश्न यह है कि जब एमडीएम हेतु विभाग से राशि ही आवंटित ना की जाए तो किस प्रकार मध्याह्न भोजन सुचारू रूप से चल पाएगा? राशि आवंटित न होने तथा विभाग द्वारा दबाव दिए जाने के कारण प्रधानाध्यापक अपनी जेब से मध्याह्न भोजन की राशि का वहन करते आ रहे हैं। निजी खर्च या उधार से लगातार एमडीएम चला रहे विद्यालय के प्रधानाध्यापकों की हिम्मत अब जवाब देने लगी है। ज्ञात हो कि मध्याह्न भोजन की राशि 60 फीसदी केंद्र तथा 40 फीसदी राज्य सरकार द्वारा वहन की जाती है।

एमडीएम बंद होने की स्थिति में स्पष्टीकरण से लेकर वेतन तक कर दिया जाता है बंद

विद्यालयों के प्रभारी अपनी तरफ से मध्याह्न भोजन को सुचारू रूप से चालू रख रहे हैं। इसका एक कारण यह भी है कि अगर किसी विद्यालय में किसी भी परिस्थिति में एमडीएम बंद हो जाए तो ऐसे मामले में प्रभारी पर सीधी गाज गिरती है। कई मामलों में तो उनका वेतन तक बंद कर दिया जाता है। इतनी महंगाई में उधार लेकर या अपनी जेब से खर्च कर सरकारी शिक्षक तो किसी प्रकार स्थिति संभाल लेते हैं, लेकिन विभिन्न विद्यालयों के प्रभारी के रूप में कार्य कर रहे सहायक अध्यापकों जिनका मानदेय 18 से 20 हजार है;उनकी माली हालत अत्यधिक खराब हो रही है। मध्याह्न भोजन बनाने वाली रसोईयों का मानदेय भी अप्रैल माह से नहीं मिला है। चार माह से मानदेय नहीं मिलने के कारण वह सब भी आधे मन से ही भोजन पकाती हैं। रसोईयों का कहना है कि उन्हें दो हजार मानदेय के तौर पर मिलता है। अगर वह भी उन्हें समय से नहीं मिलेगा तो उनका घर नहीं चल पाएगा।

राशि आवंटित न होने तथा विभाग द्वारा कार्रवाई के भय से प्रधानाध्यापक अपनी जेब से मध्याह्न भोजन की राशि का वहन करते आ रहे हैं।

विभाग मनरेगा कर्मियों के साथ छल करने की तैयारी में है: पंकज

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। विभाग षड्यंत्र के तहत मनरेगा कर्मियों के साथ छल करने की तैयारी में है। ऐसी सूचना मिली है कि मानदेय में आंशिक बढ़ोतरी कर सरकार मामला को निपटाना चाहती है, लेकिन स्थायीकरण और वेतनमान के अलावे छोटे-मोटे मांग पूरा करने से हड़ताल समाप्त नहीं किया जाएगा। उक्त बातें झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज सिंह ने कही। वे मनरेगा कर्मियों की अठारवें दिन समाहरणालय के समक्ष धरना में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ब्रिटिश पैटर्न पर सरकार चला रहे हैं, उन्हें आम जनता के दुख-दर्द से अधिक गद्दी से लगाव है, इसलिए मनरेगा कर्मियों के लाचारी का फायदा उठाकर शोषण कर रहे हैं और अपने ही किए हुए वादे से मुकर रहे हैं। सिंह ने कहा कि हेमंत सोरेन ने संविदा नामक कोढ़ को खत्म करने का प्रण लिया था, लेकिन सत्ता सुख में लिप्त होकर अपना प्रण भूल गए हैं। संविधान में निहित समता और समानता के अधिकार की खुलेआम धज्जियां उड़ायी जा रही है। भारत सरकार के श्रम मंत्रालय द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन की अनदेखी कर मनरेगा कर्मियों को बंधुआ मजदूर की तरह व्यवहार किया जाता है। धरना कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवेन्द्र उपाध्याय, विकास पाण्डेय, रामाकांत तिवारी, अख्तर हुसैन, चंद्रशेखर दुबे, अबेदिन अंसारी, विजय राम, अजय कुमार, अशोक दुबे, शम्भू तिवारी, मणिशंकर मिश्रा, ओम प्रकाश गुप्ता, जगत प्रसाद मेहता, राजू कुमार सहित सैकड़ो मनरेगा कर्मी उपस्थित रहे।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के जिला व सत्र न्यायाधीश चतुर्थ पोक्सो एक्ट के स्पेशल जज अभिमन्यु कुमार की अदालत ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के आरोपी लेस्लीगंज थाना अंतर्गत मुंदरिया निवासी एजाज अहमद 63 वर्ष को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। व 25 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है ।अर्थ दंड की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। इस संबंध में पीड़िता जो लेस्लीगंज थाना अंतर्गत मुंदरिया निवासी है ने महिला थाना डाल्टनगंज में एजाज अहमद के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जो महिला थाना कांड संख्या 3 सन 2023 दिनांक 18 जनवरी 2023 को भारतीय दंड विधान की धारा 376 व लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 4 में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। मुदालय पर आरोप था कि वह पीड़िता के साथ वर्ष 2019 से जब पीड़िता के घर कोई नहीं रहता था तब से अकेला पाकर उसे अपने पार्टी के सदस्यों से मरवा देने की धमकी देकर उसके साथ उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाता था । चिल्लाने की कोशिश करने पर पीड़िता का मुंह और गला दबा देता था। तथा चाकू से डरा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था । इस प्रकार उसके साथ कई अवसरों पर शारीरिक संबंध बनाया था। दिनांक 17 जनवरी 2023 को जब पीड़िता ट्यूशन पढ़ने के लिए डाल्टनगंज आई थी तभी उसका पीछा किया था ।जिस पर उसके द्वारा घटना के बारे में अपने घर वालों को सूचना दी गई। पीड़िता के लिखित प्रतिवेदन पर महिला थाना डाल्टनगंज में यह केस दर्ज किया गया था। अदालत में साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए एजाज अहमद को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वहीं 25 हजार रुपये अर्थदंड लगाया है। अर्थ दंड की राशि नहीं देने पर 6 माह अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी।

25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया

जल संकट व पर्यावरण संतुलन के लिए किया गया वृक्षारोपण

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी में जल संकट से उत्पन्न समस्याओं व पर्यावरण संतुलन के मद्देनजर प्रथम उपमहापौर नगर निगम मेदिनीनगर राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह और उनके मित्रों के द्वारा वृक्षारोपण एवं जल संचयन हेतु संकल्प अभियान कार्यक्रम के निहित इस साल 2024 में भी वृक्षारोपण का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी के निहित आठ अगस्त को स्थानीय बड़ा तालाब सह अम्बेडकर पार्क में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रथम उपमहापौर सहित योग गुरु पवन कुमार, दया सिंह , मंजय कुमार, कृष्णा बाबा, अनूप गुप्ता, राजू, रौशन, राजा कुमार, शिशिर शुक्ला, सुनीता गुप्ता,किरण देवी, मोनिका प्रिया, रिंकी सोनी, फरहा , आशीष तिवारी , जितेंद्र सिंह,राहुल कुमार ,धीरेंद्र दुबे, संजय कुमार सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

जागरूकता

फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर कल से अभियान , 2250 बूथ बनाए गए

दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे व गर्भवती महिलाओं को छोड़कर देनी है दवा

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु इस वर्ष जिला अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्षित जनसंख्या को फाइलेरिया रोधी दवा की खिलाई जानी है एकल खुराक

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 10 से 25 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके अभियान के तहत 19 लाख 91 हजार 297 लोगों को फाइलेरिया की गोली खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। फाइलेरिया एक गंभीर बीमारी है, जिसकी वजह से प्रभावित अंग जैसे हाथ, पांव का फूलना और हाइड्रोसिल का बड़ा होना होता है। हाइड्रोसिल के रोगियों का उपचार ऑपरेशन द्वारा संभव है, परन्तु फाइलेरिया ग्रसित रोगी अपने पूरे जीवनकाल इस बीमारी से ग्रसित रहते हैं एवं सामाजिक उपेक्षा का सामना करते हैं। उक्त जानकारी जिले के सिविल सर्जन डा. अनिल कुमार ने गुरुवार को एमआरएमसीएच के गोलघर में आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी । उन्होंने आगे बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन हेतु इस वर्ष जिला अंतर्गत शत-प्रतिशत लक्षित जनसंख्या को फाइलेरिया रोधी दवा की एकल खुराक खिलाई जानी है। दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिला एवं गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को छोड़कर को उम्र के अनुसार डीईसी एवं अल्वेंडाजोल गोली एवं ऊंचाई अनुसार आइवरमेक्टिन की एकल खुराक देनी है। इसके लिए प्रशिक्षण दिया जा चुका है। एमडीए-आइडीए कार्यक्रम को 10 से 25 अगस्त तक मनाये जाने का निर्णय लिया गया है।

घर-घर जाकर अभियान के तहत खुराक खिलाई जायेगी

सभी आंगनबाड़ी केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र, विद्यालय एवं अन्य सार्वजानिक स्थान को बूथ के रूप में चिन्हित कर दवा सेवन कराया जायेगा। बची हुई लक्षित आबादी को घर-घर जाकर 11 से 25 तक एकल खुराक खिलाई जाएगी। जिला एवं प्रखंड स्तर पर रेपेड रिस्पांस टीम और मॉनेटरिंग टीम का गठन कर लिया गया है। खाली पेट दवा का सेवन नहीं करना है। डीएमओ जीतेन्द्र कुमार ने कहा कि दवा देने के लिए 2250 बूथ बनाए गए हैं। दवा प्रशासकों की संख्या 4500 है, जबकि सुपरवाइजर की संख्या 328 है।

एक नजर

झंडोत्तोलन का समय निर्धारित

विशुनपुरा। प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर प्रमुख दीपा कुमारी की अध्यक्षता में बैठक में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झंडोत्तोलन का समय निर्धारित किया गया। प्रखंड कार्यालय विशुनपुरा में 8:00 बजे, विशुनपुरा थाना में 8:25 बजे, रा.रा.प्र. देव उच्च विद्यालय विशुनपुरा 8:50 बजे, विशुनपुरा अस्पताल 9:10 बजे, झारखंड राज्य ग्रामीम बैंक 9:30 बजे, राजकीय मध्य विद्यालय विशुनपुरा 9:40 बजे, बीआरसी विशुनपुरा 9:50, पिपरीकला प्लस टू उच्च विद्यालय 10:15 बजे, सभी पंचायत भवन में 10:00 बजे झंडोत्तोलन करने का समय निर्धारित किया गया। बीडीओ संदीप कुमार मद्धेशिया ने कहा कि झंडोत्तोलन के बाद शाम 5 बजे सभी विभागों व संस्थानों में सम्मान पूर्वक झण्डा उतारना सुनिश्चित करेंगे। मौके पर थाना प्रभारी राहुल कुमार सिंह, बीपीएम सुदीप श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक अजित पांडेय, सुबोध द्विवेदी, चंद्रशेखर यादव उपस्थित थे।

युवाओं ने ली बसपा की सदस्यता

भवनाथपुर। धुरकी, डंडइ, बंशीधर नगर प्रखंड के सैकड़ों युवकों ने बहुजन समाज का दामर्टी का दामन थामा लिया। सभी युवकों को पंकज चौबे ने पार्टी का गमछा ओढा कर स्वागत किया। मौके पर पंकज चौबे ने कहा कि कुछ स्वार्थी लोग जनता के लिए नहीं अपने निजी स्वार्थ के लिए राजनीति करते है। विधानसभा क्षेत्र के युवको रोजगार के लिए कोई साधन नहीं है। इस बार जनता सबक सिखाने का मन बना लिया है।

निजी स्कूल संचालकों द्वारा बेहतर शिक्षा के नाम पर हो रहा व्यवसायीकरण

बेहतर शिक्षा के नाम पर निजी स्कूलों में अभिभावकों का शोषण

जमीन पर दरी, प्लास्टिक, बोरी, बिछा कर बच्चे को बैठा कर पढातें है

नवीन मेल संवाददाता

विशुनपुरा। प्राइवेट स्कूलों में संसाधन की कमी के बाद भी स्कूल संचालकों द्वारा अभिभावकों को चूना लगाया जारहा है। प्राइवेट स्कूलों की संख्या तो बढ़ने के साथ शिक्षा के गुणवत्ता में सुधार नही देखी जा रही है। प्रखंड के अधिकांश प्राइवेट स्कूलों के छोटे-छोटे कमरों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाया जाना आम बात हो चुकी है। 20वीं सदी होने के बाद भी विशुनपुरा के प्राइवेट स्कूलों में 19 वीं सदी जैसे ही हालात जमीन पर दरी, प्लास्टिक, बोरी, बिछा कर बच्चे को बैठा कर पढातें हैं। विद्यालय में बिजली, पंखे की व्यवस्था नही होने के कारण छात्र-छात्राएं को उमस भरी गर्मी में काफी परेशानियों की सामना करना पड़ रहा है। निजी विद्यालय में पानी, बिजली, शौचालय, लाइब्रेरी, प्ले ग्राउंड, साइकल स्टैंड सहित कोई व्यवस्था नही है। कोई सुविधा नही होने के बाद भी शिक्षा व्यवसाय का रूप ले लिया है। सबसे बड़ी बात है कि निजी विद्यालय के नाम पर दर्जनों लोग डीएलएड की कोर्स कर लिये है, लेकिन विद्यालय में कोर्स किए हुए सभी शिक्षक मौजूद नही है। डीएलएड के नाम पर एक बड़ी फजीवाड़ा का मामला भी सामने आ रही है। शिक्षा विभाग के अनदेखी के कारण निजी विद्यालय व्यवसाय के रूप में काफी फल फूल रहा है। कर कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई की जायेगी: बीईईओ

इस संबंध में बीईईओ विजय पाण्डेय ने कहा कि अगर ऐसा मामला है तो इसकी जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

स्मार्ट क्लास के नाम का ढिंढोरा

कदम-कदम पर चलाए जा रहे प्राइवेट स्कूल में सरकारी प्रावधानों का सरेआम उल्लंघन किया जा रहा है। कंप्यूटर शिक्षा व स्मार्ट क्लास के नाम की ढिंढोरा पिटने वाले संसाधन विहीन स्कूलों के बच्चों के हित की अनदेखी करते हुए संचालकों की नजर बच्चों के परिजनों के जेब पर होती है। खेल मैदान, समुचित भवन व शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव यहां के सभी प्राइवेट स्कूलों में है। बच्चों के लिए स्कूल द्वारा महंगे पुस्तकों के अलावा अन्य आर्थिक वहन के जूझना पड़ता है। प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन, शिक्षण काफी महंगे होने के कारण मध्यम वर्ग के लोग चाह कर भी अपने बच्चों को ऐसे स्कूलों में नहीं पढ़ा पाते हैं। ऐसे स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता का कोई खयाल नहीं होता है।

महिला का शव तालाब से मिला, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। थाना क्षेत्र के राजबास गांव के पिपरवा टोला वार्ड नंबर एक में गुरुवार की सुबह दशरथ सिंह की 45 वर्षीय पत्नी केरवा देवी का शव पुआ बांध की तलाब में तैरता मिला। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी चिनिया पुलिस को दी। थाना प्रभारी अमित कुमार पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जानकारी लेने के साथ शव को तालाब से निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज भेज दिया। मृतक महिला हमेशा शराब का सेवन किया करती थी। वह अपने घर से 3 दिन पूर्व बकरी चराने निकली थी। उसका शव अपने घर से महज आधा किलोमीटर दूर पुआ बांध तालाब में उसे छाटे बेटे में सुबह के समय घूमने के दौरान बांध में तैरता देखा। उसने इसकी जानकारी आसपास के ग्रामीणों को दी। थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि 45 वर्षीय महिला का शव राजबाश गांव के तालाब में तैरता मिला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गिरिनाथ सिंह के करीबी संजय व शाकिर झामुमो में शामिल

चौतरफा विकास के कारण प्रतिदिन बढ़ रहा है झामुमो परिवार: मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पूर्व विधायक गिरिनाथ सिंह के दायां हाथ माने जाने वाले उनके निकटतम सहयोगी राजद के पूर्व कोषाध्यक्ष समाजसेवी संजय कांस्यकार व राजद के पूर्व जिला प्रवक्ता समाजसेवी शाकिर खान झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए हैं। गुरुवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर इन्होंने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री ने दोनों को माला व पार्टी का पट्टा पहनाकर, मिठाई खिलाकर झामुमो में शामिल कराया। मौके पर उन्होंने कहा कि गढ़वा में चौतरफा विकास हो रहा है। परिणाम स्वरूप झामुमो परिवार का दायरा हर दिन बढ़ रहा है। दोनों नेताओं का झारखंड मुक्ति मोर्चा परिवार में स्वागत वअभिनंदन है। इनके झामुमो में आने से पार्टी और भी मजबूत होगी। इनके अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा। संजय कांस्यकार ने कहा कि वह मिथलेश ठाकुर के विकास कार्यों से प्रभावित होकर झामुमो में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि गढ़वा के इतिहास में अब तक ऐसा विकास कार्य नहीं हुआ था, जैसा कि मिथिलेश ठाकुर ने अपने कार्यकाल में किया। गढ़वा को ऐसे ही विकास पुरुष की जरूरत है। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, शरीफ अंसारी, फरीद खान, दिलीप गुप्ता, अंकित पांडेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

प्रखंड कार्यालय से 13 साइकिल चोरी, प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। कल्याण विभाग द्वारा उन्नति के पहिया योजना के तहत छात्र-छात्राओं के बीच निःशुल्क वितरण करने वाला साइकिल भी अब सुरक्षित नहीं है। भवनाथपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में रखे 400 सौ साइकिल में 13 साइकिल की चोरी हो गई है। हीरो इकोटेक कम्पनी के सुपरवाइजर परितोष कुमार ने भवनाथपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदजी राम से शिकायत की है। उन्होंने बताया कि बुधवार को शाम में साइकिल का निरीक्षण कर रात में सो रहे थे। सुबह उन लोगों ने साइकिल के पास गए तो देख की बाउंड्री के ऊपर वाला तार पलाश से कटकर 13 साइकिल चोरी कर ली गई । भवनाथपुर प्रखंड परिसर में पिछले कई माह से कल्याण विभाग के साइकिल को रखा गया है। जिसमें से 13 साइकिल प्रखंड कार्यालय के बाउंड्री के ऊपर वाले हिसे का कांटा वाला तार पलाश से कटकर चोरों ने चोरी कर लिया। बीडीओ नंदजी राम ने बताया कि प्रखंड कार्यालय के परिसर में रखे गए साइकिल की चोरी हुई है। हीरो इकोटेक कम्पनी के सुपरवाइजर को स्थानीय थाने में चोरी की प्राथमिक की दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। इधर डीएसपी सतेन्द्र नारायण सिंह, पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह ने भी साईकिल चोरी की जानकारी के बाद प्रखंड कार्यालय परिसर का निरीक्षण किया।

युवक को ससुराल वालों ने पीटा

गढ़वा। मझिआंव थाना क्षेत्र के जोगीवीर गांव निवासी इस्लाम खान पिता मनव्वर खान को उसके ससुराल वालों ने पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गढ़वा सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की मां ने बताया कि इस्लाम खान की शादी कांडी थाना क्षेत्र के जमुआ गांव निवासी जस्मुद्दीन अंसारी की बेटी के साथ हुई है। लेकिन लड़की की मानसिक स्थिति शुरू से ही खराब है। लड़की पक्ष के लोगों ने धोखे से शादी करा दिया। लड़की मायके में चली गई थी। तब इस्लाम खान ने पत्नी को लेने नहीं जा रहा था। इसे लेकर कांडी थाना क्षेत्र के सतबहिनी में पंचायती बुलाई गई थी। इस्लाम खान, उसका भाई आमिर खान सहित कई लोग वहां गए थे।

मंत्री ने सुनी अचला पंचायत वासियों की समस्या

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गुरूवार को अचला पंचायत में जनता संवाद आयोजित कर पंचायत वासियों की समस्या सुनी। अचला पंचायत के ग्राम नारायणपुर में हनुमान मंदिर में समीप तथा डुमरो में इमली पेड़ के समीप आयोजित जनता संवाद कार्यक्रम में मंत्री ने ग्रामीणों की कई समस्याओं का निदान किया। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि जो लोग समाज को जात पात, हिंदू मुसलमान में बांट कर आपस में विद्रोह पैदा करते हैं, ऐसे लोगों के चक्कर में नहीं पड़ना है। जो लोग आपके वोट का ठेकेदार बनते हैं वैसे लोगों के झांसे में नहीं आना है। जो हमेशा आपके बीच रहकर आपके क्षेत्र का विकास कर रहा है, उसे ही अपना वोट दें। दूसरे लोगों के चक्कर में पड़ने से सरकार जो आज जन कल्याणकारी योजनाएं चला रही है वो सब दूसरे लोग बंद करा देंगे। मंत्री ने कहा कि वोट के दौरान जो लोग क्षेत्र में घूमकर वोट मांगते हैं उनसे अवश्य पूछें कि आपने क्षेत्र के लिए क्या किया है। आपको किस बात के लिए वोट दें। मंत्री ने कहा कि पूरे क्षेत्र में बहुत सारा विकास कार्य किया जा चुका है।

महिला के साथ मारपीट

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के औरैया गांव की सरिता देवी को उसके पति राजेश चौधरी ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। सदर अस्पताल में इलाजरत सरिता देवी ने बताया कि उसकी शादी हुए 16 वर्ष हो गए हैं। उसका पति शराब पीकर मायका से दहेज में मोटरसाइकिल व दो लाख रुपये की मांग कर हमेशा उसके साथ मारपीट करता है। इसे लेकर कई बार पंचायती भी हुई। लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। उसने बताया कि मंगलवार की रात में पति ने उसे मारपीट कर घायल कर दिया। वह घर में ही घायलावस्था में पड़ी रही।

एसीबी द्वारा पकड़ी गई प्राचार्या के समर्थन में उतरे समाजसेवी, उपायुक्त से मुलाकात कर जांच की मांग

नवीन मेल संवाददाता

कांडी। प्लस टू उच्च विद्यालय कांडी की प्राचार्या की एसीबी से गिरफ्तारी को साजिश बताते हुए उपायुक्त,डीईओ व एसडीओ को आवेदन देकर साजिश कर्ता व दोषियों को स्कूल से हटाने की मांग किया है। प्रखंड के जनप्रतिनिधियों व स्थानीय जागरूक जनता ने गुरुवार को हाई स्कूल कांडी में एक बैठक कर गिरफ्तारी की जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया। पूछताछ व जांच के क्रम में यह पता चला कि एक षड्यंत्र के तहत बिना कसूर के फर्जी आरोप लगाकर हेडमास्टर की गिरफ्तारी कराया गया है। सभी ने बताया कि व्यवसायिक शिक्षक धर्मेंद्र कुमार के खाते में हेडमास्टर विद्यानी बाखला व एसएमसी के अध्यक्ष के हस्ताक्षर से बीआरसी में बिल भेजा गया था। यह 56 हजार की राशि धर्मेन्द्र कुमार को भेंडर बना कर भेजी गयी थी। यह राशि प्रचार्या ने पेड बाई मी लिखकर स्वयं का पैसा लगाई थी। धर्मेन्द्र कुमार को भेंडर के खाते में भेजा गया था। जिसका प्रमाण बीआरसी व विद्यालय के अभिलेख में मौजूद है। उसी राशि को विद्यानी बाखला शिक्षक धर्मेन्द्र कुमार से मांगा करती थी। इस बीच धर्मेन्द्र कुमार एसीबी थाना पलामू में मुकदमा करने में व्यस्त थे। धर्मेन्द्र कुमार 7 अगस्त को जैसे ही 20 हजार रुपया प्राचार्या को दिए वह एसीबी से उन्हें गिरफ्तार कराने में कामयाब हो गए। सभी ने डीसी को आवेदन देकर विद्यालय को अस्थिर करने में शामिल शिक्षक दिनेश कुमार यादव, मोहम्मद शमी अहमद, अरविंद कुमार,धर्मेन्द्र कुमार,अमित कुमार विश्वकर्मा को तुरंत हटाने व की मांग की है।

200 कांवरियों का जत्था देवघर रवाना

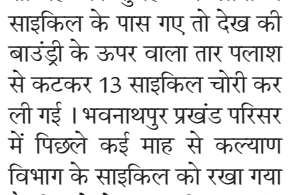

नवीन मेल संवाददाता

चिनिया। स्थानीय विधायक सह स्वच्छता एवं पेयजल विभाग के मंत्री मिथिलेश ठाकुर के सौजन्य से गुरुवार को चिनिया प्रखंड मुख्यालय सहित विभिन्न पंचायतों से 200 कांवरियों का जत्था बाबा की नगरी चार सुरक्षित बस द्वारा बाबाधाम देवघर के लिए रवाना हुआ। रवाना होने से पूर्व चिनिया झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष अरविंद कुमार यादव के नेतृत्व में सभी कांवरियों ने चिनियां हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बस स्टैंड होते हुए थाना परिसर में स्थापित भगवान शिव की पूजा अर्चना की। उसके बाद सभी कांवरिया पैदल नारा लगाते हुए प्रखंड मुख्यालय के गेट पर पहुंचे। इस दौरान वातावरण पूरी तरीके से भक्तिमय बना रहा। कांवरियों ने बताया किहर साल की तरह इस साल भी मंत्री मिथिलेश ठाकुर के सहयोग से बाबाधाम देवघर जा रहे हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष ने कांवरियों की यात्रा मंगलमय होने की शुभकामना दिया। कहा कि पूरे गढ़वा रंका विधानसभा में विकास की गंगा बह रही है। मंत्री मिथिलेश ठाकुकर लगातार क्षेत्र का विकास कर रहे हैं। पहले भी यहां के लोग देवघर जाना चाहते थे, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण नहीं जा पाते थे। जब से मिथिलेश ठाकुर को गढ़वा रंका विधानसभा की जनता से प्यार मिला है तब से वह हर वर्ष यहां के लोगों को अपने निजी खर्चे से देवघर भेजने का काम कर रहे हैं। मौके पर झामुमो नेता मोहम्मद फरीद, बीडीसी सुगनी देवी, नौशाद मंसूरी, बंधु राम, सतवंत यादव, हरिओम यादव, बदन राम रवि, हरिओम यादव, रामनाथ तुरी, संजय साह, विधायक प्रतिनिधि गंगेश्वर सिंह, हीरामन सिंह सहित अनय मौजूद थे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम

किसी कीमत पर गलत बर्दाश्त नहीं करें: रेणुका किस्कू

छात्राएं मोबाइल फोन का प्रयोग केवल शिक्षण कार्य के लिए करें न कि इससे चैटिंग करें

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। महिला थाना प्रभारी रेणुका किस्कू ने श्री बंशीधर नगर अनुमंडल क्षेत्र के सिरियाटोंगर स्थित महर्षि दयानंद आर्य स्कूल व अधौरा स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय में जाकर छात्राओं को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जागरूक किया। इस दौरान छात्राओं को नशा मुक्ति, महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों, हिंसा व प्रताड़ना के खिलाफ आवाज उठाने, समाज में शांति, सुरक्षा, उन्नति, प्रगति लाने के लिए जागरूकता के लिए प्रेरित किया। साथ ही महिलाओं को अपराधों से बचने का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि पहले सुरक्षा व उसके बाद में रिश्ते हैं। जान पहचान के लोग ही महिलाओं के साथ ज्यादा अपराध कर रहे हैं। छात्राएं मोबाइल फोन का प्रयोग केवल शिक्षण कार्य के लिए करें न कि इससे चैटिंग करें। अपना करियर बनाएं। जिससे परिवार का नाम ऊंचा हो। यदि लगता है कि आप किसी मुसीबत में है या कोई आपको तंग कर रहा है, तो तुरंत इसकी सूचना महिला थाना को दे। साथ ही महिला थाना प्रभारी के दिए गए मोबाइल नंबर 7755032543 पर कॉल कर सकते है। पुलिस तुरंत आपकी सेवा में हाजिर रहेगी। थाना प्रभारी ने कहा कि महिलाओं व बच्चों को लेकर पुलिस बहुत ही संवेदनशील है, कानून में इन अपराधों को लेकर कठोर नियम व सजा का प्रावधान है। इसलिए अपने भविष्य को सुरक्षित रखते हुए इनसे बचे। पुलिस सदैव सुरक्षा के लिए तत्पर है। किसी भी प्रकार की अपराध की सूचना पुलिस को बिना किसी देरी व बिना किसी झिझक के अवश्य दें। समाज सुरक्षा में पुलिस का योगदान दें। मौके पर सअनि ऊर्मिला कुमार, सअनि कुसुम कुमारी सहित महिला पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

गलत का प्रतिकार करें : थाना प्रभारी

महिला थाना प्रभारी रेणुका किस्कू ने छात्राओं से कहा कि किसी भी कीमत पर गलत बर्दाश्त नहीं करें। जैसे ही महसूस हो कि गलत होने वाला है, विरोध दर्ज कराएं। पुलिस को सूचना दें। गलत करने वालों का शुरू में प्रतिकार करें। इससे उनका मनोबल नहीं बढ़ेगा। बच्चों को स्वयं अपराधों के खिलाफ सचेत रहना चाहिए। उन्हें ऐसे लोगों के बहकावे में नहीं आना चाहिए जो उनका गलत इस्तेमाल करें।

न्यूज बॉक्स

निर्मल महतो ने अन्याय व अत्याचार के विरुद्ध आजीवन संघर्ष किया : मंत्री

गढ़वा। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी के तत्वावधान में गुरुवार को गढ़वा विधायक सह झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर वीर शहीद निर्मल महतो की शहादत दिवस मनाई गई। पुण्यतिथि पर मंत्री ने स्व. निर्मल महतो की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मौके पर उन्होंने कहा कि झारखंड की माटी के वीर सपूत निर्मल महतो ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध जीवन भर संघर्ष किया। उन्होंने समाज के लोगों के दुःख दर्द को अपना माना। अलग झारखंड राज्य के लिए निर्मल दा ने अंतिम सांस तक संघर्ष किया। राज्य की हेमंत सरकार निर्मल दा के विचारों को आत्मसात कर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। झारखंड को प्रगति पथ पर आगे ले जाना ही निर्मल महतो को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि 8 अगस्त 1987 को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई थी। झारखण्ड आंदोलन का एक उभरता नेता शहीद हो गये। मौके पर झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम खान, सचिव मनोज ठाकुर, केन्द्रीय समिति सदस्य शरीफ अंसारी, आशीक अंसारी, निलेश पाण्डेय, संजय कांस्यकार, साकिर खान, दिलीप गुप्ता, नीलू खान, सैय्यद गुलाम हुसैन, अरमान सिद्दीकी, मिन्हाज, अंकित पाण्डेय सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

खरौंधी में झंडोत्तोलन का समय निर्धारित

खरौंधी। खरौंधी प्रखंड कार्यालय में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन को लेकर गुरुवार को प्रमुख आभा रानी की अध्यक्षता में बैठक में सर्वसम्मति से खरौंधी प्रखंड के 11 स्थानों पर झंडोत्तोलन को लेकर समय का निर्धारण किया गया। प्रखंड कार्यालय खरौंधी में 8:00 बजे,मध्य विद्यालय खरौंधी में 8:30 बजे उच्च विद्यालय खरौधी 8:45 बजे,पंचायत भवन खरौंधी 9:00 बजे तहसील भवन खरौंधी 9:10 बजे,स्वास्थ्य उपकेंद्र खरौंधी में 9:25 बजे बीआरसी भवन खरौंधी 9:45 बजे ,डाकघर खरौंधी में 9:55 बजे,झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक खरौंधी 10:10,थाना खरौंधी में 10:30 बजे,एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय खरौंधी सिसरी11:00 बजे झंडोत्तोलन को लेकर समय निर्धारित किया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस को लेकर रास्ते में पड़ने वाले जहां भी झंडोत्तोलन किया जाएगा वहां सभी लोग सम्मिलित होंगे। वैसे प्रखंड कार्यालय द्वारा 11 स्थानों के लिए ही समय निर्धारित किया गया है। बैठक में बीडीओ रविन्द्र कुमार, 20 सूत्री अध्यक्ष राजेश कुमार रजक,भाजपा नेता बसंत कुमार यादव, उपप्रमुख देवदत्त प्रसाद आर्य ,विकास कुमार सिंह, प्रधान सहायक संजय सक्सेना, एसआई प्रमोद महतो,सीआई मोजिब खान,जीपीएस उमेश कुमार,वार्डन लक्ष्मी कुमारी,शिक्षक इंदल पासवान,पंचायत सेवक कपिलदेव सिंह, प्रवीण कुमार, सहित कई लोग उपस्थित थे।

पेंशनधारी महिलाओं ने पेंशन की राशि खाता में नहीं आने की शिकायत बीडीओ से की

भवनाथपुर। प्रखंड क्षेत्र के अरसली उत्तरी पंचायत के आधा दर्जन वृद्धा, विधवा महिला ने मंगलवार को बीडीओ के कार्यालय कक्ष में पहुंच कर विगत चार माह से पेंशन से वंचित पेंशनधारियों ने भुगतान की गुहार लगायी। प्रखंड मुख्यालय पहुंचे पेंशनधारियों में फुलझरिया कुंवार, लीलावती कुंवार, कुंती कुंवार, अकेला देवी, पनवा देवी, मरछी देवी सहित अन्य महिला ने बीडीओ नंदजी राम से शिकायत करते हुए कहा कि बीते चार महीने बाद भी आज तक पेंशन का भुगतान नहीं हुआ। जबकि पेंशनधारियों ने ये भी शिकायत की कि कई पेंशनधारियों का भुगतान अब तक कई बार हो चुका है, लेकिन कई पेंशनधारियों अभी तक पेंशन का कोई रुपया खाते में नहीं आया है। अरसली उत्तरी पंचायत के आधा दर्जन लाभुक पेंशन के लिए प्रखंड मुख्यालय का चक्कर लगाते रहते हैं। बीडीओ नंदजी राम ने वृद्ध महिलाओं को कहा कि बहुत जल्द पेंशन डलवाने की कोशिश करेंगे। मौके पर अरसली उत्तरी पंचायत के उप मुखिया पति दयानंद प्रजापति, विजय गुप्ता, ब्रजेश कुमार, पपु कुमार, प्रदीप कुमार आदि उपस्थित थे।

रौनियार वैश्य समाज के अध्यक्ष बने विश्वनाथ प्रसाद

केतार। केतार मुखिया प्रमोद कुमार के आवास पर झारखण्ड रौनियार वैश्य समाज की बैठक में केतार प्रखण्ड में रौनियार समाज को एकजुट कर समाज को दिशा एवं गति देने पर विशेष बल दिया गया। इसके पश्चात प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया। सर्वसम्मति से विश्वनाथ प्रसाद को अध्यक्ष, कन्हाई प्रसाद को उपाध्यक्ष, संजय प्रसाद को सचिव, जितेंद्र प्रसाद को कोषाध्यक्ष,विकास कुमार को सूचना मंत्री , गोखुल कुमार को मीडिया प्रभारी बनाया गया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में सार्वजनिक स्थल पर पौधरोपण किया जाएगा। साथ ही आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत गैस गोदाम कार्यलय के पास रौनियार समाज द्वारा झंडोत्तोलन भी करने का भी निर्णय लिया गया। मौके पर मुखिया प्रमोद कुमार, पंकज कुमार,कुंदन प्रसाद, अशोक कुमार, महेंद्र प्रसाद, संतोष प्रसाद, अर्जुन प्रसाद, अनिल प्रसाद, सहित अन्य उपस्थित थे।

झूलन मेला के झूला से गिरने से किशोरी घायल

भवनाथपुर। प्लस टू उच्च विद्यालय के पीछे मैदान में लगा झूलन मेला में झूला से गिरने से झूलन देखने पहूंची एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल लड़की खरौंधी थाना क्षेत्र के चौरिया गांव निवासी धनवंत गुप्ता के 12 वर्षीय पुत्री माही कुमारी बताई जा रही है। घायलावस्था में उसे इलाके लिए भवनाथपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां आयुष चिकित्सक नीतीश भारती द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल गढ़वा रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि धनवंत गुप्ता चौरीया से भवनाथपुर अपने रिश्तेदार के घर आया था। बुधवार की रात्रि झूलन मेला में बच्ची को घुमाने ले गया था। झूला चालू करने से पूर्व ट्रायल के दौरान झूला का गुली टूटने से झूला का सीट उखड़कर गिर गया। वहां नीचे खड़ी झूला देख रही माही कुमारी इसके चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे माथा व नाक पर गंभीर चोट लगी है। घटना की जानकारी मिलते ही जेबीकेएसएस नेता शिव पारस बियार, जिलाध्यक्ष सुरेश प्रसाद साह, प्रखंड अध्यक्ष उज्वल गुप्ता, विजय महतो ने घटनास्थल पर पहुंचकर बच्ची को ईलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। साथ ही झूलन मेला के मैनेजर से बात कर बच्ची के ईलाज में होने वाली खर्च दिलाने की बात कही।

विषैला जंतु के काटने से घायल

गढ़वा। मेराल थाना क्षेत्र के लखेया गांव निवासी स्व.चोरांटी राम के पुत्र जवाहिर राम को अज्ञात विषैला जंतु ने काट लिया। उसे बीमार हालत में गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया गया कि जवाहिर राम ने अपने खेत में धान रोपनी की तैयारी के क्रम में मेड़ को मजबूत करने के लिए उस पर मिट्टी डाल रहा था। इस दौरान उसके बायां पैर में अज्ञात विषैला जंतु ने काट लिया। इसके बाद उसे तेज दर्द होने के साथ ही चक्कर आने लगा। तब उसके परिजनों ने उसे सदर अस्पताल में लाकर भर्ती कराया। इलाज के बाद उसकी स्थिति में सुधार हो रहा है।

मारपीट में एक व्यक्ति घायल

गढ़वा। डंडा थाना क्षेत्र के कोटा गांव निवासी राम लगन महतो के 60 वर्षीय पुत्र श्याम महतो मारपीट की घटना में घायल हो गया। उसे इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के संबंध में श्याम महतो ने बताया कि उसके बास को सुभाष महतो ले जा रहा था। इस दौरान इसका विरोध करने पर मारपीट हो गई। उक्त घटना में सुभाष महतो नंदा महतो सहित अन्य लोगों ने मिलकर श्याम महतो के साथ मारपीट किया।

एक नजर

डिजिटल स्टूडियो का उद्घाटन

चंदवा। इंदिरा गांधी चौक के समीप स्थित जिला परिषद कॉम्पेलक्स में भाजपा नेता राजकुमार पाठक ने गुरुवार को सोनू डिजिटल स्टूडियो का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। संचालक जितेंद्र कुमार ने बताया कि दुकान पर फोटो स्टूडियो, फोटो कॉपी, लेमिनेशन, प्रिंटर आदि समेत विभिन्न फॉर्म ऑनलाइन करने की व्यवस्था उपलब्ध है। ग्राहकों को उचित दर पर यह सब सुविधा मिलेगी। मौके पर सतेंद्र प्रसाद यादव,बंटी साहु,भाजपा युवा मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष रिकी वर्मा,आदर्श रविराज,सकेन्द्र मुंडा समेत कई लोग मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस आज, तैयारी पूरी

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित बिरसा मैदान में विश्व आदि दिवस धूमधाम से मनाने का निर्णय आदिवासी समाज ने लिया है। बैठक में बालूमाथ एकाकृत प्रखंड बारियातु, हेरहंज के समाज के कई बुद्धिजीवी गण्यमान्य लोगों ने दिवाकर नगर स्थित सरना भवन परिसर में ईश्वर उरांव के अध्यक्षता में बैठक कर निर्णय लिया गया है। बैठक में सर्वसम्मति से ईश्वर उरांव को कार्यक्रम का अध्यक्ष बनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित टमटम टोला पांकी मोड़ से शोभायात्रा निकली जाएगी, जो मुख्य मार्ग से होकर बीरसा मैदान पहुंचेगी। वहां भव्य सभा का आयोजन होगा। कार्यक्रम में हजारों लोगों की आने की बात कार्यक्रम अध्यक्ष ईश्वर उरांव द्वारा ने कही है। मौके पर पड़हा राजा प्रभु दयाल उरांव के अलावे अन्य उपस्थित थे।

दिलेश्वर भोक्ता भाजपा के मंडल अध्यक्ष

कुंदा (चतरा)। भाजपा मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर भोक्ता को बनाया गया। दिलेश्वर भोक्ता को मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि दिलेश्वर भोक्ता पार्टी के प्रति समर्पित व्यक्ति है। इनके मंडल अध्यक्ष बनने से पार्टी को नई ऊर्जा मिलेगी। मंडल अध्यक्ष दिलेश्वर भोक्ता ने कहा कि पार्टी जो दायित्व मुझे दी है।

आजसू ने मनाया शहिद निर्मल महतो का शहादत दिवस

लातेहार। जिला मुख्यालय के चंदनडीह स्थित आजसू कार्यालय में गुरुवार को झारखंड के आंदोलनकारी व शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिलाध्यक्ष अमित पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर एक श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। इसके बाद शहीद निर्मल महतो के तस्वीर पर पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष बिट्टू दास, श्रवण पासवान, छात्रसंघ अध्यक्ष अभिजीत सोनू, प्रखंड अध्यक्ष अमर उरांव, विकास कुमार रवि वर्मा, राजेश ठाकुर, नब्बू भुइंया, नंदकिशोर यादव उपस्थित थे।

हर्ष वर्धन सिंह बने लगातार तीसरी बार भाजपा मंडल अध्यक्ष

बरवाडीह। भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष पंकज पंकज कुमार सिंह ने बरवाडीह प्रखंड निवासी हर्षवर्धन सिंह उर्फ नन्हू सिंह को बरवाडीह प्रखंड भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है। राजेश प्रसाद को छिपादोहर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोनीत किया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह ने कहा कि लगातार तीसरी बार भाजपा मंडल अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा में बरवाडीह भाजपा मंडल कमेटी के सभी कार्यकर्ता को मंडल अध्यक्ष मानते हैं। साथ ही भाजपा की सेवा के लिए सभी कार्यकर्ता अपने आप को मंडल अध्यक्ष समझे। हर्षवर्धन सिंह को मंडल अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर प्रखंड के लोगों ने बधाई दी है। बधाई देने वालों में प्रखंड प्रमुख सुशीला देवी, जिप सदस्य संतोषी शेखर, पूर्व सांसद प्रतिनिधि कन्हाई प्रसाद, दिलीप यादव,अमृत राज, मनोज यादव, सखीचंद प्रसाद, मनोज सिंह चेरो सुनील कुमार सिंह, मंडल महामंत्री मनोज प्रसाद, अमरेंद्र रजक, श्रवण सिंह, उपेंद्र सोनी, विकाश कुमार सिंह, उपेंद्र प्रसाद, प्रदीप राम, जोखन प्रसाद, नरेश प्रसाद समेत अन्य लोग शामिल हैं।

पुलिया निर्माण को लेकर खोदे गये गड्ढो में भरा पानी

संवेदक की लापरवाही से बारी-बनहरदी निर्माणाधीन सड़क पर आवागमन बाधित

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ब्रह्मनी से बारी-बनहरदी पथ का निर्माण कार्य करा रहे संवेदक की लापरवाही के कारण सासंग-बारी-बनहरदी पंचायत के सैकड़ों ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उक्त सड़क पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। बता दें कि उक्त सड़क का इस्तेमाल बारी-हुचलु, छातासेमर, बनहरदी, सुरली,डड़ेया समेत अन्य कई गांव के सैकड़ों ग्रामीण प्रत्येक दिन स्कूल, कॉलेज व प्रखंड मुख्यालय आने-जाने के लिए करते हैं। सड़क पर संवेदक के द्वारा पुलिया निर्माण को लेकर कई स्थानों पर गढ्ढा खोदकर छोड़ दिया गया है, जिसमें लगातार हो रही भारी बारिश के कारण पानी भर गया। सड़क के दोनों ओर आहर में भी पानी भरा है, जिसके कारण आवागमन पूरी तरह से बाधित है।

क्या कहते हैं ग्रामीण : स्थानीय ग्रामीण नईम अंसारी ,बीरेंद्र उंराव, कुलदीप उंराव, हाजी हाशिम अंसारी,अशरफुल अंसारी ने बताया कि उक्त सड़क का निर्माण कार्य लगभग तीन माह पूर्व से चल रहा है। संवेदक द्वारा बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था किये ही कई स्थानों पर गढ्ढा खोदकर छोड़ दिया गया। इससे पानी भर गया है। लोगो को दिनचर्या के कार्यो समेत बच्चों की पढ़ाई लिखाई प्रभावित हो रही है। इस सड़क पर दो पहिया,चार पहिया वाहन तो दूर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। सबसे बड़ी परेशानी मरीजों के साथ हो रही है। मरीज को अस्पताल पहुंचाने में परिजनों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव से निकलने के लिए अब लोगों को लगभग 10 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। इस संबंध में जब जानकारी प्राप्त करने के लिए संवेदक से संपर्क किया गया तो उनसे संपर्क नहीं हो पाया। सड़क निर्माण कार्य देख रहे मुंशी ने कहा कि ग्रामीणों को समस्या तो हो रही है। जल्द ही समस्या को दूर कर लिया जायेगा।

सासंग-बारी-बनहरदी पथ पर पैदल चलना भी हुआ दूभर

क्या कहतीं है मुखिया

बारी पंचायत की मुखिया सुष्मिता कुमारी ने कहा कि सड़क का निर्माण कार्य करा रहे संवेदक के द्वारा पूरी तरह से लापरवाही बरती गई है। सड़क व पुलिया निर्माण को लगभग छः माह से अधर में लटका कर रखा गया है। उन्होंने आगे कहा कि ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए जल्द ही इस मामले को उपायुक्त के समक्ष रखने का काम करेंगे। बारी ग्राम प्रधान जागे उंराव ने कहा कि संवेदक की उदासीनता के कारण उक्त सड़क पर आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गई है। बच्चों की पढ़ाई-लिखाई समेत अन्य कई जरूरी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कई बार संवेदक से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनके मुंशी के द्वारा हमेशा टाल मटोल किया गया है। ग्रामीण रवींद्र साहु,जयमंगल उंराव, रामचरितर यादव, साबीर अंसारी, तैयब अंसारी, बोले उंराव, अकेश उंराव, इलियास अंसारी, महबूब अंसारी आदि सैकड़ों लोगों ने भी जिले की उपायुक्त से उक्त सड़क को जल्द से जल्द पूर्ण कराने की मांग की है।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान 10 से 25 अगस्त तक

घर-घर जाकर दवा खिलाया जायेगा

लातेहार। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में 10 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक अभियान चलाया जायेगा। इस दौरान जिले में दवा खिलाने के तहत कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा। सभी लोगों को दवा खाना आवश्यक है। इससे फाइलेरिया की रोकथाम संभव है। गुरुवार को लातेहार सिविल सर्जन अवधेश सिंह ने पत्रकारों को बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन के लिए पूरे लातेहार जिला में कार्यक्रम चलाया जा रहा है। यह अभियान 10 से 25 अगस्त तक पूरे जिले में चलाया जायेगा। तीन तरह की दवा लोगो को खिलाया जाएगा। यह दवा गर्भवती महिला हैं या दो वर्ष के बच्चों को छोड़कर सभी लोगों के उम्र के अनुसार डीईसी व अलबेंडाजोल टेबलेट्स की निर्धारित खुराक प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा घर-घर जाकर मुफ़्त खिलाया जाना है। सिविल सर्जन ने बताया कि फाइलेरिया को हाथी पांव भी कहा जाता है। फाइलेरिया बीमारी का संक्रमण आमतौर पर सभी लोगों में होता है। मगर इसके लक्षण आठ, नौ वर्ष के बाद दिखायी देता है। यदि बीमारी की पहचान समय से नहीं की जाती है, तो यह पूरे शरीर को पूरी तरह खराब कर देता है। सावधानी बरतकर फाइलेरिया बीमारी को रोका जा सकता है। इस उद्देश्य से हर वर्ष अभियान के तहत सर्वजन दवा सेवन एमडीए कार्यक्रम चलाया जाता है। इसमें फाइलेरिया की रोकथाम के लिए लोगों को दवा उपलब्ध करायी जाती है। यह क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होने वाली बीमारी है। फाइलेरिया पीड़ित व्यक्ति को काटने के बाद वह मच्छर यदि दूसरे व्यक्ति को काटता है तो ऐसे में एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में यह बीमारी फैलने की अधिक संभावना रहती है।

हरियाली धरती माता का श्रृंगार और सुख-समृद्धि का प्रतीक : अरूण

लातेहार। जिला मुख्यालय स्थित सरस्वती विद्या मंदिर लातेहार के शिशु वाटिका खंड में गुरुवार को बच्चों द्वारा सावन माह के अवसर पर हरित दिवस (ग्रीन डे) काफी उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान विद्यालय के भैया बहनों ने हरे रंग के विभिन्न पेड़ पौधे,फल, सब्जियां आदि के परिधानों में सजकर धरती को हरा-भरा करने तथा खुशहाली लाने का संदेश दिया। मुख्य रूप से उपस्थित विद्यालय के प्रधानाचार्य अरुण कुमार चौधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों पर अपने पर्यावरण के प्रति व्यापक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बीते कुछ दशक से पेड़ पौधों की बड़े पैमाने पर कटाई की जा रही है, जिससे वातावरण पर इसका बहुत प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इसीलिए हम सब की जिम्मेदारी है कि वातावरण को हरा-भरा बनाकर रखें, क्योंकि हरियाली धरती माता का श्रृंगार व सुख समृद्धि का प्रतीक है। यह सबके मन को लुभाती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में हरा-भरा पेड़ पौधे,स्वच्छ वातावरण और प्रकृति संरक्षण एवं संवर्धन की जानकारी देना है। शिशु वाटिका प्रमुख गीता कुमारी ने कहा कि बच्चे बड़े उत्साह से इस कार्यक्रम में रुचि दिखाते हुए हरे पेड़ पौधे की जानकारी प्राप्त की। इसमें उनके अभिभावकों का भी प्रमुख योगदान रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के आचार्य, आचार्या रेनू गुप्ता, ममता त्रिपाठी , रजनी नाग , खुशबू कुमारी, नीलम अम्बासटा,शिल्पा कुमारी, पूनम कुमारी, नीलम कुमारी, रूबी कुमारी ,उपासना कुमारी, लाल बहादुर राम, शशिकांत पांडे ,रविंद्र पांडे, सुरेश ठाकुर , रितेश रंजन गुप्ता, गोपाल प्रसाद, धर्म प्रकाश प्रसाद, कपिल देव प्रमाणिक कपिल देव प्रमाणिक, आलोक कुमार पांडे, रविकांत पाठक का प्रमुख योगदान रहा।

अंकेक्षण के बाद जन सुनवाई कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा-

पदाधिकारी कार्यो में गुणात्मक सुधार लाएं

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप की अध्यक्षता में समेकित बाल संरक्षण योजना मिशन वात्सल्य अंतर्गत संचालित विभिन्न घटकों समाजिक अंकेक्षण के उपरांत जिला स्तरीय जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को किया गया। केन्द्र प्रायोजित, समेकित बाल संरक्षण योजना, मिशन वात्सल्य तहत संचालित विभिन्न घटकों में जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बालक बालगृह, चाइल्ड हेल्पलाइन आदि का झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा एक वाद में पारित न्याय निर्णय के आलोक में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत नामित जिला स्तरीय सामाजिक अंकेक्षण इकाई के माध्यम से कार्यालय का भौतिक सत्यापन, दस्तावेज सत्यापन, वित्तिय सत्यापन एवं मौखिक सत्यापन किया गया। अंकेक्षण कार्य क्रमवार 26 जुलाई से 7 अगस्त तक किया गया। 8 अगस्त को उक्त सामाजिक अंकेक्षण के माध्यम से मिशन वात्सल्य योजना के तहत संचालित सभी घटकों, कार्यक्रमों में उभरे तथ्यों को उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित जुरी पैनल के समक्ष रखा गया। जिस पर गहनतापूर्वक चर्चा करते हुए जिला बाल संरक्षण इकाई, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, बाल गृह एवं चाईल्ड हेल्प लाईन में पाई गई कमियों, आवश्यकताओं की सुनवाई कर समुचित मार्ग दर्शन देते हुए कार्यो में गुणात्मक सुधार करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विशोष रुप से डीसीपीसी की बैठक करने व स्पॉन्सरसिप योजना के लाभान्वित बच्चों को सोमवार तक राशि हस्तांतरण करने का शख्त निर्देश जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी अरुणा प्रसाद को दिया गया। जुरी पैनल में अनुमण्डल पदाधिकारी सिमरिया सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सन्नी राज, जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश मिश्रा, श्रम अधीक्षक अरविंद कुमार आदि शामिल थे। जन सुनवाई कार्यक्रम में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सिमरिया रीना साहू, डीआरपी नवीन कुमार गौतम, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष धनंजय तिवारी, सदस्य श्वेता जायसवाल, मुकेश कुमार, पिंकी कुमारी, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य नंमदेश्वर सिंह, प्रियंका अधिकारी, अंकेक्षण सदस्य अजीत प्रजापति, राजेश कुमार यादव, गणेश कुमार यादव, सुभद्रा देवी, बालगृह के रविरंजन, एलपीओ भूवन भास्कर, चाईल्ड हेल्प लाईन के कर्मी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत चयनित लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण गुरुवार को समाहरणालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन कर किया गया। इस दौरान मंत्री सह लातेहार विधायक बैद्यनाथ राम, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह द्वारा सात लाभुकों के बीच मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत अनुदान आधारित सात वाहन को राशि 98 लाख, छह हजार, 650 रुपये का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत लाभुक प्रिंस कुमार को 11 लाख,49 हजार 744 रुपए का बोलेरो वाहन, चन्दन कुमार को 12 लाख 16 हजार 531 रुपए का बोलेरो वाहन, सकेन्द्र अगेरिया को 11 लाख, 84 हजार 580 रुपए का बोलेरो वाहन, नीतीश कुमार को 11 लाख, 51 हजार 565 रुपए का बोलेरो वाहन, संजय यादव को 19 लाख, 71 हजार 640 रुपए का स्कॉपियो वाहन, अजीत कुमार यादव को 19 लाख 716 हजार 40 रुपए का स्कॉपियो वाहन, महेश सिंह को 11 लाख 609 हजार 50 रुपए का बोलेरो वाहन प्रदान की गई। इस दौरान मंत्री बैद्यनाथ राम, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह, उपायुक्त गरिमा सिंह, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह के द्वारा हरी झंडी दिखाकर वाहन को रवाना किया गया। मौके पर आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, लातेहार विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार, मनिका विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर प्रसाद व अन्य उपस्थित थे।

संत जेवियर्स महाविद्यालय में धूमधाम से मनाया गया प्राचार्य दिवस

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। संत जेवियर महाविद्यालय के सभागार में गुरुवार को प्रचार्य दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्राचार्य फादर एमके जोश के दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारंभ किया गया। प्राचार्य ने केक काटकर प्राचार्य दिवस के कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। विद्यार्थियों ने प्रार्थना नृत्य के माध्यम से परमात्मा, ईश्वर येशु से फादर प्राचार्य के लिए लंबी उम्र की कामना की। इस दिन को और यादगार बनाने के लिए सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रार्थना नृत्य, एकल नृत्य, बॉलीवुड नृत्य, वेस्टर्न नृत्य, नागपुरी वा सादरी नृत्य का रंगारंग कार्यक्रम को प्रस्तुत किया। साथ ही कॉलेज के सभी प्रोफेसर गैर शिक्षेत्तर कर्मचारियों द्वारा सुमधुर स्वरों में प्राचार्य के लिए मंगलकामना गीत प्रस्तुत किया गया। असिस्टेंट प्रोफेसर शशि शेखर ने प्राचार्य के अब तक के सभी उपलब्धियों व महाविद्यालय के प्रति योगदान व समर्पण को वीडियो प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रेजेंट किया। डॉ. फादर एमके जोश ने कहा कि सकारात्मक भावना को बढ़ावा देते हैं और छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों व सहायक कर्मचारियों के बीच सहयोग में विश्वास करते हैं, जो उत्कृष्टता को बनाए रखने वाले वातावरण का निर्माण करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने महाविद्यालय के सभी लोगों को प्राचार्य दिवस कार्यक्रम कि शुभकामना दिया। उन्होंने कहा कि समर्थन, समन्वय ,सहयोग ,प्रोत्साहन, प्रशंसा और प्रेरणा के माध्यम से उच्च शैक्षणिक पूर्ति की खोज में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। प्रतिभाशाली छात्रों ने समय-समय पर शिक्षा, खेल व सह-पाठयक्रम गतिविधियों के क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित की है। विभिन्न अंतर-विद्यालय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के छात्रों के नाम कई उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। विविध अनुभवों व दृष्टिकोण वाले दृढ़, समर्पित व्यक्तियों का एक समूह हैं, जो दुनिया भर में समृद्ध अवसरों के लिए शिक्षार्थियों को तैयार करने में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम का मंच संचालिका दीप्ति नगेशिया, मंच संचालक सुमित लकड़ा ने किया। कार्यक्रम के अंत में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. स्मिता तिग्गा द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरे महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, प्रोफेसर व अन्य कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

प्राचार्य दिवस समारोह प्राचार्य के व्यक्तित्व व उपलब्धियों की प्रशंसा का अवसर : डॉ. फादर एमके जोश

शिक्षकों की लापरवाही के कारण बच्चों की संख्या में कमी

महुआडांड़। प्रखंड अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय केवरकी में नामांकित छात्रों की कुल संख्या मात्र सात है। इस स्कूल के एकमात्र सरकारी शिक्षक मनसाय टोप्पो है। सरकारी स्कूल गांव के घनी आबादी के बीच मौजूद है। फिर भी बच्चे स्कूल नही आते है। गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक की लापरवाही के कारण बच्चें स्कूल नहीं आते है। शिक्षक ज्यादातर गायब रहते हैं। गुरुवार को भी राजकीय प्राथमिक विद्यालय केवरकी का ताला खुला था। लेकिन कोई बच्चें स्कूल में नहीं थे। कीचन भी खुला था। लेकिन भोजन माध्यम भोजन बंद था। शिक्षक गायब थे। वहीं स्कूल के बाहर कुछ गांव की महिलाए खड़ी थी। इस संबंध में महिलाओं ने बताया कि शिक्षक की लापरवाही से एक भी बच्चें स्कूल नहीं आते हैं। मनमानी ढंग से शिक्षक स्कूल को चलातें है ग्रामीण प्रखंड शिक्षा प्रसारू पदाधिकारी से अच्छे शिक्षक का मांग किये हैं, ताकि बच्चों का भविष्य मे सुधार आये। मध्याह्न भोजन भी सही से नहीं बनाता है। स्कूल की समस्या को लेकर कई बार विद्यालय समिति द्वारा भी पंचायत के मुखिया से शिकायत कर सुधार कराने की मांग की गई है। इस संबंध में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी घनश्याम चौबे ने कहा कि मामले कि जानकारी प्राप्त हुई है। जांच कि जा रही है। शिक्षक को कारण बताओ नोटिस दिया जायेगा। दोषी पाये जाने पर कार्यवाई कि जायेगी।

न्यूज बॉक्स

अमित गुप्ता बने भाजपा मंडल अध्यक्ष

चंदवा। भाजपा जिला अध्यक्ष पंकज सिंह भाजपा मंडल अध्यक्ष एवं जिला कार्य समिति सदस्यों की घोषणा कर दी है। अमित कुमार गुप्ता को पुनः भाजपा चंदवा मंडल अध्यक्ष बनाया गया। नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष अमित कुमार गुप्ता ने कहा कि पार्टी में कोई छोटा बड़ा नहीं है। यहां सभी एक सम्मान है। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का प्रदर्शन काफी बेहतर होगा। मंडल अध्यक्ष बनने पर कई लोगों ने उनको बधाई दी है। बधाई देने वालों में प्रदेश प्रवक्ता लाल प्रतुल नाथ शाहदेव,पूर्व विधायक प्रकाश राम,महेंद्र प्रसाद साहू,राजकुमार पाठक,रवि राज,रामवृक्ष चौधरी,विनोद कुमार बिनु,संजीव आजाद,राजेंद्र यादव,विनोद कुमार गुड्डू,विजय दुबे,दीपक निषाद,मनीष कुमार,आशीष सिंह,रिकी वर्मा, मनोज पाठक,कुलमान साहू,देवमणि वैद्य,मीनाक्षी देवी,विभा साहू,मंजू सिंह,हीरामणि देवी, मनीता देवी,राम प्रसाद साहू,शिकेश्वर यादव,सुनील मुंडा,बैजू मुंडा,राजू उरांव,साजिद खान उर्फ धन्नू,राजू भुइयां समेत कई भाजपाई शामिल हैं।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का ऑफलाइन हुआ आवेदन

कुन्दा (चतरा)। झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का आवेदन ऑफलाइन जमा लिया जा रहा है। इसके पूर्व आवेदन ऑनलाइन जमा लिया जा रहा था। सर्वर खराब होने के कारण महिला पूरा दिन समय देने के बावजूद फॉर्म जमा नहीं कर पा रही थी। इसे लेकर महिलाओं ने अखबार के माध्यम से सरकार से ऑफलाइन फॉर्म जमा करवाने का निवेदन किया था। फॉर्म भरने की प्रक्रिया में भी सरकार द्वारा आसानी लाई गई है। अब महिलाओं को फॉर्म भरने के लिए वोटरआईडी कार्ड की अनिवार्यता को सरकार ने समाप्त कर दिया है। इसके साथ ही यदि राशन कार्ड में महिला का नाम नहीं है तो उनके पति का राशन कार्ड फॉर्म भरने में मान्य होगा।

गौवंशीय पशुओं को पुलिस ने किया जब्त, मामला दर्ज

टंडवा (चतरा)। गुरुवार को थाना क्षेत्र के सराढू में दो पिकअप वाहन में लदे दर्जनों गौवंशीय पशुओं को तस्करी के आरोप में जब्त कर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटे से वाहनों में कुल 22 गौवंशी ढूंस कर भरे हुए थे। घटना की सूचना पाकर मौके पर आरएसएस कार्यकर्ता समेत दर्जनों ग्रामीण पहुंचकर तस्करों से क्रय-विक्रय संबंधित कागजातों की मांग करने पर समुचित साक्ष्य नहीं दिखा पाये। इसकी सूचना पाकर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनिल उरांव ने त्वरित संज्ञान लेते हुए वाहन समेत पशुओं को अपने साथ थाना ले आये। वहीं आरएसएस कार्यकर्ता इंद्रजीत सिंह के लिखित शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में कर रही है।

भाजपा जिला कार्यकारिणी में मयूरहंड प्रखंड को किया गया उपेक्षित

मयूरहंड (चतरा)। सिमरिया विधान सभा क्षेत्र के मयूरहंड प्रखंड के लोगों ने जनसंघ के समय से अबतक भाजपा को वोट करते आ रहे हैं। जिसमें राजपूत समाज के लोगों का अहम योगदान रहता है। चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधान सभा का। भाजपा प्रत्याशी को जीत दिलाने में सदैव मयूरहंड प्रखंड अहम भूमिका निभाता रहा है। बावजूद भाजपा जिला नव नियुक्त कार्यकारिणी गठन में लोगों को उपेक्षित किया गया है। प्रखंड क्षेत्र के एक भी भाजपा नेता को कार्यकारिणी टीम में शामिल नहीं किया गया है। इसका असर अगामी विधान सभा चुनाव में दिखने को मिल सकता है। मयूरहंड भाजपा नेताओं ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि प्रदेश नेतृत्व व वर्तमान जिला अध्यक्ष के अकुशल संगठनात्मक रवैए का खमियाजा विधान सभा चुनाव में भुगतना पड़ेगा। प्रदेश नेतृत्व व जिला अध्यक्ष के मनमानी रवैया से क्षुब्ध कई वरिष्ठ भाजपा नेता भीतरघात कर करने का मन बना लिया है।

पहाड़ी मंदिर परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम

बरवाडीह। छिपादोहर बरवाडीह वन विभाग द्वारा क्षेत्र में पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने के लिए नियमित पौधारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस क्रम में गुरुवार को छिपादोहर पूर्वी क्षेत्र के वनों के क्षेत्र पदाधिकारी अजय टोप्पो के निर्देश पर प्रभारी वनपाल रजनीश कुमार सिंह द्वारा पहाड़ी मंदिर परिसर में पीपल समेत अन्य पौधे को लगाया गया। वन विभाग द्वारा पहाड़ी मंदिर की ऊपरी परिसर काली मंदिर परिसर में भी पौधरोपण कार्यक्रम चलाया गया। प्रभारी वनपाल ने पौधरोपण के प्रतिलोगों को जागरूक भी किया। पौधरोपण कार्यक्रम के उपरांत वन विभाग की टीम द्वारा लोगों को लगाए गए पौधे को नियमित देखरेख करने पर जोर दिया। मौके पर वन विभाग के कई लोग उपस्थित थे।

बैठक में सभी प्रतिनिधियों से भाग लेने की अपील

बारियातू। प्रखंड मुख्यालय सभागार परिसर मे 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस मनाने को लेकर बीडीओ सह सीओ नंद कुमार राम ने 10 अगस्त को 11 बजे बैठक बुलाई है। जानकारी देते हुए बीडीओ सह सीओ नंद कुमार राम ने बताया की पूरा सशक्त विधि व्यवस्था के साथ 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन किया जायेगा, जिसे लेकर सभी पंचायत प्रतिनिधि, सभी राजनीतिक दल अध्यक्ष सचिव , प्रखंड कर्मी, अंचल कर्मी,पत्रकारों और कई संस्थानो के संचालक व अध्यक्ष सचिव सहित अन्य प्रतिनिधियों को समय पर विचार के लिए बैठक मे शामिल होने की अपील की है। बताया की बैठक में सभी की सहमति वह सहभागिता से समय सारणी का भी निर्धारित किया जायेगा। महत्वपूर्ण बैठक में सभी कर्मियों को अधिक से अधिक संख्या मे भाग लेने का आग्रह किया।

मंत्री सत्यानंद भोक्ता एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पत्थलगड़ा

पत्थलगड़ा (चतरा)। उद्योग विभाग, श्रम नियोजन व कौशल विकास मंत्री सत्यानंद भोक्ता एक दिवसीय दौरे पर गुरुवार को पहुंचे पत्थलगड़ा। प्रखंड कार्यालय में आयोजित परिसंपत्ति सह साइकिल वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल। मौके पर पत्थलगड़ा प्रखंड के प्रभारी बीडीओ राहुल देव ने पुष्पगुच्छा देकर स्वागत किया। मंत्री ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार गरीबों के लिए संवेदनशील है। गरीबों के लिए सैकड़ों जनकल्याणकारी योजनाएं चल रही है। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को जनकल्याणकारी योजना का लाभ पहुंचाना सरकार की पहली प्राथमिकता है। झारखंड मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से सम्मान दे रही है। सरकार हर एक क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है। युवाओं को सरकारी गैर सरकारी संस्थानों में बड़े पैमाने पर रोजगार से जोड़ रहा है। योग्य लाभुकों के बीच आबुवा आवास, सर्वजन पेंशन योजना, श्रम विभाग निबंध कार्ड, जॉब कार्ड, छात्रवृत्ति योजना के के अलावे कई प्रकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का स्वीकृति पत्र और लाखों रुपया की परिसंपत्तियों का वितरण किया । दूसरी और प्लस टू जनता उच्च विद्यालय के सूची में 123 की संख्या में थी, लेकिन साइकिल वितरण कार्यक्रम में 42 नाम होने के कारण विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने साइकिल नहीं ली। उपस्थिति कार्यक्रम में पत्थलगड़ा सीओ उदल राम, 20 सूत्री अध्यक्ष विकास यादव, जिला परिषद सदस्य राम सेवक दांगी, मुखिया संदीप कुमार सुमन, राधिका देवी, कुमारी संगीता सिन्हा, नीतू देवी, मुखिया प्रतिनिधि पति मेघन दांगी, पंचायत सचिव राकेश प्रसाद, मोहम्मद असलम, समाजसेवी रामचंद्र दांगी, जेएसपीएल के कर्मियों, आंगनबाड़ी की सेविका के अलावे कई विभाग से जुड़े लोगों उपस्थित थे।

एक नजर

सुरसांग थाना पुलिस ने 9 गोवंशीय पशुओं को किया जब्त

गुमला। गुमला जिला अंतर्गत सुरसांग थाना में पैदल गोवंशीय पशुओं तस्करों द्वारा तस्करी करने के लिए ले जा रहे 9 गोवशीय पशुओं को पुलिस ने जब्त किया है। वहीं छत्तीसगढ़ बॉर्डर से जशपुर जिला पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने 14 वाहन और 35 गोवंशीय पशुओं को जब्त कर छत्तीसगढ़ ले गये। जबकि 9 गोवंशीय पशुओं को सुरसांग थाना लाया गया। पशु तस्करों का मुख्य अड्डा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के साईं टांगर टोली और झारखंड बॉर्डर क्षेत्र के बरगी टांड़ उक्त क्षेत्र के अधिकांश लोग गोवंशीय पशुओं का तस्करी करते हैं। छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर क्षेत्र के संबंधित थाना रायडीह और सुरसांग थाना द्वारा समय-समय पर गोवंशीय पशु तस्करों के पशु और वाहन को जब्त किया है।

आज राज्यभर में होगा आदिवासी दिवस का आयोजन : आजसू

लोहरदगा। आजसू पार्टी पूरे राज्य में विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर आदिवासी अखड़ा का आयोजन करेगी। इस दौरान आदिवासी कला, संस्कृति और सभ्यता के प्रचार प्रसार के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आदिवासी वीर शहीदों की शौर्य गाथा एवं बलिदान पर चर्चा भी होगी। आजसू पार्टी राज्य में आदिवासी समाज की वर्तमान स्थिति और समस्याओं का मूल्यांकन भी करेगी। इसी क्रम में लोहरदगा आजसू पार्टी प्रधान कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें सभी प्रखंडों से कार्यकर्ता शामिल होंगे और समाज में अपनी महती भूमिका निभाने वाले प्रबुद्ध लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा। विभिन्न खोडो को भी इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया एवं पाहन पुजार सहित सभी लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे।

अरेया पंचायत में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के कैंप का आयोजन

लोहरदगा। किस्को प्रखंड के अरेया पंचायत में इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री मईया सम्मान योजना का कार्य किया गया। जिसमें मुख्य रूप से इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक का खाता के बारे में पूर्ण रूप से बताया गया। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के मैनेजर रवि कुमार ने विस्तार से ग्रामीणों को समझाया। मौके पर पंचायत के सभी आंगनबाड़ी के सभी सेविका उपस्थित थे। मौके पर गुमला डिवीजन के अध्यक्ष एवं शाखा डाकपाल राधेश्याम प्रजापति, प्रज्ञा केंद्र के संचालक वसीम अख्तर, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के एग्जिक्यूटिव ऑफिसर प्रिंस कुमार दुबे उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो के सपनों का झारखंड हमें बनाना है : नीरू

लोहरदगा। आजसू पार्टी के द्वारा शहीद निर्मल महतो का शहादत दिवस मनाया गया। उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए सभी लोगों ने शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की। मौके पर आजसू नेत्री नीरू शांति भगत ने कहा की शहीद निर्मल महतो ने झारखंड अलग करने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया था। लेकिन अभी भी उनके सपनों का झारखंड अधूरा है। हमें झारखंड का पूर्ण विकास करना है और उनके सपनों को पूरा करना हैं। जिला संयोजक कवलजीत सिंह ने कहा की आज हम लोग जो अलग राज्य में रह रहे हैं यह शहीद निर्मल महतो की देन है। आज उनके दिखाएं रास्ते पर चलने की जरूरत है।

गैंगरेप पीड़ित महिला की इलाज के दौरान रिम्स में मौत

- *उक्त गैंगरेप का मामला 16 अप्रैल 2024 की है*
- *पीड़ित महिला के शव को गुमला स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया*

एक आरोपी गुमला जेल में, दो अब भी फरार

उक्त तीनों हवसी दरिन्दों ने उक्त विकलांग लाचार और मजबूर महिला को उसके घर तक पहुंचाने के बजाय अपने हवस मिटाने के उद्देश्य से उक्त महिला को टेकरा सरना स्थान ले गये। जहां जबरदस्ती कर महिला से उक्त तीनों हैवानों ने जबरन दुष्कर्म किया और उसके साथ मारपीट कर इसके बाद महिला को बेहोशी की हालत में उसे उक्त घटनास्थल पर छोड़कर भाग निकले। परिजनों ने बताया की उक्त तीन गैंगरेप के आरोपियों में से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर गुमला जेल भेज दिया गया हैं, जबकि अब भी दो आरोपी पुलिस के पकड़ से बाहर हैं। उक्त तीनों गैंगरेप के आरोपियों को परिजनों ने फांसी की सजा देने की मांग कर रहे हैं।

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पालकोट की एक 45 वर्षीय दिव्यांग गैंगरेप पीड़ित महिला ने रांची रिम्स में इलाज के क्रम में दम तोड़ा दिया। बताया जाता हैं की उक्त घटना 16 अप्रैल 2024 की हैं। उक्त घटना के दिन, वह साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने गयी थी। संध्या होने बाजार में उपस्थित लोगों ने सहानुभूति दिखाते हुए उक्त महिला को उसी क्षेत्र के रहने वाले तीन लोगों के साथ घर भेज दिया। बाद में उक्त पीड़ित महिला के होश आने पर किसी तरह वह अपनी घर पहुंची। वहीं परिजनों को उक्त घटना के संबंध में जानकारी दी। आनन-फानन में उसके परिजनों ने उसे इलाज के लिये सर्वप्रथम उसे उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उक्त पीड़ित महिला का प्राथमिक उपचार के बाद गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

गुमला सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति गंभीर देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिये रांची रिम्स रेफर कर दिया। जहां इलाज के क्रम में उक्त महिला की मौत हो गई। पीड़ित महिला के शव को गुमला स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीसी-एसपी ने की बैठक

परेड का पूर्वाभ्यास 9 से 12 अगस्त तक सुनिश्चित हो

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस अधीक्षक गुमला शंभू कुमार सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक हुई। बैठक में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह का आयोजन अल्बर्ट एक्का स्टेडियम गुमला में होगा। जहां सम्पूर्ण जिलेवासी शामिल होंगे। बैठक में खेल पदाधिकारी को निर्देशित किया गया, कि स्वतंत्रता दिवस समारोह के दिन संध्या काल में फुटबॉल अथवा क्रिकेट मैच का आयोजन करेगें। परेड के पूर्वाभ्यास 9 से 12 अगस्त तक किया जाना सुनिश्चित है। 13 अगस्त को 08.30 बजे अंतिम पूर्वभ्यास परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम गुमला होगी। 15 अगस्त को प्रातः 08.00 बजे से 11.30 बजे तक छोटी-बड़ी गाड़ियों का परिचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक अग्निशमक वाहन को परमवीर अलबर्ट एक्का स्टेडियम, गुमला में उपलब्ध कराने को कहा गया।

उपायुक्त ने बताया कि जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाना है। उपायुक्त के द्वारा निर्देशित किया गया कि मुख्य समारोह में झारखंड आंदोलन-कारियों को भी सम्मानित किया जाना है अतः उनसे संबंधित तैयारियों के लिए भी दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने वाले पदाधिकारी व कर्मी को सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा उपायुक्त द्वारा स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम पर विशेष चर्चा किया गया।

इस दौरान बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त गुमला, अपर समाहर्ता गुमला, एसडीओ सदर, जिला नजारत उप समाहर्ता सह जिलाा जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहें।

शहीदों की मूर्तियों और स्मारकों की साफ-सफाई पर भी दें ध्यान

इसके लिए जिले में मौजूद सभी शहीद स्मारकों की साफ सफाई, सुसज्जिकरण, लाइटिंग सम्बन्धित कार्य ससमय पूर्ण करना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त द्वारा मुख्य कार्यक्रम स्थल पर साफ सफाई, पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति स्टेडियम की समतलीकरण, पार्किंग, ब्रांडिंग तथा अग्निशमक दल एवं चिकित्सा दल की उपलब्धता, कार्यक्रम स्थल पर लगाये जाने वाले टेंट, कुर्सियां, ध्वनि यंत्र आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने को लेकर संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया गया।

सड़क जाम हटाने गयी भंडरा पुलिस पर हमला

आरोपियों पर प्राथमिकी दर्ज

- *भंडरा थाना प्रभारी ने भंडरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कहा है की चट्टी साप्ताहिक बुधवार बाजार में सड़क पर दुकान लगाएं जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी*

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। भंडरा थाना क्षेत्र के चट्टी साप्ताहिक बुधवार बाजार टांड़ में सड़क जाम हटाने पहुंचे भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह व जवान संतोष राय पर अपराधियों ने जान लेवा हमला किया है। साथ ही मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। इस मामले में भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने भंडरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है। साथ ही अपने साथ ड्यूटी के दौरान घटित घटना की जानकारी अपने वरीय अधिकारियों को दी है। भंडरा थाना प्रभारी ने भंडरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कहा है की चट्टी साप्ताहिक बुधवार बाजार में सड़क पर दुकान लगाएं जाने से यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही थी। जिसकी सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा भंडरा थाना पुलिस को दी गई थी। इसके बाद सूचना मिलते ही स्थानीय निजी चालक कुदूस अंसारी के साथ अपने थाना से एक जवान संतोष राय को लेकर सड़क से दुकान को किनारे लगाने का आग्रह कर रहा था। इसी दौरान इग्निश कार से पहुंचे रांची जिले के खुखरा गांव निवासी जगेश्वर सिंह के पुत्र शिवा कुमार सिंह सड़क से दुकान नहीं हटाने की बात कहते हुए कालर पकड़ मारपीट करने लगा। इसी बीच भंडरा थाना के जवान संतोष राय द्वारा पकड़ कर शिवा को जीप में बैठाया गया। इसी दौरान उसके आवाज देने पर 10-15 लोग आ धमके और जवान से रायफल लूटने लगे। इसी दौरान शिवा जान से मारने की धमकी देने और तीन माह पूर्व ही हत्या केस से जेल से छूटने की बात कहते हुए भाग खड़ा हुआ। इस मामले में भंडरा थाना में बीएनसी 2023 की धारा 126 (2)/ 115 (2)/ 121(1)/ 352/ 351(3)/132 /309(5)/ 62/263(बी)/190 के तहत पांच नामजद व 8-10 अज्ञात अपराधियों पर प्राथमिकी दर्ज किया गया है। साथ ही इगनिश कार संख्या जेएच 01 डीएम 3276 को जब्त कर थाना लाया गया है।

अज्ञात साइबर अपराधियों ने पांच लाख से अधिक उड़ाये, प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिला में साइबर अपराधकर्मियों का आतंक, दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा हैं। गुमला सदर थाना स्थित पतिया पंडरिया कुलाबीरा निवासी तिलेश्वर साहू के इंडियन ओवरसीज बैंक में खाता है और उनके मोबाइल पर बीना बैंक के सूचना आयें ही उनके खाते से अज्ञात साइबर अपराध कर्मियों द्वारा पांच लाख, पांच हजार रुपए उड़ायें जा चुके हैं। फलस्वरूप गुमला सदर थाना में पीड़ित तिलेश्वर साहू ने अज्ञात साइबर अपराधकर्मियों के विरुद्ध में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है, और बताया हैं की मेरा बैंक खाता ओवरसीज बैंक में हैं और उनके बिना जानकारी और बिना मोबाइल में सूचना आए ही मेरे खिते से अज्ञात साइबर अपराध कर्मियों द्वारा पांच लाख, पांच हजार रुपये उड़ायें गये हैं। प्रथम बार में 5 हजार और फिर विभिन्न तिथियां में कुल पांच लाख पांच हजार पैसे की अज्ञात साइबर अपराधकर्मियों द्वारा उड़ायें गये हैं। जिसकी जानकारी मुझे उक्त बैंक में आने पर पत्ता चला, जिसकी वापसी के लिए मैं (तिलेश्वर साहू) गुमला सदर थाना में अज्ञात साइबर अपराध कर्मियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर उक्त उड़ायें गये राशि की वापसी के लिए गुहार लगाया हूं।

झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

सभी पंचायतों और वार्डों में 15 अगस्त तक लगेगा शिविर

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड सरकार द्वारा 21 से 50 आयु वर्ग की बहनों/माताओं जिन्हें अन्य किसी पेंशन योजना का लाभ नहीं मिलता हो उन्हें झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना से आच्छादित करते हुए पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता पर खर्च करने के उद्देश्य से प्रति माह 1,000 रुपये सम्मान राशि दिया जाना है। उक्त योजना के सुयोग्य लाभुकों से आवेदन प्राप्त करने हेतु जिला अंतर्गत सभी पंचायतों एवं नगर निगम क्षेत्र के वार्डो के विभिन्न स्थानों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त सभी स्थानों में विशेष कैम्प 15 अगस्त तक प्रतिदिन लगाये जाएंगे। शाम 06 बजे तक आयोजित विशेष शिविर के माध्यम से पंचायतों एवं नगर निगम क्षेत्र से अबतक हजारों आवेदन प्राप्त किए जा चुके है।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी के निर्देशानुसार सभी प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी अपने प्रखंड क्षेत्र में मौजूद रहकर व्यवस्थित तरीके से कैम्प के संचालन को लेकर सक्रिय रहे। इस 13 दिवसीय विशेष कैम्प के तहत जिला प्रशासन का प्रयास है कि शत प्रतिशत लाभुकों को योजना के संबंध में जागरूक करते हुए विशेष कैम्प के माध्यम से आवेदन प्राप्त किए जाएं। 15 तारीख के बाद भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। नजदीकी प्रज्ञा केंद्र में जाकर सुयोग्य लाभुक आवेदन कर सकते हैं।

संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता संपन्न, बोले शशिधर लाल अग्रवाल

सतत प्रयास से जरूर अच्छा परिणाम प्राप्त होगा

- *शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन*
- *206 प्रतिभागियों ने लिया भाग*

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शीला अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा में विद्या विकास समिति झारखंड के तत्वाधान में संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन आगत अतिथियों द्वारा सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ। इस कार्यक्रम में प्रबंधकारणी समिति के अध्यक्ष शशिधर लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनोद राय, सचिव अजय प्रसाद, गुमला विभाग के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार,सुंदरी देवी शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य सुरेश चंद्र पांडे, इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य सुनील सिंह, विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास , सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चापी, सेन्हा, कैरो, कुडू के प्रधानाचार्य मनोहर मोदी, विमलेश तिवारी, प्रमोद कुमार,रूपेश कुमार उपस्थित थे।अतिथियों का परिचय विद्या मंदिर लोहरदगा के प्रधानाचार्य बिपिन कुमार दास ने कराया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता की भूमिका राजीव कुमार सिंह ने दिया। इस प्रतियोगिता में 206 प्रतिभागी भैया /बहन उपस्थित हुए। प्रतियोगिता चार वर्गों में आयोजित हुई। शिशु वर्ग, बाल वर्ग, किशोर वर्ग एवं तरुण वर्ग में प्रतियोगिता संचालित हुई। सभी प्रतियोगिता स्मार्ट बोर्ड पर डिजिटल के माध्यम से संपन्न हुई। प्रतियोगिता का विषय संस्कृत, विज्ञान, वैदिक गणित, संगणक अंग्रेजी, संस्कृत बोध, पत्र वाचन, आशु भाषण में विभाजित थे। सभी विषय में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया /बहन विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विद्यालय के अध्यक्ष शशिधर लाल ने अपने उद्बोधन में कहां की सतत प्रयास से परिणाम जरूर अच्छा प्राप्त होगा इसलिए सभी भैया बहन सतत प्रयास करते रहे। भैया /बहनों को संबोधित करते हुए गुमला विभाग के विभाग प्रमुख अखिलेश कुमार ने कहा कि इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागी भैया /बहन हारते नहीं सीखते हैं।

परचम लहराने वाले भैया बहनों को किया गया सम्मानित

किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर अभ्यास आवश्यक : सुरेश चंद्र पांडे

लोहरदगा। सुंदरी देवी सरस्वती शिशु मंदिर में संकुल स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता की सभी प्रतियोगिताओं में परचम लहराने वाले विद्यालय के भैया बहनों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। मौके पर प्रधानाचार्य सुरेशचंद्र पांडेय ने कहा कि किसी भी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर अभ्यास जरूरी होता है। विद्यालय के भैया बहनों ने अपनी कड़ी मेहनत और निरंतर अभ्यास के बदौलत प्रथम स्थान प्राप्त कर स्कूल को गौरवान्वित किया है। हम इन विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। मौके पर विद्यालय के समस्त आचार्य बंधु भगिनी एवं भैया बहन उपस्थित रहे। इस उपलब्धि पर प्रबंधकारिणी समिति के सभी पदाधिकारी ने भैया बहनों को विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने हेतु शुभाशीष प्रदान किया। गौरतलब है कि शिशु वर्ग की प्रतियोगिताओं में संस्कृति बोध प्रश्न मंच (आयुषी सिंह, सिद्धि शर्मा, शिवानी सिंह), वैदिक गणित प्रश्न मंच(विराट साहू, उमंग राज सिंघल), संस्कृत प्रश्न मंच(दीक्षा कुमारी, दिव्या उरांव, राधिका)अंग्रेजी प्रश्न मंच (ऋषभ, स्नेहा कुमारी, प्रिंस राज रजक)संगणक प्रश्न मंच (पायल कुमारी, पलक कुमारी, रितिक भगत) तथा कथा कथन प्रतियोगिताओं (पलक कुमारी) में भैया बहनों ने भाग लिया था।

न्यूज बॉक्स

कहीं बिना सड़क तो कहीं जर्जर सड़क पर आवागमन को मजबूर हैं लोग

कुडू-लोहरदगा। कुडू प्रखंड क्षेत्र में बदहाल सड़कें आज भी स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। हालात ये है कि जहां सड़के बनी हैं वहां सड़को में बने गड्ढे और गड्ढों में भरा पानी जानलेवा साबित हो रहा है। वहीं कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां सड़के ही नही बनी है नतीजा यहां भी ऐसा ही है। थोड़ी बारिश के बाद पूरे मोहल्ले में में नदी जैसा नजारा हो जाता है और लोग अपने घरों में कैद हो जाते हैं। बच्चों की पढ़ाई भी बाधित हो जाती है। इसकी बानगी जिमा चंदू गुरिच मोड़ से लावागाई जाने वाला मार्ग और कुडू का एक मुहल्ला अहद कॉलोनी है। एक ओर जहां जिमा में सड़क पर गड्ढे ही गड्ढे हैं। इस सड़क पर प्रतिदिन हजारों स्कूली बच्चों के अलावा गांव के लोगों का आवागमन रहता है। मार्ग जर्जर होने के चलते अक्सर साइकिल से और पैदल संत चार्ल्स स्कूल जाने वाले बच्चे और राहगीर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कुछ लोग तो गिरकर गंभीर रूप से घायल भी हो चुके है। वहीं दूसरी ओर कुडू शहर का बंगला मुहल्ला अहद कॉलोनी जहां सड़के ही नही हैं। एक दशक पहले बसे इस मुहल्ले में प्रखंड के अलग - अलग गांव से आकर बसे सैंकड़ो लोगों का बरसात के दिनों में तो जीना ही मुहाल है। हल्की बारिश के बाद पूरा मुहल्ला नदी बन जाता है और लोग घरों से बाहर भी नही निकल पाते हैं। कुल मिलाकर गांव से सुविधा की चाहत लेकर शहर में बसे लोगों के सारे सपनो पर भी पानी फिर गया है। लोग व्यवस्था को कोश रहे हैं।

ग्रामीण किसानों के बीच (मडुवा) रागी बीज का किया गया वितरण

गुमला। गुमला जिले के आकांक्षी प्रखंड डुमरी में (मडुवा) रागी मिशन 2024 के तहत कुल 25 क्विंटल बीज वितरित किए गए हैं। यह बीज 729 लाभार्थियों में से 700 से अधिक लोगों को प्रदान किए गए हैं। इस मिशन का उद्देश्य स्वस्थ और स्थायी खाद्य आदतों को बढ़ावा देना है, जिससे प्रखंड के निवासियों की जीवन स्तर में सुधार हो सके। डुमरी प्रखंड में यह बीज 1235 एकड़ के क्षेत्र में उगाए जाएंगे। स्थानीय प्रशासन द्वारा की जा रही इस पहल से न केवल पौष्टिक आहार का प्रचार-प्रसार होगा। बल्कि इससे बेहतर आजीविका के अवसर भी उत्पन्न होंगे। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा, इस मिशन का उद्देश्य लोगों को स्वस्थ आहार के प्रति जागरूक करना और स्थानीय खेती को बढ़ावा देना है। हम उम्मीद करते हैं कि इस प्रयास से समुदाय की समृद्धि में वृद्धि होगी। यह पहल ग्रामीणों के लिए एक सकारात्मक बदलाव लाने की उम्मीद कर रही है और स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्यार्थियों के लिये उन्नति का पहिया है साइकिल : राधा तिर्की

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के मध्य विद्यालय अरु में शिक्षा विभाग की ओर से छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण किया गया। साइकिल वितरण कार्यक्रम जिला परिषद सदस्य राधा तिर्की, प्रमुख फुलझरी देवी,बीस सूत्री अध्यक्ष अफरोज आलम, विधायक प्रतिनिधि विरेन्द्र उराँव तथा प्रखंड कल्याण पदाधिकारी त्रिवेणी भगत द्वारा संयुक्त रूप से उत्क्रमित उच्च विद्यालय मुर्की तोड़ार,मध्य विद्यालय भड़गांव तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय शाहबुटी के 231 छात्र-छात्रओं के बीच साइकिल वितरण किया गया।वही जीप सदस्य राधा तिर्की ने कहा कि विद्यार्थियों के लिये उन्नति का पहिया है। साइकिल जिसे पढ़ाई के लिये सरकार दे रही है। जिसका उपयोग विद्यालय आने जाने में करें और समय से विद्यालय पहुंचे। वही बेटे बेटियों के प्रति सरकार की सोच है।की दूरी का बहाना कर पढ़ाई से कोई भी बच्चे वंचित न रहें। जिसके लिये सभी को साइकिल दिया जा रहा है। साथ ही कहा की बच्चे-बच्चियों शिक्षा से जोड़ कर शिक्षित बनाने के लिये सरकार छात्रवृति, पुस्तक तथा मध्याहन भोजन दे रही है। जिसे पढ़ लिख कर उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें और भविष्य को उज्ज्वल बना कर समाज को सुधाराने की दिशा में काम कर सकें। मौके पर विकेश कुमार सिन्हा, अम्बिका शरण पाण्डेय, राजेश उरांव, अमित नायक के अलावे छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, कोपिया जर्जर अवस्था में हुआ तब्दील

लोहरदगा। जिले के पेशरार प्रखंड के अति दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र के सीरम पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय कोपीया गांव के सरकारी स्कूल हाल बेहाल हो गया है। विद्यालय का बिल्डिंग परिसर जर्जर अवस्था में पूरी तरह से तब्दील हो गया है। विद्यालय का प्लास्टर टूट टूट कर गिर रहा है। ऐसी कुव्यवस्था में भी विद्यालय के सभी बच्चे विद्यालय परिसर में बैठकर पढ़ने को मजबूर है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार यादव का कहना है की मेरे विद्यालय में कुल नामांकित बच्चों की संख्या 29 है और विद्यालय प्रतिदिन सुचारू रूप से संचालित होता है। लेकिन विद्यालय का बिल्डिंग का स्थिति ठीक नहीं होने से बच्चों को बैठाकर पठन-पाठन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि इस मामले पर शिक्षा विभाग को कई बार अवगत कराने के बाद भी अब तक कोई ठोस कदम विभाग ने नहीं उठाया गया है। जिससे विद्यालय के शिक्षक व बच्चों में शिक्षा विभाग के प्रति काफी नाराजगी देखने को मिल रही है। इधर विद्यालय के शिक्षक बिल्डिंग परिसर को मरम्मति कराने की मांग कर रहे हैं। इधर इस संदर्भ में डीएसई दास सुनंदा चंद्रमौलेश्वर ने कहा कि हमारे विभाग को इस बात की जानकारी नहीं है। आपके माध्यम से इस तरह की खबरे आ रही है। आप लिखित में दे दीजिये अथवा आप अपने चैनल या अखबार में खबरे प्रकाशित कीजिये। हम इसके बाद मामले में कार्रवाई करेंगे।

झारखंड के दुमका में अपराधियों ने बैंक से 20 लाख रुपए लूटे

नवीन मेल संवाददाता। दुमका
दुमका जिले के हंसडीहा बाजार स्थित इंडियन बैंक की शाखा में गुरुवार दोपहर अपराधियों ने धावा बोलकर लाखों रुपए लूट लिए। लूट की रकम के बारे में बैंक प्रबंधन की ओर से फिलहाल आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन, यह राशि 20 लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस तहकीकात में जुटी है। लुटेरों के भागने की दिशा में छापेमारी की जा रही है। जरमुंडी के एसडीपीओ संतोष कुमार ने बताया कि लुटेरों की संख्या पांच थी। पुलिस बैंक अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्राहकों से घटना के बारे में जानकारी ले रही है। सीसीटीवी फुटेज भी निकाला गया है। बताया जा रहा है कि अपराधकर्मी सामान्य कस्टमर की तरह बैंक में एक-एक कर घुसे। फिर अचानक हथियार लहराते हुए उन्होंने बैंककर्मियों और ग्राहकों को कब्जे में लेकर लूटपाट की। यह बैंक शाखा झारखंड-बिहार सीमा पर स्थित सरैयाहाट प्रखंड में स्थित है। बिहार का बांका जिला इसकी सीमा से सटा है। वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी बिहार की तरफ भागे हैं। बांका जिले की पुलिस को भी अलर्ट किया गया है।

मार्केट में आ गया बजाज चेतक 3201 इलेक्ट्रिक स्कूटर

रांची। बजाज ऑटो ने चेतक 3201 विशेष संस्करण के लांच की घोषणा की है। विशेष रूप से अमेजन पर अगस्त 2024 के लिए 1,28,744 रुपए में उपलब्ध है। चेतक 3201 विशेष संस्करण में उभरी डेकल्स और रजाईदार सीटें हैं। अर्बनाइट बजाज ऑटो के प्रेसिडेंट एरिक वास ने कहा कि हमें अपने विशेष संस्करण चेतक के विशेष लांच और अगस्त की बिक्री के साथ अमेज़ॅन के साथ अपनी साझेदारी को बढ़ाने की खुशी है। यह सहयोग ईवी उद्योग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जहां ग्राहक विशेष रूप से अमेज़ॅन पर पहियों पर शांत विलासिता का उपयोग कर सकते हैं। अपने मजबूत निर्माण और ठोस मेटल बॉडी के साथ इलेक्ट्रिक चेतक, विश्वास और स्थायित्व की भावना पैदा करता है जिसकी हमारे ग्राहक बजाज ऑटो से अपेक्षा करते हैं। यह अपने सेगमेंट का एकमात्र मेटल-बॉडी इलेक्ट्रिक स्कूटर है।

शहीदों और राज्य निर्माण के नायकों के संघर्ष हमारे लिए प्रेरणा : विनोद कुमार

नवीन मेल संवाददाता। रांची
वीर शहीद निर्मल महतो के शहादत दिवस पर झामुमो रांची जिला समिति द्वारा जिलाध्यक्ष मुस्ताक आलम की अध्यक्षता में जेल मोड़ स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा निर्मल महतो के शहादत दिवस पर हम सभी लोग प्रत्येक वर्ष यहां उपस्थित होते हैं। उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। साथ ही यह संकल्प लेते हैं कि उनके विचार और सोच के अनुरुप राज्य के लोगों की जो भावना और अपेक्षा है, उसके अनुरुप हमलोग काम करने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित ही उनके संघर्ष राज्य निर्माण के लिए हम सभी को प्रेरणा देता है। सभी जाति वर्ग समुदाय के सर्वांगीण विकास की दिशा मे राज्य सरकार और झारखंड मुक्ति मोर्चा आगे बढ़ रही है। आज हम सभी लोग वीर शहीदों के संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे चलने का संकल्प लेते हैं। झामुमो रांची जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि आज निर्मल महतो के शहादत दिवस पर हम झामुमो रांची जिला समिति उनको श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन करती है। प्रत्येक वर्ष हम उपस्थित होकर उन्हें नमन करते हैं। उनके संघर्ष हम सभी को निरंतर आगे काम करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर जिला सचिव डॉ हेमलाल कु मेहता, जिला उपाध्यक्ष जनक नायक, अश्विनी शर्मा, रामानंद बेदिया, बीरू साहू, रामशरण तिर्की, जिला संगठन सचिव आदिल इमाम, जुल्फिकार खान, सुजीत उपाध्याय, आफताब आलम, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष आशुतोष वर्मा, सचिव सोनू मुंडा, लालजी रमण, अफरोज आलम, महावीर विश्वकर्मा, तालकेश्वर महतो, संजय सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष फरीद खान, उपाध्यक्ष शमिम मंसूरी, परवेज आलम, सचिव सुजीत कुजूर, महिला मोर्चा जिला सचिव शांति तिर्की, उपाध्यक्ष अंशु लकड़ा, महानगर संगठन सचिव राधा हेंब्रम, सुनिता तिर्की, अनिमा केरकेट्टा सहित अन्य कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की भूमि उपयोग नीति में संशोधन किया गया है

नवीन मेल संवाददाता। रांची
कोयला मंत्रालय अपनी संपत्तियों को निजी क्षेत्र को देने की ओर बढ़ रहा है। कमर्शियल माइनिंग के तहत कोल ब्लॉक के आबंटन के बाद अब कोल इंडिया की अनुषांगिक कंपनियों की जमीन भी निजी कंपनियों को पट्टे पर दी जाएंगी। इसके लिए केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की भूमि उपयोग नीति में संशोधन कर दिया गया है। कोयला मंत्रालय द्वारा इस आशय का आदेश 29 जुलाई को जारी किया गया है।
उल्लेखनीय है कि सरकारी कोयला खदानों के लिए सीबीए अधिनियम या कोकिंग कोल माइंस अधिनियम 1972, कोयला खदान राष्ट्रीयकरण अधिनियम 1973 के तहत भूमि का अधिग्रहण किया जाता है। भूमि उपयोग नीति में संशोधन निजी संस्थाओं को कोयला बुनियादी ढांचे के विकास और अन्य विकास गतिविधियों के लिए पट्टे पर देने किया गया है। भूमि के स्वामित्व में बदलाव किए बिना जमीन निजी कंपनियों को पट्टे पर दी जाएगी। पट्टा 50 साल के लिए होगा। पट्टा उन कंपनियों को ही मिलेगा, जिन्हें कॅमर्शियल माइनिंग के तहत कोल ब्लॉक का आबंटन किया गया है। यह दिशानिर्देश केवल ऐसे भूमि खंडों पर लागू होंगे जो पहले से ही केंद्र सरकार द्वारा अधिग्रहित हैं और सीबीए अधिनियम या सीसीएमएन अधिनियम या सीएमएन अधिनियम के तहत सरकारी कंपनियों में निहित हैं। ऐसी भूमि के खंडों में खनन और सतह के अधिकार केवल सफल बोलीदाताओं को पट्टे पर दिए जा सकते हैं, जिन्हें सीएमएसपी अधिनियम या एमएमडीआर अधिनियम के तहत संबंधित कोयला खदान-ब्लॉक आबंटित की गई है। ऐसे मामलों में जहां ऐसे ओवरलैपिंग भूमि पार्सल सीसीएमएन अधिनियम/सीएमएन अधिनियम के तहत एक सरकारी कंपनी में अधिग्रहित और निहित किए गए हैं, उक्त सरकारी कंपनी ऐसे नियमों और शर्तों पर सफल बोलीदाता को ऐसे भूमि पार्सल पर सतही अधिकारों का पट्टा-उप-पट्टा दे सकती है। जैसा कि उक्त सरकारी कंपनी उचित समझे।

कार्यालय नगर परिषद्, चतरा
पुराना कचहरी के समीप, चतरा (झारखण्ड)- 825401
दुरभाष : 06541–253030
ई-मेल : npchatra@gmail.com

CORRIGENDUM
CANCELLATION OF TENDER

इस कार्यालय के पत्रांक–866/न0प0, दिनांक–01.08.2024 के द्वारा e-Tender Reference No.- UDD/CH/NPC/08/2024-25 दिनांक–01.08.2024 के द्वारा नगर परिषद्, चतरा अन्तर्गत 15वें वित्त आयोग तहत रोड एवं नाली निर्माण कार्य हेतु दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से ई–निविदा निकाली गई थी, जिसका PR. No.- 329312 Urban Development (24-25)D है।

उक्त आमंत्रित ई–निविदा के ग्रुप संख्या–12 में वर्णित कार्य– Construction of PCC road over Katcha Road from near Bidi Pata Ware house to the Park near West side of Model College in ward no.-21 undar Nagar Parishad, Chatra को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

शेष शर्तें यथावत रहेगी।

ह0/–
प्रशासक,
PR 332220 Urban Development (24-25)_D नगर परिषद्, चतरा

जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा

नामांकन सूचना
डेयरी कृषकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम (APDF)

झारखण्ड राज्य के इच्छुक विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि Indira Gandhi Open University (IGNOU) के माध्यम से प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास), धुर्वा, सेक्टर–2, राँची में स्थापित अध्ययन केन्द्र (स्टडी सेन्टर कोड सं० 32023P) द्वारा संचालित दो माह का Awareness Programme on Dairy Farming (APDF) कार्यकमों सत्र 2024–25 के लिए नामांकन/निबंधन अपने अंतिम चरण पर है।

डेयरी कृषकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम (APDF)
इग्नू द्वारा संचालित दो माह का डेयरी कृषकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम (APDF) के सत्र 2024–25 का शुभारंभ आगामी सप्ताह से प्रस्तावित है। इच्छुक प्रगतिशील डेयरी कृषक जिला गव्य विकास पदाधिकारी के कार्यालय, गढ़वा से शीघ्र संपर्क स्थापित कर सत्र 2024–25 में अपना नामांकन/निबंधन सुनिश्चित करें।

क0	न्यूनतम योग्यता	1. साक्षर 2. 18 से 55 वर्ष उम्र 3. गव्य पालन का अनुभव 4. न्यूनत्म पांच गाय की परिसंपत्ति
1.	कोर्स अवधि	02 माह (16 दिनों का Theory classes)
2	शिक्षण का माध्यम	हिन्दी एवं अंग्रेजी
3	नामांकन शुल्क विवरणी	1. प्रशिक्षण शुल्क एवं अन्य विविध व्यय। 2. भोजन एवं आवासन की व्यवस्था निःशुल्क है।
4	नामांकन की अंतिम तिथि	14.08.2024 तक/सीटें समाप्त होने तक
5	कुल सीटें	संबंधित जिलों के लक्ष्य अनुरूप (6–10 सीटे/जिला)

प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, रांची अवस्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र में विद्यार्थियों के उपबोधन (Counselling) की अवधि में विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आवासन के लिए पुस्तकालय, प्रयोगशाला, डेयरीफार्म, चारा प्रत्यक्षण फार्म, ऑडियो–विजुअल क्लास रूप तथा महिला एवं पुरूश के लिए अलग–अलग छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।

विशेष जानकारी एवं नामांकन के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा के मो0 नं0 9934347324 पर कार्यालय अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

PR 332205 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department (24-25)_D
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गढ़वा

कार्यालय–कार्यपालक अभियंता, एन0आर0ई0पी0, लातेहार

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसधारण को सूचित किया जाता है कि PR No. 332109(Rural Development) 25-24(D) द्वारा प्रकाशित अति अल्पकालिन निविदा आमंत्राण, सूचना संख्या–07/2024–25 में निविदा को अपरिहार्य कारणो से रद्द किया जाता है।

PR 332289 Rural Development(24-25)#D
कार्यपालक अभियंता
एन0आर0ई0पी0, लातेहार

जिला दण्डाधिकारी एवं उपायुक्त का कार्यालय, लातेहार।
(सामान्य शाखा)

संशोधित विज्ञापन संख्या : 01/2024
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि : 18.08.2024
लातेहार जिला अन्तर्गत चौकीदार के पद पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन।

सरकार के संयुक्त सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड रांची के पत्रांक–3910, दिनांक–27.06.2024 के द्वारा चौकीदारों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सक्षम प्राधिकार से रोस्टर क्लीयर कराते हुए समय–सीमा के अन्दर नियुक्ति प्रकिया पूर्ण करने हेतु निर्देश प्राप्त है। मुख्य सचिव महोदय, झारखंड रांची के द्वारा दिनांक–01.07.2024 को Video Conference के माध्यम से आयोजित बैठक में भी चौकीदारों के रिक्त पदों पर सीधी नियुक्ति हेतु आरक्षण रोस्टर क्लीयर कराते हुए तत्काल विज्ञापन प्रकाशन करने का निर्देश दिया गया है। उक्त के आलोक में आयुक्त के सचिव, पलामू प्रमण्डल मेदिनीनगर के पत्रांक–392 दिनांक–10.07.2024 के द्वारा चौकीदार के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु सक्षम प्राधिकार आयुक्त, पलामू प्रमण्डल मेदिनीनगर से अनुमोदित आरक्षण रोस्टर प्राप्त है। माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड रांची में दायर वाद W.P(S) No. 960/2016 सलन चम्पिया एवं अन्य बनाम–झारखण्ड राज्य एवं अन्य तथा अन्य समरूप मामले में दिनांक 23.07.2018 को, पारित आदेश तथा गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, रांची के अधिसूचना संख्या–2032 दिनांक 07.04.2015 द्वारा निर्गत चौकीदार नियुक्ति नियमावली, विभागीय अधिसूचना संख्या–4998, दिनांक 19.09.2019 के द्वारा प्राप्त निर्देश के अनुपालन में ग्रामीण चौकीदार के पद पर सीधी भर्ती हेतु आवेदन विहित प्रपत्र में आमंत्रित किये जाते है।

पद का नाम : चौकीदार
रिक्त पदों की संख्या : 100

कोटि	अनारक्षित	आ0क0वर्ग	अ0ज0जा0	अ0जा0	अ0पि0व0	पि0व0	कुल
रिक्त पद	47	14	39	00	00	00	100

नोट 1 : सरकार के संयुक्त सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड रांची के पत्रांक–4441 दिनांक–22.07.2024 के द्वारा लातेहार जिला के लिए चौकीदारों का कुल 202 स्वीकृत पद को चिन्हित किया गया है। उक्त के आलोक में नियुक्ति प्रकिया प्रारम्भ की जा रही है। भविष्य में सरकार/विभागीय स्तर से किसी तरह का मार्गदर्शन प्राप्त होने /अन्य न्यायालीय आदेश के आलोक में आवश्यकतानुसार विज्ञापन में आंशिक/पूर्ण संशोधन अथवा विज्ञापन को रद्द किया जा सकता है।
नोट 2 : रिक्त पदों की विवरणी बीट संख्या एवं नाम सहित परिशिश्ट–1 में संलग्न है।
नोट 3 :आरक्षण–झारखण्ड सरकार के द्वारा जिला स्तरीय मुफ्फसिल स्थापना के लिए लागू आदर्श आरक्षण।
क्षैतिज आरक्षण
I. पर्यटन कला संस्कृति खेल–कूद एवं युवा कार्य विभाग के संलल्प संख्या–1709, दिनांक 12.09.2007 के आलोक में निर्धारित खेल–कूद कोटा से खिलाड़ियों के लिए 2% पद क्षैतिज रूप से आरक्षित होगा।
II. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–2249 दिनांक 03.04.2018 के अनुसार निःशक्त जनों हेतु 4% क्षैतिज आरक्षण अनुमान्य होगा। विभागीय अधिसूचना संख्या–2032 दिनांक 07.04.2015 द्वारा निर्गत चौकीदार नियुक्ति नियमावली के कंडिका–09 के आलोक में निःशक्त को आरक्षण की अनुमान्यता पर संशय है। चौकीदार ग्रामीण पुलिस माने जाते हैं इस कारण भर्ती में निःशक्त को आरक्षण अनुमान्य होगा अथवा नहीं? तत्संबंधी सरकार से मार्गदर्शन की मांग की जा रही है, मार्गदर्शन के अनुरूप इसके अनुमान्यता पर निर्णय प्रभावित होगा।
III. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–5555 दिनांक 28.06.2016 के द्वारा अनुसूचित जनजाति के आरक्षित कोटे में से 2% पद क्षैतिज रूप से आदिम जनजाति को अनुमान्य होगा।
IV. कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग के संकल्प संख्या–8281 दिनांक 03.12.2021 के आलोक में महिलाओं के लिए 5% पद क्षैतिज आरक्षित होगा।
नोट 4 : **शैक्षणिक योग्यता** – चौकीदार के पद पर नियुक्ति हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता झारखण्ड राज्य के मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों/बोर्ड से दसवीं कक्षा उर्तीण होना अनिवार्य है। दिनांक 01.07.2024 तक दसवीं परीक्षा उर्तीण अभ्यर्थी द्वारा ही नियुक्ति हेतु आवेदन किया जाएगा।
नोट 5 : **चरित्र**– अभ्यर्थी का चरित्र अच्छा हो एवं आपराधिक इतिहास नहीं हो। चरित्र की जांच उनके नियुक्ति के पूर्व नियुक्ति प्राधिकार द्वारा करवायी जायगी।
नोट 6 : **उम्र सीमा**
(क) न्यनतम उम्र सीमा–18 वर्ष
(ख) अधिकतम उम्र सीमा –
(I) अनारक्षित –35 वर्ष
(II) पिछ्डा/अत्यंत पिछ्डा वर्ग –37 वर्ष
(III) महिला (अनारक्षित/पिछ्डा/अत्यंत पिछ्डा वर्ग) –38 वर्ष
(IV) अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति (पुरूश/महिला) –40 वर्ष
(V) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग–35 वर्ष
(नोट – पूर्व में अवैतनिक रूप से चौकीदार के रूप में कार्य करने वाले सभी अभ्यर्थियों (माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायादेश से प्रभावित/आच्छादित) के लिए अधिकतम उम्र सीमा को एक बार की नियुक्ति प्रकिया के लिए शिथिल किया गया है। साथ ही सभी श्रेणी के दिब्यांग जनों के लिए अधिकतम उम्र सीमा में 10 वर्ष की छूट अनुमान्य है।
(आयु की गणना की तिथि 01.07.2024)
नोट 7 : अभ्यर्थियों को संबंधित बीट क्षेत्र का स्थायी निवासी होना अनिवार्य होगा, जिस बीट के रिक्ति के विरूद्ध वे आवेदन कर रहे हैं।
नोट 8 : अभ्यर्थियों को साईकिल चलाने का ज्ञान आवश्यक होगा।
नोट 9 : चौकीदार के पद पर नियुक्ति जिला स्तर पर होगी एवं उनका पदस्थापन यथासम्भव उनके आवासीय बीट क्षेत्र के अन्तर्गत होगा। सामान्यतः उनका स्थानांतरण नहीं किया जायगा।
नोट 10 : **नियुक्ति प्रकिया (एक स्तरीय)**:–
(क) **लिखित परीक्षा** – लिखित परीक्षा 50 अंको की ली जाएगी। लिखित परीक्षा में जिला से संबंधित सामान्य ज्ञान एवं स्थानीय भाषा से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगे। लिखित परीक्षा में न्यनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। सफल उम्मीदवारों की सूची 1:3 की संख्या में तैयार की जाएगी।
(ख) **शारीरिक माप** – अभ्यर्थियों को न्यूनतम शारीरिक माप निम्नलिखित होगा –

	उँचाई (सामान्य)
(I) सामान्य श्रेणी	**160 से0मी0**
(II) पिछ्डा वर्ग/अत्यंत पिछ्डा वर्ग	**160 से0मी0**
(III) अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति	**155 से0मी0**
(IV) महिलाओं के लिए	**148 से0मी0**

लिखित परीक्षा के पाठयक्रम सामान्य ज्ञान एवं स्थानीय भाषा से संबंधित 50 (पचास) बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे। गलत उत्तर के लिए कोई अंक कटौती नहीं की जाएगी।
(ग) **शारीरिक जांच** – लिखित परीक्षा में उर्तीण एवं शारीरिक माप में अंकित न्यूनतम शारीरिक मापधारी अभ्यर्थी शारीरिक जांच में भाग लेगें। सभी अभ्यर्थी एक मील के दौड़ में भाग लेंगे। शारीरिक जांच में निम्न आधार पर अंक दिये जायेंगे।
(a) **एक मील की दौड़**

	समय	अंक
(I) पुरूषों के लिये –	**05 मिनट या पहले**	**20 अंक**
	05 मिनट के बाद 06 मिनट तक	**10 अंक**
	(अधिक समय लेने वाले निरर्हित समझे जायेंगे)	
(II) महिलाओं के लिये –	**08 मिनट या पहले**	**20 अंक**
	08 मिनट के बाद 10 मिनट तक	**10 अंक**
	(अधिक समय लेने वाले निरर्हित समझे जायेंगे)	

नोट 11 : माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड रांची के द्वारा याचिका W.P(S)960/2016 सलन चम्पिया एवं अन्य बनाम–झारखण्ड राज्य में दिनांक 23.07.2018 को पारित आदेश के आलोक में चौकीदार नियुक्ति नियमावली में संशोधन संबंधी विभागीय अधिसूचना संख्या–4998 दिनांक 19.09.2019 के तहत पूर्व से अवैतनिक रूप से चौकीदार के रूप में कार्य करने वाले अभ्यर्थियों को कार्यानुभव के लिए Weightage प्रदान की जायेगी। माननीय उच्च न्यायालय के न्यायादेश से उदभूत एवं प्रभावित/आच्छादित अभ्यर्थियों के संदर्भ में साक्ष्य आधारित सम्पुष्टि के उपरांत 02 अंक प्रत्येक पूर्ण 01 (एक) वर्ष की दर से अधिकतम 20 अंक देय होगा।
नोट 12 : **मेधा सूची**– लिखित परीक्षा में प्राप्त अंक, शारीरिक जांच में प्राप्त अंक एंव कार्यानुभव में प्राप्त अंक के योग के आधार पर मेधा सूची तैयार की जायेगी।
नोट 13 : **चिकित्सा परीक्षण**– नियुक्ति के पूर्व सफल चयन अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य की जांच की जायेगी। सरकारी सेवक के रूप में अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु आवश्यक शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता मापदण्ड के आधार पर अभ्यर्थियों को योग्य पाये जाने पर ही नियुक्ति किया जायेगा।
नोट 14 : **परिवीक्षा**– चौकीदार के पद पर बहाली परिवीक्षा आधार पर की जाएगी। परिवीक्षा की अवधि दो वर्ष की होगी। अगर किसी चौकीदार की सेवा परिवीक्षा की अवधि में संतोषजनक नहीं पायी जाती है तो परिवीक्षा की अवधि एक वर्ष के लिए बढ़ायी जा सकती है। वर्द्धित अवधि के दरम्यान भी सेवा संतोषजनक नहीं पायी जाय, तो उस परिस्थिति में सेवा समाप्त की जा सकती है।
नोट 15 : **वेतनमान**– चौकीदार का शष्टम पुनरीक्षित वेतनमान –PB–I, 5200–20200 ग्रेड वेतन 1800 होगा।
नोट 16 : **आवेदन करने की प्रकिया**
a) उपरोक्त योग्यता सह अहर्त्ता रखने वाले उम्मीदवारों से विहित प्रपत्र में आवदेन पत्र आवश्यक कागजात यथा–शैक्षणिक अंक पत्र/प्रमाण पत्रों की स्वअभिप्रमाणित प्रति, आरक्षण के दावा हेतु सक्षम पदाधिकारी द्वारा निर्गत अद्यतन आवासीय, जाति प्रमाण पत्र, जन्म तिथि से संबंधित शैक्षणिक प्रमाण पत्र तथा कार्यानुभव प्रमाण पत्र (न्यायादेश से आच्छादित अभ्यर्थियों के लिए) के साथ स्वअभिप्रमाणित दो पासपोर्ट साईज फोटो एवं स्वपता लिखा लिफाफा संलग्न करते हुए दिनांक **18.08.2024** तक उपायुक्त, लातेहार (जिला सामान्य शाखा) समाहरणालय, लातेहार में आवदेन जमा किया जा सकता है। दिनांक **18.08.2024** के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।
b) किसी अन्य कार्यालय में आवेदन जमा करने पर उनका आवेदन स्वतः निरस्त समझा जायेगा।
c) आवेदन को बन्द लिफाफे में निबंधित डाक/स्पीड पोस्ट से भेजा जा सकता है।
d) अन्य विवरणी जिला के अधिकृत बेबसाईट www.latehar.nic.in पर देखा जा सकता है एवं प्रपत्र को डाउनलोड किया जा सकता है।
e) परीक्षा शुल्क के रूप में अनारक्षित/पिछड़ा/अन्य पिछड़ा वर्ग–200/– एवं अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जाति –100/– रू0 का भारतीय पोस्टल आर्डर/बैंक ड्राफ्ट जो उपायुक्त, लातेहार के पद नाम से भुगतेय होगा संलग्न करना अनिवार्य है।
f) परीक्षा की तिथि दैनिक स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से अलग से प्रकाशित की जाएगी।
g) आवेदन प्राप्त करने एवं आवेदन भेजने का पता निम्न है :– उपायुक्त, लातेहार (जिला सामान्य शाखा) समाहरणालय, लातेहार, पिन – 829206

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त,
लातेहार।

ज्ञापांक :................/सा0, दिनांक :.........../07/2024
प्रतिलिपि : जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, लातेहार को स्थानीय दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित करने हेतु सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।
प्रतिलिपि : जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, लातेहार को जिला के अधिकृत बेबसाईट www.latehar.nic.in पर प्रकाशित करने हेतु सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।
प्रतिलिपि : सभी थाना प्रभारी/सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/सभी अंचल अधिकारी, लातेहार जिला को सूचनार्थ एवं निदेश दिया जाता है कि सभी थाना/पंचायत/अंचल क्षेत्र में इसका व्यापक प्रचार–प्रसार करना सुनिश्चित करेंगे।

PR 332271 (District) 24-25 (D)
जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त,
लातेहार।

जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा।
(प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान परिसर)
प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान HEC सेक्टर–2, रांची इग्नू (IGNOU) स्टडी सेन्टर कोड सं० 32023P

नामांकन सूचना
डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नोलॉजी (DDT)

झारखण्ड राज्य के सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि Indira Gandhi Open University (IGNOU) के माध्यम से प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास), धुर्वा, सेक्टर–2, राँची में स्थापित अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित एक वर्षीय Diploma in Dairy Technology (DDT) पाठ्यक्रम के सत्र 2024–25 आगामी सप्ताह से प्रारंभ की जा रही है। पुनः इच्छुक अभ्यर्थियों जिनका कि नामांकण अब तक नहीं हो पाया है, को निदेशित किया जाता है कि प्रासंगिक एक वर्षीय Diploma in Dairy Technology (DDT) पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु शीघ्र संपर्क स्थापित कर सत्र 2024–25 में अपना नामांकन/निबंधन सुनिश्चित करें।
डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नोलॉजी (DDT)
इस पाठ्यक्रम में नामांकन हेतु वांछित शर्तें एवं अहर्त्ता निम्नवत् है :–

न्यूनतम योग्यता	I. 10+2/Senior Secondary pass out. II. Beachelor Prepratory Programme (BPP) (Under IGNOU/ODL Mode) III. 10th Pass may Enroll Simultaneousery for th BPP and Diploma Programme
कार्य अवधि	01 Year (Theory and Practical)
शिक्षण का माध्यम	हिन्दी एवं अग्रेजी
नामांकन शुल्क विवरणी	कोटि (I) एवं (II) के लिए रू० 14400/– तथा कोटि (III) के लिए रू0 15700/– (ग्रामीण एवं बी0पी0एल0 अभ्यर्थियों को नामांकन शुल्क में 50% की रियायत)
नामांकन की अंतिम तिथि	14.08.2024 तक (बिना विलंब शुल्क के)
कुल सीटें	40 मात्र।
नोट	प्रथम 40 झारखण्ड राज्य के अभ्यथियों को नामांकन शुल्क की 50% राशि के प्रतिपूर्ति किए जाने का प्रावधान है।

प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, धुर्वा, राँची अवस्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र में विद्यार्थियों के उपबोधन (Counselling) की विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आवासन के लिए पुस्तकालय, प्रयोगशाला, डेयरीफार्म, चारा प्रत्यक्षण फार्म, ऑडियो–विजुअल तथा महिला एवं पुरूष के लिए अलग–अलग छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है।
इग्नू के माध्यम से डिप्लोमा इन डेयरी टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक उर्त्तीण विद्यार्थियों को सहकारी दूध समितियों/संघो तथा राज्य स्तरीय दुग्ध महासंघ में दुग्ध विपणन पर्यवेक्षक/दुग्ध विश्लेषक/प्लांट ऑपरेटर/दुग्ध शीतक केन्द्र पर्यवेक्षक/दुग्ध विपणन सहायक/दुग्ध वितरक आदि के लिए आवेदन करने की अहर्त्ता अथवा स्वरोजगार के लिए कौशल विकास प्राप्त हो सकेगी।
विशेष जानकारी एवं नामांकन के लिए प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास), धुर्वा, सेक्टर–2 से मो0 नं0 9304600712,7361809565 पर कार्यालय, अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

PR 332214 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 24-25 (D)
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गढ़वा।

जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा

(प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल की बछिया पालकों के लिए आम सूचना)

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) का राज्यादेश सं० 17 रा० (वि०) दिनांकः– 16.07.2024 के आलोक में वित्तिय वर्ष 2024–25 में राज्य, जिला एवं प्रखण्ड स्तर पर प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/ दुग्ध मित्र एवं देशी/उन्नत नस्ल बछिया पालकों को उनके द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्य हेतु पुरस्कृत किये जाने की योजना है। उक्त योजना हेतु कोडरमा जिला के इच्छुक दुग्ध उत्पादक/कृत्रिम गर्भाधान कार्यकर्त्ता/दुग्ध मित्र एवं दीी/ उन्नत नस्ल बछिया पालकों से अनुरोध है कि वे अपना आवेदन निम्न विहित प्रपत्र में पूर्ण बायोडाटा, आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल अपने डेयरी फार्म में करने, मौसमी हरा चारा का उत्पादन, जीवीकोपार्जन एवं आर्थिक स्थिति मजबूत होने संबंधी सफलता की कहानी तथा निर्मित गौशाला का स्वयं के साथ रंगीन फोटोग्राफ सहित (दो प्रतियों में) दिनांकः– 12.08.2024 के अपराहन 3.00 बजे तक जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा में समर्पित कर सकते हैं ताकि अंतिम चयन हेतु प्रस्ताव गव्य निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रपत्र

क0सं0	पशुपालक का नाम/पिता/पति का नाम	ग्राम	प्रखण्ड	जिला	जाति	वर्तमान में दूध देने वाली गाय/भैंस की सं०	प्रतिदिन दूध उत्पादन की मात्रा (ली0 में)	प्रति दुधारू मवेशी दूध उत्पादन (ली0 में)	दुधारू मवेशियों का नस्ल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10

गौशाला की स्थिति (साफ–सफाई, Sanitization)	गौशाला में नई तकनीक का प्रयोग (Use of Mechanization)	मौसमी हरा चारा का उत्पादन (एकड़ में)	JMF द्वारा प्राप्त Milk Incentive	गव्य विकास योजनाओं से समन्वय	पशु स्वास्थय अति उत्तम/संतोषप्रद/सामान्य	दूध बिक्री की व्यवस्था	अभ्युक्ति

नोटः– 1. आवेदक अपना आवेदन के साथ बैंक पासबुक एवं आधार कार्ड की स्व–हस्ताक्षरित छाया प्रति अवश्य संलग्न करेंगे।
2. वैसे पशुपालक जिन्हें इस योजना के तहत पूर्व में पुरस्कार प्रदान किया गया है, वे आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।
विशेष जानकारी के लिए जिला गव्य विकास कार्यालय, गढ़वा से कार्य अवधि में संपर्क किया जा सकता है।

PR 332209 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(24-25).D
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, गढ़वा

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
जिला गव्य विकास कार्यालय, चतरा

"पशुपालकों के लिए आम सूचना"

चतरा जिला के ग्रामीण क्षेत्रों के गव्य विकास की योजनाओं से लाभान्वित/चयनित लाभुकों/दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों/ सखी मंडल के सदस्यों को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि सचिव, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के राज्यादेश 17 रा0 (वि0) दिनांक 16.07.2024 एवं प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान (गव्य विकास) राँची के पत्रांक 339 दिनांक 26.07.2024 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2024–25 अन्तर्गत चतरा जिला के लिए राज्य के अंदर दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन निम्नलिखित तिथियों के अनुसार प्रशिक्षण एवं प्रसार संस्थान, सेक्टर–2, धूर्वा, राँची में किया जाना है। इच्छुक पशुपालक प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु जिला गव्य विकास कार्यालय, चतरा से निःशुल्क आवेदन–पत्र प्राप्त कर एवं ग्राम पंचायत प्रतिनिधि से अनुशंसा पहचान–पत्र (आधार कार्ड का छायाप्रति), दो पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो, अपने नाम का सुस्पष्ट बैंक खाता पासबुक की छाया प्रति एवं IFSC कोड के साथ आवेदन कार्यालय में जमा करना चाहेंगें। प्रशिक्षण संस्थान धूर्वा, राँची तक आने–जाने का मार्ग व्यय स्वयं वहन करना है। प्रशिक्षण के बाद प्रशिक्षणार्थियों द्वारा किये गये मार्ग व्यय एवं रू0 100/– प्रतिदिन के दर से दैनिक भत्ता की राशि को सीधे उनके बैंक खाता में **DBT** के माध्यम से प्रतिपूर्ति की जायेगी।
वित्तीय वर्ष 2024–25 का प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है।
प्रशिक्षण का नाम :– **दुधारू पशु प्रबंधन एवं पशु पोशण प्रशिक्षण (छः दिवसीय)।**

क्र0	दिनांक	समान्य जाति (OSP)			अनुसूचित जाति (SCSP)			कुल योग
	प्रशिक्षण अवधि	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	कुल	
1	13.08.2024 से 19.08.2024	15	05	20	02	02	04	24
2	27.08.2024 से 02.09.2024	15	05	20	03	03	06	26
3	17.09.2024 से 23.09.2024	15	05	20	03	02	05	25
4	24.09.2024 से 30.09.2024	15	05	20	03	03	06	26
5	26.11.2024 से 02.12.2024	15	05	20	03	03	06	26
6	17.12.2024 से 23.12.2024	10	05	15	03	02	05	20
7	31.12.2024 से 06.01.2025	10	05	15	03	03	06	21
8	28.01.2025 से 03.02.2025	10	05	15	03	02	05	20
9	04.02.2025 से 10.02.2025	10	05	15	03	03	06	21
10	25.02.2025 से 03.03.2025	10	05	15	03	02	05	20
11	11.03.2025 से 17.03.2025	10	05	15	03	03	06	21
	कुल :–	140	55	195	32	28	60	255

नोट :–
1. मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के चयनित लाभुकों को प्राथमिकता के आधार पर प्रशिक्षण में भेजा जाएगा।
2. प्रशिक्षण अवधि छः दिवसीय निर्धारित है।
3. उम्र न्यूनतम 18 वर्ष से अधिकतम 55 वर्ष के अन्दर हो।
4. महिलाओं को अपने साथ बच्चा ले जाने की अनुमति नहीं होगी।
5. प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण में अपने साथ आधार कार्ड एवं बैंक खाता की मूल प्रति लाना अतिआवश्यक है।

PR.NO.332185 Animal Husbandry(24-25):D
जिला गव्य विकास पदाधिकारी, चतरा।

संपादकीय

आदिवासी समुदाय का प्रेरक प्रकृति प्रेम

भारत ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं, जिनका रहन-सहन, खानपान, रीति-रिवाज सबकुछ आम लोगों से कुछ अलग होता है। समाज की मुख्यधारा से कटे होने के कारण कुछ आदिवासी समाज के सदस्य आज भी पिछड़े हुए हैं। यही वजह है कि भारत समेत अनेक देशों में इनके उत्थान के लिए, इन्हें बढ़ावा देने और इनके अधिकारों की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार 1994 को अंतरराष्ट्रीय आदिवासी वर्ष घोषित किया था। ठेठ आदिवासी समुदाय के लोगों की भाषाएं, संस्कृति, त्योहार, रीति-रिवाज और पहनावा अन्य समाज के लोगों से थोड़ा अलग होता है। यही वजह है कि ये लोग समाज की मुख्यधारा से नहीं जुड़ पाए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इनकी संख्या आज भी समय के साथ घटती जा रही है। आज भी आदिवासी समाज के लोगों को अपना अस्तित्व, संस्कृति और सम्मान बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इसकी एक मुख्य वजह ये है कि ये लोग प्रकृति से समीप रहना ज्यादा पसंद करते हैं और जंगलों में रहते हैं जिसकी वजह से ये मुख्यधारा से कटे रहते हैं। आज जंगल घटते जा रहे हैं जिसकी वजह से इनकी संख्या भी कम होती जा रही है। आदिवासी समाज के लोगों का मुख्य आहार आज भी पेड़-पौधों से जुड़ा है, इनके धर्म-त्योहार भी प्रकृति से जुड़े हैं। दुनिया भर में 500 मिलियन के करीब आदिवासी रहते हैं और 7000 भाषाएं बोलते हैं, 5000 संस्कृतियों के साथ दुनिया के 22 प्रतिशत भूमि पर इनका कब्जा है। इनकी वजह से पर्यावरण संरक्षित है। साल 2016 में 2680 ट्राइबल भाषाएं विलुप्त होने की कगार पर थीं। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र ने इन भाषाओं और इस समाज के लोगों को समझने और समझाने के लिए 2019 में विश्व आदिवासी दिवस मनाने का एलान किया।

आदिवासी समाज के लोगों का मुख्य आहार आज भी पेड़-पौधों से जुड़ा है, इनके धर्म-त्योहार भी प्रकृति से जुड़े हैं।

अमेरिका में 12 अक्टूबर को हर साल कोलंबस दिवस मनाया जाता है और वहां के आदिवासियों का मानना था कि कोलंबस उस उपनिवेशी शासन व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके लिए बड़े पैमाने पर जनसंहार हुआ था। इसके बाद फिर कोलंबस दिवस की जगह पर आदिवासी दिवस मनाने की मागं उठी। इसके लिए 1977 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया और इस सम्मेलन में कोलंबस दिवस की जगह आदिवासी दिवस मनाने की मांग की गई। भारत में आदिवासी समुदाय की है बड़ी संख्या भारत के मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार आदि तमाम राज्यों में आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। मध्य प्रदेश की बात कहें तो यहां 46 आदिवासी जनजातियां रहती हैं, जिसमें एमपी की कुल जनसंख्या के 21 फीसदी लोग आदिवासी समुदाय के हैं। वहीं झारखंड की कुल आबादी का करीब 28 फीसदी आदिवासी समाज के लोग हैं। सिर्फ मध्य प्रदेश में गोंड, भील और ओरोन, कोरकू, सहरिया और बैगा जनजाति के लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। बता दें कि गोंड एशिया का सबसे बड़ा आदिवासी समूह है, जिनकी संख्या 30 लाख से अधिक है।

जंगल अगर दिल है, तो धड़कन हैं आदिवासी

(9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर)

9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस। आदिवासियों के मूलभूत अधिकारों की सामाजिक आर्थिक और न्यायिक सुरक्षा के लिए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूरे विश्व में यह दिन बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा। आदिवासियों के हित, उनके अधिकारों की रक्षा, जल जंगल और जमीन पर उनके एकाधिकार की बातें होंगी। मंच सजेगा, संगोष्ठियां और चर्चाओं का दौर चलेगा पर क्या आदिवासी जिसकी अस्मिता और अस्तित्व जंगल से परिभाषित होती है उसके जीवन में सामाजिक और आर्थिक रूप से भविष्य में कोई परिवर्तन आएगा। यह प्रश्न अपनी जगह अटल है। विश्व के लगभग 193 देशों में आदिवासी निवासरत है लेकिन फिर भी आज तक उनके मूलभूत समस्याओं का भी निराकरण नहीं हो पाया है। अगर हम भारत की परिदृश्य पर नजर डालें तो यह बात निकलकर सामने आती है कि आदिवासी क्षेत्रों के लोग मानसिक आर्थिक राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि से छले जा रहे हैं। परिणाम यह हुआ कि विकासशील भारत में आदिवासी समाज 50 वर्ष पीछे चला गया। झारखंड सहित देश के अन्य राज्यों में आदिवासियों की बदहाल छवि विकासशील भारत के के अंदर एक अविकसित भारत को प्रस्तुत करती है। अगर मैं बात करूं झारखंड के विकास के जमीनी हकीकत की जिस की राजनीति की धुरी ही आदिवासियों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है, आज देश के सभी नवनिर्मित राज्यों में सबसे पीछे है। बिहार से बंटकर झारखंड मध्यप्रदेश से बंटकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश से बंटकर उतरांचल बना। स्वभाविक है आदिवासियों के लिए बना झारखंड पृथक राज्य के साथ ही संभावनाओं और आशंकाओं के दो धुव्र भी बन गए। संभावना थी कि जनजातीय बहुल राज्यों के आने के बाद वहां की आर्थिक सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन मजबूत होगी। आर्थिक उन्नति होगी और बिरसा के सपने झारखंड के घर घर में हकीकत बनकर उतरेंगे। माइंस और खनिज से भरपूर इस इलाके को जब प्रकृति ने ही इतनी नेमत दे रखी है तो वहां के लोगों की विकास की भला क्या चिंता। पर वास्तविकता कुछ और निकली। मौजूदा हालात यह है कि वहां के लोगों की उम्मीदें अब टूट कर बिखर रही है।

स्वतंत्रता के बाद से कई सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों द्वारा आदिवासी समुदायों की आजीविका, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके उन्हें विकसित करने के प्रयास किये गए। सात दशक बीत गए पर आज भी आदिवासी लोग भारतीय समाज के सबसे कुपोषित भाग बने हुए हैं। आदिवासी क्षेत्रों में उपलब्ध खनिज संसाधनों संसाधन सरकारी खजाने की आय के स्रोत है बाबजूद इसके यह क्षेत्र सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ते जा रहे है। ऐसा क्यों?

आजादी के बाद से विकास के नाम पर विभिन्न परियोजनाओं के तहत आदिवासियों का विस्थापन होता रहा। समस्या तब और गंभीर हो गई जब संसाधनों की लूट आदिवासियों का विस्थापन और उनके जीवन की बबार्दी मौजूदा विकास मॉडल के साथ आई। आदिवासियों के जंगल जमीनों ,गांवों और संसाधनों पर कब्जा कर उन्हें दर-दर भटकने को मजबूर करने के पीछे मुख्य कारण पूंजीवादियों के साथ सांठ गांठ करने वाली हमारी सरकारी व्यवस्था रही। आदिवासी केवल अपने जंगलों या गांव से ही बेदखल नहीं हो रहे हैं बल्कि मूल्यो नैतिक अवधारणाओं जीवन शैली भाषाओं एवं संस्कृतियों से भी बेदखल कर दिए जा रहे हैं। इस बात की गंभीरता को ऐसे समझा जा सकता है कि देश की आबादी में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 8.6% है लेकिन विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित होने वाले लोगों की कुल संख्या में अनुसूचित जनजाति के लोगों की तादाद 40 प्रतिशत है। जाहिर है जनजातीय लोगों को जो भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची से आच्छादित हैं भूमि अधिग्रहण विस्थापन और अपर्याप्त मुआवजे का सबसे अधिक खामियाजा उन्हें ही भुगतना पड़ा है। आजादी के बाद देश में जो वन अधिनियम बने औपनिवेशिक परम्परा में बने पर एकमात्र वन अधिकार कानून 2006 एक ऐसा कानून बना जिसकी बदौलत पहली बार औपनिवेशिक काल से सरकार द्वारा वनआश्रित समुदायों के अधिकारों को छीनने की चली आ रही परम्परा को उलट कर उनके पारम्परिक अधिकारों को उनके मूल रूप मे प्रतिस्थापित करने का प्रावधान किया गया। विडम्बना यह है कि आदिवासी हित की बात और जल जंगल जमीन के बोल के साथ झारखंड में सत्ता हस्तांतरण का दौर चलता रहा। दुर्भाग्य रहा कि आदिवासियों ने अपने जिन प्रतिनिधियों को जिताकर संसद में बिठाया उन्ही लोगों द्वारा आदिवासी समाज को ही हराने की कोशिश जारी रही। झारखंड आज लुटाने पिटाने का अड्डा बन चुका है। गौर करने वाली बात यह भी है कि आज के वैश्वीकरण के दौर में वन भूमि पर कारपोरेटों की नजर भी गड़ी हुई है। स्थानीय निवासियों के परम्परागत अधिकारों को कानूनी मान्यता मिलने से इनके वन भूमि हस्तान्तरण में कठिनाइयाँ आना स्वाभाविक है। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

आज की बात

निमिषा सिंह

आपकी बात

जब हिल गई थी ब्रिटिश सरकार

9 अगस्त 1942 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। उस समय दूसरे विश्व युद्ध में उलझे इंग्लैंड को भारत में ऐसे आंदोलन की उम्मीद नहीं थी।

रमेश सर्राफ धमोरा
लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

पूरी ब्रिटिश हुकूमत इससे हिल गई थी। 1857 के बाद देश की आजादी के लिए चलाए जाने वाले सभी आंदोलनों में 1942 का ये आंदोलन सबसे विशाल और सबसे तीव्र आंदोलन साबित हुआ था। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में निर्णायक भूमिका निभाने वाले इस आंदोलन में पूरे देश के लोगों की व्यापक भागीदारी रही थी। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के शुरू होने के कुछ समय बाद ही गांधीजी को गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकताओं ने हड़तालों और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन को जिंदा रखा। इस आंदोलन ने देखते ही देखते ऐसा रूप ले लिया था कि अंग्रेजी सत्ता को दमन के सभी उपाय नाकाफी साबित होने लगे थे। 1942 का अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन 1920, 1921, 1930, 1940-41 के आंदोलनों से काफी भिन्न था। इसी कारण सुभाष बाबू ने कहा था कि 1942 में पेसिव रजिस्टेन्स के युग का अंत होकर एक्टिव रजिस्टेन्स का सूत्रपात हुआ। राजनारायण मिश्र, महेंद्र चौधरी, लेना प्रसाद, मांतिगिनी हाजरा, चाफेकर बंधुओं, खुदीराम बोस, कन्हाई लाल, करतार सिंह, रामप्रसाद बिस्मित, अशफकाउल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद जैसे वीरों के अविस्मरणीय योगदान ने आजादी की राह काफी सरल बना दी थी। गांधीजी का करो या मरो का नारा अत्यन्त ही शक्तिशाली मंत्र साबित हो रहा था। बापू के इस मंत्र का भी देशव्यापी असर पड़ा और यह नारा बाद में आजादी पाने का ध्येय मंत्र बन गया। इस आंदोलन को लालबहादुर शास्त्री ने एक बड़ा रूप दे दिया था। लालबहादुर शास्त्री ने 1942 में मरो नहीं मारो का नारा दिया। जिसने क्रान्ति की ज्वाला को पूरे देश में प्रचंड किया। 19 अगस्त 1942 को शास्त्री जी गिरफ्तार हो गए। इस आंदोलन की व्यूह रचना बेहद तरीके से बुनी गई थी। चूंकि अंग्रेजी हुकूमत दूसरे विश्व युद्ध में पहले ही पस्त हो चुकी थी, लिहाजा 8 अगस्त 1942 की शाम को बम्बई में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में अंग्रेजों भारत छोड़ो का नाम दिया गया था। हालांकि गांधी जी को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़ताल और तोड़फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। 9 अगस्त 1942 को दिन निकलने से पहले ही कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सभी सदस्य गिरफ्तार हो चुके थे और कांग्रेस को गैरकानूनी संस्था घोषित कर दिया गया। गांधी जी के साथ भारत कोकिला सरोजिनी नायडू को यरवदा पुणे के आगा खान पैलेस में, डॉ. राजेंद्र प्रसाद को पटना जेल व अन्य सभी सदस्यों को अहमदनगर के किले में नजरबंद किया गया था। जयप्रकाश नारायण, अरुणा आसफ अली व मदनलाल बागड़ी का इस क्रांति में अविस्मरणीय योगदान रहा था। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

देश की बात

विनेश फोगाट हार कर भी जीत गई

पेरिस ओलंपिक 2024 से बाहर होने के बाद भारत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट की पहली फोटो सामने आई है। तस्वीर में वह अस्पताल के बेड पर लेटी हुई नजर आ रही हैं और चेहरे पर मुस्कुराहट है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने विनेश फोगाट से मुलाकात की। विनेश को महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती स्पर्धा के फाइनल के लिए डिस्क्वॉलिफाई करार दिया गया। फाइनल में उसका वजन 50किलो के अंदर ही रहना चाहिए लेकिन मात्र 100ग्राम ज्यादा होने के वजह से फाइनल में मेडल लाने से चुकी इसमें सरकार की कोई गलती नहीं है यदि होती तो ओलम्पिक में भेजते ही नहीं ऐ सारे भारतवाशियों के लिए सदमें से कम नहीं है इसलिए राजनीति रंग देना ठीक नहीं है विनेश फोगाट पर सभी की निगाहें टिकी होगी राजनीति रोटी सेकने हेतु लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक विनेश डिस्क्वालिफाई होने के बाद फिजिकली और मेडिकिली ठीक हैं। पी टी उषा ने विनेश से पेरिस स्थित ओलंपिक गांव के मेडिकल सेंटर में मुलाकात की। कुछ न्यूज चैनलों के पेट में दर्द हो रहा होगा कि विपक्ष बयानवाजी करें और इसे मुद्दा बना लें लेकिन जब कोई देश के मान सम्मान पर बात आती है तो खिलाड़ियों में देश प्रेम की भावना रहती है ऐ भारत देश है जिसने अंग्रजो से आजादी दिलवाई इसे गलती से भी बांग्लादेश समझने की भूल ना करे यहाँ की सेनाओं हमेशा देश और लोकतान्त्रिक व्यवस्था के प्रति निष्ठावान रहते हैं इसलिए हमें ऐसे बयान कभी नहीं देना चाहिए जो देश को तोड़ने का काम करे ऐ कुछ न्यूज चैनलों पर ही हवा दी जा रही है कि भारत में भी लोकतंत्र खतरे में है और वैसी स्थिति आ जाएगी हमारे वीर सैनिक अभी भी पुरी मुश्तऐदी से बॉर्डर पर टिकी है कुछ न्यूज चैनलों और उनके चमकीले एंकरों में रत्तीभर भी नैतिकता बची है तो आज अपने शो की शुरूआत इस पहले वाक्य-ह्यसॉरी विनेश फौगाट! सॉरी मेरे लाखों दर्शकों! मुझसे गलती हो गयी, हमने गलतबयानी की से कर सकते हैं। ऐसा करके वो सही तो नहीं हो जाएंगे लेकिन हां, जिस पेशे से लाखों कमाते आए हैं, दुनियाभर के ऐश-ओ-आराम की चीजें जुटायी है, उस पेशे की लाज, थोड़ी ही सही, बची रह जाएगी। राष्ट्रभक्ति के नाम पर न्यूज चैनल जो अपने दर्शकों के बीच जहर भरने का काम करते हैं, कई बार यह जहर इस हद तक जाकर बेअसर हो जाता है कि हम आसानी से समझ पाते हैं कि ऐसे चैनल कैसे देश और लोकतंत्र के खिलाफ जाकर काम कर रहे हैं। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

संजय गोस्वामी

फेसबुक वॉल से

X से

साहित्य चर्चा

आचार्य शिवपूजन सहाय की पत्रकारिता और सुलतानगंज की पत्रिका 'गंगा'

बिहार की भूमि पर पत्रकारिता का आगाज शिवपूजन सहाय ने भागलपुर सुल्तानगंज से प्रकाशित 'गंगा' का संपादन कर किया। सन 1930 में बनैली राज्याधीश कुमार कृष्णानन्द सिंह ने सुलतानगंज से गंगा नामक उच्च कोटि की मासिक पत्रिका प्रकाशित की इसके मुख्य संपादक आचार्य शिवपूजन सहाय थे। बाद में साहित्याचार्य 'मग' भी इसके संपादक-मंडल में आ गये थे। कुछ समय के लिए पंडित राहुल सांकृत्यायन ने भी इसके संपादन भी योगदान दिया था। बिहार में हिंदी का प्रथम उच्चकोटि का साहित्यिक पत्र 'गंगा' था, जिसको शिवपूजन सहाय ने अपनी कलम के स्पर्श से ऐसा चमकाया कि वह हिंदी पत्रकारिता के इतिहास में अजर-अमर हो गया। हिंदी में इस प्रकार का पत्र पहले कभी नहीं निकला। इस प्रकार 'गंगा' को भी उच्चकोटि का साहित्यिक पत्र बनाने में शिवजी ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। हिन्दी की अन्य मासिक पत्रिकाओं के संचालक प्रायः प्रसिद्ध प्रकाशक थे; इसलिए उनके प्रकाशन से उनकी पत्रिकाओं को प्रखंड आदि यों ही, या कहीं कहीं सुलभ मूल्य में मिल जाते थे। गंगा के लिए तो यह सुविधा भी नहीं थी। (गंगा, मासिक, प्रवाह 3, तरंग 15, मई सन 1933 ईस्वी, पृष्ठ 718; हिंदी साहित्य और बिहार, तृतीय खण्ड, पृष्ठ 134) समय-समय पर इसके 'वेदांक', 'गंगांक', 'विज्ञानांक', 'पुरातत्वांक', 'चरितांक' आदि कई विशेषांक निकले। गंगा के विशेषांकों पर संचालक को काफी व्यय करना पड़ता था, क्योंकि हिंदी में बिल्कुल नये विषयों पर निकाले जाते थे। अकेले 'पुरातत्वांक' निकालने में लगभग चार हजार रुपये खर्च हुए थे। फिर भी गंगा के प्रधान संरक्षक और अध्यक्ष महोदयों का उत्साह कम नहीं हुआ; क्योंकि उनका लक्ष्य गंगा के द्वारा अथोर्पार्जन नहीं; केवल हिंदी की सेवा थी। बनैली राज के अधीश्वर कृत्यानन्द सिंह ने अंगरेजी में 'पूर्णिया-ए शिकार लैंड' नामक एक पुस्तक की रचना की थी, जिसका हिंदी अनुवाद श्रीलक्ष्मीनारायण सुधांशु ने गंगा में प्रकाशित कराया था।गंगा एक अल्पजीवी पत्रिका थी। महाकवि जयशंकर प्रसाद के कई बार अनुरोध करने पर शिवपूजन सहाय अक्टूबर 1930 में 'गंगा' के संपादक होकर सुल्तानगंज, जिला-भागलपुर आए। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

कुमार कृष्णान

बोधि वृक्ष

हमें केवल इतना ही करना है कि हम अपनी जानकारी सुधारें। अपने मन को भीतर एकाग्र करें। आप- शरीर, मन एवं आत्मा में एक नवीन शक्ति, नवीन बल, एवं नवीन शांति का अनुभव करेंगे।

हमारी अनंत क्षमताएं

आत्मसाक्षात्कार - शरीर, मन एवं आत्मा में यह जानना है कि हम ईश्वर की सर्वव्यापकता के साथ एक हैं; कि हमें यह प्रार्थना नहीं करनी है कि वे हमारे पास आएँ, कि हम न केवल सदैव उनके समीप हैं, अपितु ईश्वर की सर्वव्यापकता हमारी सर्वव्यापकता है: यह कि हम उनके अब भी उतने ही अंश हैं जितने कि हम सदैव रहेंगे। हमें केवल इतना ही करना है कि हम अपनी जानकारी सुधारें। अपने मन को भीतर एकाग्र करें। आप- शरीर, मन एवं आत्मा में-एक नवीन शक्ति, नवीन बल, एवं नवीन शांति का अनुभव करेंगे।... ईश्वर के साथ सम्पर्क स्थापित करके आप अपनी स्थिति को नश्वर मानव से अमर मानव में बदल देते हैं। जब आप ऐसा करेंगे, तो आपको सीमित करने वाले समस्त बन्धन टूट जाएँगे। सिखाई जाती हैं। जो उनके व्याख्यानों एवं कक्षाओं से संकलित करके, घर में अध्ययन करने के लिए विस्तृत श्रृंखला के रूप में योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इण्डिया, राँची से उपलब्ध हैं। शब्दावली में देखें 'आत्मन। और न ही वे लोग यह कहेंगे, देखो यहाँ है। या देखो वहाँ है। क्योंकि, देखो परमेश्वर का राज्य तुम्हारे भीतर में ह। आपके भीतर शक्ति के भण्डार हैं, जिन्हें खोजा नहीं गया है। आप इस शक्ति को सभी कार्यों में, अनजाने में प्रयोग करते हैं और आप कुछ परिणाम भी प्राप्त करते हैं, परन्तु यदि आप अपनी आन्तरिक शक्तियों को सचेत रूप से नियन्त्रित करना और प्रयोग करना सीख लें तो आप इससे भी बहुत अधिक उपलब्धि प्राप्त कर सकते हैं। **(क्रमशः)**

श्री श्री परमहंस योगानंद

सामयिक विश्लेषण

बांग्लादेश की अस्थिरता किसकी साजिश?

बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। प्रधानमंत्री शेख हसीना अपात स्थिति में त्यागपत्र देकर भारत में शरण लिया है। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है यह बांग्लादेश और उसके भविष्य के लिए ठीक नहीं है। सरकार विरोधी हिंसक और अराजक लोगों ने पूरे बांग्लादेश को अपने कब्जे में लें लिया है। इसके पीछे सिर्फ छात्र आंदोलन नहीं एक बड़ी साजिश है। यह साजिश बांग्लादेश के साथ -साथ सरकार को अस्थिर करने की थीं। क्योंकि हिंसक भीड़ प्रधानमंत्री आवास में घूस गई। गृहमंत्री का सरकारी आवास भी जला दिया गया। बांग्लादेश सरकार में कई हिंदू नेताओं का कत्ल कर दिया गया। पाकिस्तान से बांग्लादेश को मुक्त कराने वाले और मुक्ति आंदोलन के प्रणेता मुजीबुर रहमान जो शेख हसीना के पिता हैं उनकी आदमकद प्रतिमा को जहाँ तोड़ दिया गया। वहीं उनके संग्रहालय को आगे हवाले कर दिया गया। हिंसक भीड़ हिंदू मंदिरों को भी तोड़ दिया। बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है यह सब एक सोची समझी रणनीति है। शेख हसीना को अपदस्त करना छात्र आंदोलन के बस की बात नहीं थीं। पूरी हिंसा को नियोजित ढंग से अंजाम दिया गया है। इस साजिश को समय रहते शेख हसीना और उनकी सरकार समझ नहीं पायी। इस पूरी साजिश में सेना, विपक्ष बेगम खलिदा जिया, पाकिस्तान और चीन की आंतरिक सहमति हो सकती है। जिसकी साजिश का शिकार शेख हसीना बन गई। हिंसा के बीच खालिदा जिया की रिहाई का आदेश आखिर क्या कहता है। बंगलादेश में छात्र सरकार की उच्चश्रेणी की नौकरियों में आरक्षण को खत्म करना चाहते थे। हलांकि सरकार उनकी मांगो पर विचार भी कर रहीं थीं। **(ये इनके निजी विचार हैं)**

प्रभुनाथ शुक्ल

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

आदर्श स्थापित कर गए बुद्धदेब भट्टाचार्य

डॉ. प्रभात ओझा

वर्ष 2022 में पद्म पुरस्कारों की घोषणा हुई, तो उसमें पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेब भट्टाचार्य का नाम पद्मभूषण प्राप्तकर्ता के रूप में शामिल था। इसी सम्मान के लिए तब कांग्रेस में रहे गुलाम नबी आजाद के नाम की भी घोषणा हुई। भट्टाचार्य ने सम्मान लेने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि इसकी जानकारी उन्हें पहले से नहीं थी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भट्टाचार्य के बहाने अपने साथी गुलाम नबी आजाद पर व्यंग्य कसा था। उन्होंने कहा कि बुद्धदेब भट्टाचार्य ऐसे नेता हैं, जो ह्यआजादह्न रहना चाहते हैं, गुलामनहीं। जयराम रमेश ने भले ही अपने साथी आजाद पर व्यंग्य किया हो, लेकिन आज लगता है कि उन्होंने जाने-अनजाने कम्युनिस्ट नेता बुद्धदेब भट्टाचार्य के व्यक्तित्व की सही प्रस्तुति कर दी थी। पश्चिम बंगाल में 34 साल तक वामपंथी शासन में से करीब 11 साल बुद्धदेब के नाम भी थे। उनके पहले 23 वर्षों

स्मृति शेष

तक ज्योति बसु राज्य के मुख्यमंत्री रहे। बुद्धदेब के आजाद ख्याली को इस रूप में देखा जाना चाहिए कि उन्होंने उद्योगीकरण के लिए राज्य में विदेशी पूंजी तक को आमंत्रित किया। सिंगूर में टाटा को लाने के लिए वे पहचाने ही जाते हैं। आमतौर पर वामपंथी उदारीकरण नीति के खिलाफ रहा करते हैं। इसके विरुद्ध बुद्धदेब ने टाटा के नैनो कार के लिए भी सिंगूर में जगह दी। अलग बात है कि सिंगूर में भूमि विवाद के चलते लंबा आंदोलन चला और माना जाता है कि लंबे कम्युनिस्ट शासन की समाप्ति और ममता राज के आने के कारणों में सिंगूर मसला भी बहुत अहम रहा।

कम्युनिस्ट नेताओं के पद पर रहते वेतन-भत्ता आदि पार्टी को समर्पित करना आम बात है। बुद्धदेब ने भी यही किया। मुख्यमंत्री को मिलने वाली धनराशि वे पार्टी फंड में जमा कर दिया करते थे। उनके अपने खर्च के लिए पार्टी उसी धनराशि का एक हिस्सा उन्हें दिया करती थी। बताया जाता है कि बाद में भी पार्टी बुद्धदेब के दैनिक खर्च और इलाज आदि की व्यवस्था कर रही थी। परिवार से अति समृद्ध उनके पूर्ववर्ती ज्योति बसु ने भी यही किया। केरल के पहले मुख्यमंत्री ईएमएस नंबूदरीपाद सीएम रहते साइकिल से कार्यालय जाया करते थे। उनका टाइप राइटर भी उनकी साइकिल के करियर पर ही बंधा होता था। मणिपुर के मुख्यमंत्री रहे माणिक सरकार के पास भी अपना कोई निजी आवास और वाहन नहीं था।

(लेखक, स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन सीएम ममता बनर्जी ने जताया दुख

कोलकाता। पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर कहा, पूर्व मुख्यमंत्री श्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के आकस्मिक निधन से स्तब्ध और दुखी हूं। मैं पिछले कई दशकों से उन्हें जानती हूं और पिछले कुछ वर्षों में जब वह बीमार थे और प्रभावी रूप से घर पर ही थे, तब मैंने उनसे कई बार मुलाकात की थी।

बुद्धदेव भट्टाचार्य राज्य के सबसे लोकप्रिय राजनेताओं में थे : बंगाल भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री और वाम मोर्चा के वरिष्ठ नेता बुद्धदेव भट्टाचार्य के निधन पर प्रदेश भाजपा इकाई ने शोक व्यक्त किया है। लंबी बीमारी के बाद गुरुवार सुबह 8:20 बजे उनका निधन हो गया।

फोगाट के मुद्दे पर राज्यसभा में हंगामा

विपक्ष के व्यवहार से दुखी होकर सभापति जगदीप धनखड़ ने छोड़ा आसन

डेरेक ओ ब्रॉयन को दी चेतावनी, बर्ताव में सुधार नहीं लाए तो अगली बार सदन से निकाल दिया जाएगा

एजेंसी। नई दिल्ली

गुरुवार को संसद में राज्यसभा की कार्रवाई शुरू होने के कुछ देर बाद ही सदन में जबरदस्त हंगामा शुरू हो गया। हंगामा इस कदर बढ़ा कि सभापति भावुक हो गए और अपने आसन से उठकर चले गए। आसन छोड़ने से पहले सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मेरे पास केवल एक ही विकल्प है, दुखी मन से, मैं अपनी शपथ से दूर नहीं जा रहा हूं, लेकिन जो आज मैंने देखा है जिस तरह का व्यवहार मेरे साथ किया गया है, शारीरिक रूप से किया गया है, मैं यहां बैठने में अपने आप को सक्षम नहीं पा रहा हूं। इसके बाद भावुक होकर सभापति सदन से चले गए। दरअसल कांग्रेस समेत विपक्ष के सांसद भारतीय रेसलर विनेश फोगाट का विषय राज्यसभा में उठाना चाहते थे। सदन में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस विषय पर बोलने के लिए खड़े भी हुए लेकिन उन्हें इसकी इजाजत नहीं मिली। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने सदन में हंगामा शुरू कर दिया। मल्लिकार्जुन खरगे का कहना था कि कल भी हमने यह विषय उठाया था, यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है। यह किसी एक खास समुदाय से जुड़ा विषय नहीं है। इस बीच तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन ने नाराजगी जताते हुए आसन की ओर काफी तेज आवाज में अपना विरोध दर्ज करना शुरू किया। इससे आसन पर मौजूद सभापति जगदीप धनखड़ नाराज हो गए। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओ ब्रॉयन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि आप चिल्ला रहे हैं। सभापति के आसन की ओर आप कैसे चिल्ला सकते हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने कड़ी नाराजगी जताई। सभापति ने उन्हें चेतावनी दी। सभापति ने कहा कि मैं आपके व्यवहार की निंदा करता हूं।

विपक्ष विषयहीन, सारा देश खड़ा है विनेश फोगाट के साथ : जेपी नड्डा

नई दिल्ली। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस और टीएमसी का व्यवहार जिस तरह से चेयर के प्रति रहा है, वह निंदनीय है। जहां तक विनेश फोगाट का सवाल है, यह कोई पक्ष और विपक्ष का सवाल नहीं है, यह देश का सवाल है। सारा देश उनके साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने विनेश के लिए कहा कि वह चैंपियन ऑफ चैंपियंस हैं। मुझे लगता है कि शायद विपक्ष विषयहीन हो चुका है। जब सारा देश विनेश फोगाट के साथ खड़ा है, जो सभी प्लेटफार्म थे और हैं, उन सब पर रिड्रेसल का प्रयास भारत सरकार, खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ ने किया है।

नवादा पहुंची झारखंड पुलिस, ठगी करनेवाले मामा-भांजा गिरफ्तार

एजेंसी। नवादा

नवादा पहुंची झारखंड के कोडरमा जिले के सतगांव थाना पुलिस ने गुरुवार को नवादा-गया रोड स्थित स्वर्ण व्यवसायी टूटू राज ज्वेलर्स के मालिक विक्की कुमार के घर पर छापेमारी की। हालांकि, पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं।

आरोपी स्वर्ण व्यवसायी फरार बताए जा रहे हैं। ठगी के मामले में 15 भर का जेवर ठगी करने वाला मामा भांजा को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। स्वर्ण व्यवसायी विक्की कुमार पर ठगी के करीब 15 भर सोने के जेवरात खरीदने का आरोप है। बताया जा रहा है कि कोडरमा जिले के मर्चोई गांव में साधु के वेश में रहे दो ठग एक दंपती से 15 भर सोने के जेवरात की ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। वहीं, पीड़ित दंपती ने इस घटना की लिखित शिकायत स्थानीय पुलिस में की है। ठगी की इस वारदात के बाद झारखंड के कोडरमा जिले के सतगावा थाना की पुलिस ने आरोपी दो ठग को नवादा जिले के बुंदेलखंड थाना क्षेत्र के तकिया पर मोहल्ले से गिरफ्तार कर ठगी की गई सोने की बरामदगी में जुटी है। दोनों साधु के वेश में ठग रिश्ते में मामा-भांजा बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर दोनों ठग साधु के वेश में झारखंड के कोडरमा जिले के मर्चोई गांव के निवासी सुधीर सिंह के घर से 15 भर के सोने के गहने को लेकर रफूचक्कर हो गए थे।

न्यूज बॉक्स

केदारनाथ यात्रा मार्ग एक सप्ताह में खोलने का प्रयास : पीडब्ल्यूडी सचिव

देहरादून। उत्तराखंड की केदारघाटी में आई आपदा के बाद स्थिति अब नियंत्रण में आ रही है। केदारनाथ यात्रा मार्ग अगले एक सप्ताह में फिर से खोलने की कोशिश की जा रही है। इसे लेकर काफी तेजी से काम चल रहा है। पीडब्ल्यूडी के सचिव पंकज पांडेय ने गुरुवार को बताया कि केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर भारी बारिश के कारण लैंडस्लाइड हुआ था। सोनप्रयाग से गौरीकुंड का रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया था। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर हमारी टीम पर मौके पर पहुंची थी। वहां पर चार बड़े हिस्से क्षतिग्रस्त हुए हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग का 150 मीटर का एक हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच दो और सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इसके अलावा गौरीकुंड से केदारनाथ धाम की ओर जाने वाले रास्ते में कुल 29 जगहों पर सड़क खराब हुई थी।

बिहार में हर माह सम्मानित होंगे शिक्षक और प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं

पटना। बिहार शिक्षा विभाग की ओर से सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में शिक्षा विभाग ने हर महीने प्रत्येक प्रखंड से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसी एक शिक्षक और एक प्रतिभाशाली छात्र या छात्रा को सम्मानित करने का फैसला लिया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने गुरुवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को एक पत्र भेजकर स्कूलों में शिक्षकों के दायित्वों और भूमिका को लेकर निर्देश जारी किया। उन्होंने जहां शिक्षकों को उनके कर्तव्यों को बताया है, तो वहीं छात्रों की संख्या बढ़ाने को लेकर भी आवश्यक पहल करने की सलाह दी है। उन्होंने पत्र में कहा कि स्कूलों में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसमें शिक्षक ही बच्चों के समग्र विकास की सकारात्मक दिशा प्रदान करता है और छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धि के साथ-साथ उन्हें सामाजिक एवं भावनात्मक व्यवहार सिखाकर श्रेष्ठ नागरिक बनाता है। यह आवश्यक है शिक्षक अपने स्कूल और छात्रों के हित में अपने कर्तव्यों का निर्वहन दृढ़तापूर्वक करें। पत्र में शिक्षकों की मार्गदर्शिका के जरिए एस सिद्धार्थ ने शिक्षकों की भूमिका और दायित्वों को छात्र स्वरूप, विद्यालय प्रबंधन, कक्षा प्रबंधन, छात्र प्रबंधन और अभिभावक प्रबंधन की बात कही है।

बांग्लादेश के हिन्दूओं को भारत में देना चाहिए शरण : शाह हसन

भागलपुर। बंग्लादेश में अराजकता थमने का नाम नहीं ले रहा। हर कोई खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। बंग्लादेश में हिन्दू भाई के साथ हो रहे घटना पर देश के प्रसिद्ध खानकाह-ए-पीर शाह के 15वें सज्जादानशीं सैयद शाह फखरे आलम हसन ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह चिंता का विषय है। बंग्लादेश में सत्ता परिवर्तन हुआ है और आम जनता का आक्रोश देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि जनता अपनी सरकार से संतुष्ट नहीं थी। इस लिए हफ्ते भर के अंदर बंग्लादेश सरकार धराशायी हो गई। नई सरकार का गठन होने जा रहा है। सज्जादानशीं शाह हसन ने कहा सबसे ज्यादा जिस बात से तकलीफ हो रही है कि बंग्लादेश के अल्पसंख्यकों के साथ जो जो हिन्दू धर्म के मानने वाले हैं।

पटना में गांधी और दीघा घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर

एजेंसी। पटना

नगर के गांधी घाट पर गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी जलस्तर में इजाफा हुआ है। गांधी घाट पर बुधवार सुबह नदी का जलस्तर 48.35 मीटर था, वह गुरुवार सुबह 48.70 मीटर पर पहुंच गया है। गंगा खतरे के निशान से 10 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। दीघा घाट पर भी गंगा नदी 49.54 मीटर से बढ़कर 49.92 मीटर पर पहुंच गई है। इस तरह से यहां 38 सेंटीमीटर पानी बढ़ा है।

अररिया में लोहंदरा नदी में उफान

फारबिसगंज। अररिया के कुसाकांटा प्रखंड क्षेत्र से होकर बहने वाली नदियों में शामिल लोहंदरा नदी में उफान आयी है जिससे काफी तेजी से बाढ़ का पानी ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवेश करने लगा। सोनामनी गोदाम वार्ड संख्या 03 निवासी संजय पंडित ने बताया कि पानी के दबाव से नया टोला सिकटिया के तरफ से सोनामनी गोदाम आने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गया। सड़क क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीणों को आवागमन में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की हो सकती है घोषणा : केंद्रीय मंत्री

श्रीनगर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (एमओएस) रामदास अठावले ने गुरुवार को कहा कि इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा हो सकती है। यहां मीडिया को संबोधित करते हुए, एमओएस ने कहा, केंद्र इस साल अक्टूबर से पहले जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की घोषणा कर सकता है। अक्टूबर में विधानसभा चुनाव भी हो सकते हैं। अक्टूबर से पहले महाराष्ट्र, झारखंड और हरियाणा में चुनाव होने हैं। मंत्री ने कहा,मुझे लगता है कि अक्टूबर से पहले राज्य का दर्जा बहाल किया जा सकता है और अक्टूबर में चुनाव भी हो सकते हैं।

सीडीएस ने बांग्लादेश में अशांति और अस्थिरता पर चिंता जताई

एजेंसी। नई दिल्ली

शेख हसीना के खिलाफ शुरू हुए आरक्षण विरोधी आंदोलन के बाद बांग्लादेश में अस्थिरता पर भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने पहली बार चिंता जताई है। उन्होंने बांग्लादेश में अशांति, जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद पर चिंताओं को उजागर किया है। सीडीएस चौहान ने कहा कि तीन साल से चीन के साथ गतिरोध के बावजूद हमारे पास पूर्व और उत्तर में जीवंत सीमाएं हैं। इसलिए पड़ोसी देश बांग्लादेश में अशांति होना निश्चय ही भारत के लिए भी चिंता का विषय है।

पाकिस्तान से बढ़ते तनाव और चीन के साथ सीमा विवाद पर भी खुलकर बोले जनरल चौहान

बांग्लादेश की करीब 4000 किमी. लंबी सीमा पर सेना और बीएसएफ हाई अलर्ट पर

सीडीएस जनरल अनिल चौहान गुरुवार को दिल्ली में सैन्य गोला-बारूद पर आयोजित सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बांग्लादेश छोड़कर भारत आने के बाद वहां अराजकता का माहौल है, जिसने अब वहां सांप्रदायिक रंग ले लिया है। हिंदुओं के साथ ही वहां दूसरे अल्पसंख्यकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है, जो अब पूर्वोत्तर की सीमा से भारत में पलायन करने की ताक में हैं लेकिन सीमा सुरक्षा बल उन्हें वापस बांग्लादेश भेजकर घुसपैठ को नाकाम कर रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृषभ आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं, अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुम्भ सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

व्यापार/लाइफ व साइंस

डिपॉजिट में धीमी वृद्धि चिंता का विषय, नए उत्पाद लाएं बैंक : दास

एजेंसी। नई दिल्ली

घरेलू बचत के वैकल्पिक निवेश विकल्पों की ओर बढ़ने से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने गुरुवार को बैंकों से कहा कि वे अपने विशाल शाखा नेटवर्क का लाभ उठाकर नवोन्मेषी उत्पादों तथा सेवाओं के जरिये जमा जुटाएं। उन्होंने कहा, बैंक बढ़ती ऋण मांग को पूरा करने के लिए अल्पकालिक गैर-खुदरा जमा और देयता के अन्य साधनों का अधिक सहारा ले रहे हैं। जैसा कि मैंने जोर दिया है, इससे बैंकिंग प्रणाली में संरचनात्मक नकदी संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

दास ने कहा कि वैकल्पिक निवेश के रास्ते खुदरा ग्राहकों के लिए अधिक आकर्षक होते जा रहे हैं। इसके चलते बैंकों को वित्तपोषण के मोर्चे पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि जमा वृद्धि कर्ज मे बढ़ोतरी से पीछे है।

दास ने पुराने गृह ऋण पर अतिरिक्त कर्ज लेने की बढ़ती प्रवृत्ति पर भी चिंता व्यक्त की। गवर्नर ने कहा कि इस संबंध में ऋण से मूल्य अनुपात, जोखिम भार और धन के अंतिम उपयोग की निगरानी से संबंधित नियामकीय निर्देशों का कुछ इकाइयों द्वारा कड़ाई से पालन नहीं किया जा रहा है। बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां भी स्वर्ण ऋण जैसे अन्य गारंटी वाले कर्जों मसलन गोल्ड लोन पर टॉप-अप ऋण की पेशकश कर रहे हैं।

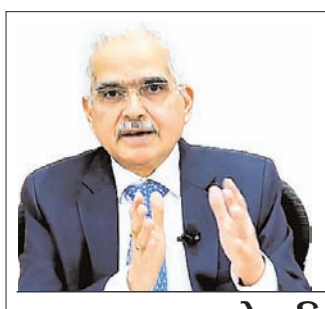

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर : शक्तिकांत दास

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो अगस्त को 675 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे पहले 19 जुलाई को विदेशी मुद्रा भंडार का उच्चतम स्तर 670.85 अरब डॉलर रहा था, जबकि 26 जुलाई को यह 667.38 अरब डॉलर रहा था।

अब चेक क्लियर होने में नहीं लगेगा वक्त

मुंबई/नई दिल्ली। चेक के जरिए लेन-देन करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब चेक का निपटान (क्लियरिंग) कुछ ही घंटों में हो जाएगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चेक समाशोधन में लगने वाले समय को कुछ घंटे करने की घोषणा की है। फिलहाल चेक जमा करने से लेकर राशि के बैंक अकाउंट में आने में करीब दो दिन का समय लग जाता है। आरबीआई के गवर्नर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने यहां वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक की।

बीएसएनएल का जनवरी माह से 5-जी का देशी तड़का

एजेंसी। उज्जैन

बीएसएनएल एक बार फिर दूरसंचार सेवाओं में निजी कम्पनियों से मुकाबले के लिए मैदान में आ गया है। अभी कम्पनी द्वारा अपने उपभोक्ताओं को बाजार से कम दर पर 4-जी डाटा उपलब्ध करवाया जा रहा है। जनवरी माह से 5-जी सेवाएं भी शुरू हो जाएंगी। इसके लिए टीसीएस कम्पनी के देशी उपकरणों की तैनाती हो रही है। 3-जी तक चीनी कम्पनियों के उपकरणों पर निर्भरता थी, जिसकी आगे की सेवाओं तथा पूर्जों के अभाव में बीएसएनएल पिछड़ता चला गया।

यह जानकारी दी बीएसएनएल, उज्जैन के महाप्रबंधक बसंत गुप्ता ने। चर्चा में उन्होंने बताया कि इस समय बाजार में 4-जी डाटा प्लान सबसे अधिक सस्ते बीएसएनएल के ही हैं। चूंकि बैसिक इंफ्रा स्ट्रक्चर है। ऐसे में सेवाओं को कम खर्च कर उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि संभाग में इस समय प्रति माह 36 हजार नए ग्राहक बीएसएनएल से जुड़ रहे हैं, यह अपने में रिकार्ड है। पहले प्रति माह करीब 6 हजार उपभोक्ता जुड़ते थे। चूंकि निजी कम्पनियों के डाटा प्लान महंगे होने तथा अंचलों तक नेटवर्क की समस्या आने के कारण एक बार फिर आम जनता का रूझान बीएसएनएल की ओर है। बसंत गुप्ता ने बताया कि जिन मोबाइल उपभोक्ताओं के पास 3-जी सीम है,उन्हे बीएसएनएल की नई स्कीम के तहत 4-जी वाली सीम निःशुल्क दी जा रही है। उन्हे अपना मोबाइल फोन लेकर देवासगेट स्थित कार्यालय आना है। यहां हम 10 मिनिट में नई सीम दे देंगे, ताकि उपभोक्ताओं को वर्तमान दर पर ही 4-जी नेटवर्क प्राप्त हो जाए।

जुलाई में नियुक्तियों में 11 प्रतिशत वृद्धि

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में जुलाई में नियुक्तियों में तेज वृद्धि देखने को मिली है और इसमें सालाना आधार पर 11 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। हालांकि, मासिक आधार पर नियुक्तियों में एक प्रतिशत की गिरावट हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। फाउंडइट (पूर्व मॉनस्टर) की रिपोर्ट में बताया गया है कि आईटी सॉफ्टवेयर और सर्विस सेक्टर सबसे अच्छे पैकेज कर्मचारियों को ऑफर कर रहे हैं। इन सेक्टरों में फ्रेशर्स की सैलरी 4.1 लाख रुपये से लेकर 7.5 लाख रुपये तक की है। रिटेल और टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर में भी सैलरी में इजाफा देखने को मिला है। इन सेक्टरों में फ्रेशर्स का औसत पैकेज 3.3 लाख रुपये से लेकर 5.2 लाख रुपये के बीच है। वहीं, विज्ञापन, मार्केट रिसर्च और पीआर में अनुभवी पेशेवरों का वेतन 11 लाख रुपये से लेकर 33 लाख रुपये के बीच है।

रियलमी 13 प्रो सीरीज 5 जी की प्री-बुकिंग एक लाख के पार

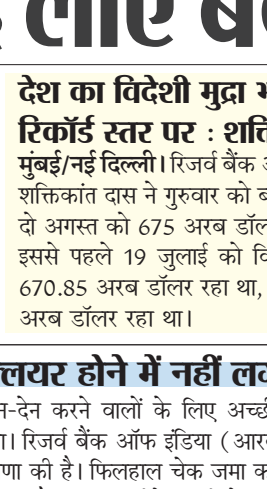

एजेंसी। नई दिल्ली

रियलमी ने 2024 में मिड-प्रीमियम सेगमेंट के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। कंपनी ने यूजर्स को बेहतरीन एक्सपीरियंस देने के लिए नए और एडवांस स्मार्टफोन लॉन्च किए हैं। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी ने 6 महीने में दूसरी फ्लैगशिप लॉन्च होने के बावजूद काफी तरक्की की है। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी की पहली बिक्री 6 अगस्त को दोपहर 12 बजे रियलमी डॉट कॉम, फ्लिपकार्ट और 12 घंटे बाद मेनलाइन चैनलों पर लाइव हुई।

शुरूआती संकेत बताते हैं कि उपभोक्ताओं ने मजबूत रुचि दिखाई है, जिनमें से कई लोग दुनिया के पहले मोनेट-इंस्पायर्ड स्मार्टफोन डिजाइन के एक्सपीरियंस के लिए उत्सुक दिखे। रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी ने 35 हजार से 40 हजार रुपये की कीमत वाले मिड-प्रीमियम सेगमेंट में मजबूत शुरूआत की है। सभी प्लेटफॉर्म पर इसकी एक लाख से ज्यादा प्री-बुकिंग हो चुकी है। मोनेट-इंस्पायर्ड डिजाइन और अल्ट्रा-क्लियर कैमरा जैसे यूनिक फीचर्स, जिसमें एआई भी शामिल है, रियलमी के उच्च-स्तरीय यूजर एक्सपीरियंस पर फोकस को दर्शाते हैं।

आदिवासी अपनी मेहनत से खेलों में विश्व स्तर पर स्थान बनाते हैं : असुंता लकड़ा

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा सिमडेगा जिले के सुदूरवर्ती गांव में रहती हैं। असुंता लकड़ा रेलवे से जुड़ी हैं और भारतीय हॉकी की चयनकर्ता भी हैं। विश्व आदिवासी दिवस पर राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता रजनीश ने उनसे खास बात की।

Q प्रश्न- जब आप या कोई अन्य आदिवासी शुरूआती दौर में खेलता है तो उसे किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है?

उत्तर- जब मैं और कोई भी आदिवासी बच्चा अपनी शुरूआती दौर में खेलना शुरू करता है, तब उसे सबसे बड़ी जो चुनौती मिलती है वह है आर्थिक चुनौती। वह गरीब होता है, किसान परिवार से होता है। वह इतना संपन्न नहीं होता कि किट खरीद सके और अच्छे से प्रैक्टिस कर सके। अगर उनमें कुछ होता है तो वह जुनून और जज्बा होता है। मैं अपनी बात करूं तो मुझे खेलने के लिए अगर कहीं जाना होता था तो मेरे पास पैसा नहीं हुआ करता था। मेरा परिवार किसान परिवार से था, तो वह भी बहुत ज्यादा कुछ नहीं कर पाता था। या तो किसी से पैसा उधार लेता था या मेरे पिताजी जो धान उगाते थे उसको बेच कर जो पैसा आता था। उस पैसे से ही मैं खेलने बाहर जाती थी। लेकिन खेलने का विश्वास था तो मैं भारत के लिए 14 सालों तक खेली और भारतीय महिला हॉकी की मैं कप्तान भी रही। अभी मै सेलेक्टर हूं। आदिवासी अपनी मेहनत से अपनी पहचान बनाते हैं। ईमानदारी से मेहनत करते हैं और उससे ही वह मेडल लेते हैं। आदिवासियों को कोई मदद नहीं करता अपने से ही मेहनत करते हैं और विश्व स्तर पर नाम बनाते हैं।

Q प्रश्न- हॉकी की फैक्ट्री झारखंड में आदिवासी बच्चे कैसे हॉकी खेलना शुरू करते हैं ?

उत्तर- छोटे गांव में और सुदुरवर्ती इलाकों में रहने वाले आदिवासी बच्चे जब गाय-भैंस चराने के लिए निकलते हैं तब उसे अपने हॉकी स्टीक के लिए लकड़ी काटते हैं। जंगलों में कुछ ऐसी भी लड़कियां होती हैं जो टेढ़ा करने पर टूटती नहीं हैं तो उसे बांधकर छोड़ दिया जाता है और कई दिनों के बाद फिर उसे काट कर लाकर खेतों में या मैदान में प्रैक्टिस की जाती है। कई बार मैं अपने घर जाती हूं तो रास्ते में बच्चे जब खेल रहे होते हैं या प्रैक्टिस कर रहे होते हैं उस वक्त मैं अपनी गाड़ी रोक के उन लोगों से मिलती हूं और उन्हें बताती हूं कैसे खेलना है और उन्हें हौसला देती हूं।

Q प्रश्न- हॉकी के विकास के लिए क्या होना चाहिए?

उत्तर- सभी ट्रेनिंग सेंटर में अच्छे कोच होने चाहिए, अच्छी ट्रेनिंग होनी चाहिए, डाइट का खास ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। बच्चों को ठीक से प्रैक्टिस करनी चाहिए। उसे पूरा किट देना चाहिए। झारखंड के बच्चों में बहुत पोटेंशियल है। वह बहुत कुछ कर सकते हैं। वह झारखंड ही नहीं देश ही नहीं पूरी दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं।

विनेश के संन्यास पर बोले बजरंग और साक्षी, 'तुम हारी नहीं हो'

एजेंसी। नई दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक में अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने के फैसले पर पूरे खेल जगत ने उनका समर्थन किया. इस 29 साल की रेसलर को बुधवार को महिलाओं के 50 किग्रा वर्ग के फाइनल से पहले 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य ठहराया गया था। उन्होंने एक्स पर संन्यास की घोषणा की। जिसके बाद कई रेसलर्स ने उनका हौसला बढ़ाया टोक्यो ओलंपिक के ब्रॉन्ज मेडल विजेता पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है। बजरंग ने पोस्ट किया,ह्यह्यविनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है। हमारे लिए सदैव आप विजेता ही रहोगी। आप भारत की बेटी के साथ साथ भारत का अभिमान भी हो। रियो 2016 में ब्रॉन्ज मेडल जीत कर ओलंपिक खेलों में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह ह्यहमारे देश की हर बेटी की हार है। विनेश तुम हारने वाली नहीं हो। यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी। यह पूरे देश की हार है। देश आपके साथ है। एक एथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं। पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक के रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया। उन्होंने कहा,ह्यह्य एक खिलाड़ी के जीवन में वर्षों का संघर्ष, उतार-चढ़ाव होता है, फिर कौशल दिखाने और जीतने के लिए वह महत्वपूर्ण दिन आता है।

कप्तान हरमनप्रीत के दो गोलों की बदौलत भारत ने स्पेन को 2-1 से हराकर जीता कांस्य

एजेंसी। पेरिस

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश के दो बेहतरीन बचाव की बदौलत भारत ने शुक्रवार को यवेस डु मैनोइर स्टेडियम में स्पेन को 2-1 से हराकर पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक हासिल किया। रोमांचक माहौल में खेलते हुए, पहले क्वार्टर के बाद 0-1 से पिछड़ने के बाद भारतीय टीम ने बेहतरीन वापसी करते हुए पेरिस ओलंपिक में अपनी तालिका में चौथा पदक जोड़ा। श्रीजेश, जो भारत के लिए अपना आखिरी गेम खेल रहे थे, भावनाओं से भरे हुए मैदान पर गए और टीम के बाकी सदस्य भारत के हॉकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए उनके साथ शामिल हो गए।

भारत ने 1972 म्यूनिख खेलों के बाद 52 वर्षों में पहली बार लगातार कांस्य हॉकी पदक जीते।

कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में भारत ने इतिहास रचा और ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक हासिल किए। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (30', 33') के गोल उन्हें फिनिश लाइन तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। स्पेन के लिए, मार्क मिरालेस (18') एकमात्र गोल स्कोरर थे।

ओलंपिक में स्पेन के खिलाफ आमने-सामने के रिकॉर्ड में भारत का पलड़ा भारी था। अपनी दस मुलाकातों में, उन्होंने स्पेनिश पक्ष को सात बार हराया था। मैच में स्पेन ने अच्छी शुरूआत की। दूसरे क्वार्टर में खेल की शुरूआत तब हुई जब मनप्रीत ने डी के अंदर जेरार्ड क्लैप्स का सामना किया, जिसके कारण स्पेन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। स्पैनिश कप्तान मार्क मिरालेस इस अवसर को गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। 1-0 की बढ़त के साथ स्पेन ने दूसरे क्वार्टर में भी कब्जे के खेल से भारत पर दबदबा बनाए रखा। बास्टरा के पास स्पेन की बढ़त को दोगुना करने का मौका था, लेकिन वह पेनल्टी कॉर्नर के दो मौकों को भुनाने में नाकाम रहे। मैच के 30वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपने ट्रेडमार्क ड्रैग फ्लिक से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी।

भारत के ऐतिहासिक कांस्य के बाद अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने लिया संन्यास

एजेंसी। नई दिल्ली

गुरुवार को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय फील्ड हॉकी टीम के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने संन्यास ले लिया है। 36 वर्षीय खिलाड़ी ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि यह मैच उनका आखिरी खेल होगा लेकिन उनके और भारत के लिए लगातार दो कांस्य पदक ने उनके कार्यकाल को और उल्लेखनीय बना दिया है। श्रीजेश ने सोशल नेटवर्किंग साइट 'एक्स' पर लिखा, जैसे ही मैं अंतिम बार पोस्टों के बीच खड़ा हुआ, मेरा दिल कृतज्ञता और गर्व से भर गया। एक सपने देखने वाले युवा लड़के से भारत के सम्मान की रक्षा करने वाले व्यक्ति तक की यह यात्रा असाधारण से कम नहीं है। आज, मैं भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहा हूँ। हर बचाव, हर गोता, भीड़ की हर दहाड़ हमेशा मेरी आत्मा में गूंजती रहेगी। भारत, मुझ पर विश्वास करने के लिए, मेरे साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद। यह अंत नहीं है, बल्कि यादगार यादों की शुरूआत है। सदैव सपनों का संरक्षक। जय हिंद। श्रीजेश ने 2006 में दक्षिण एशियाई खेलों में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया और 2011 से टीम में नियमित हैं। वह 2014 एशियाई खेलों में भारत की स्वर्ण पदक जीत और भारत के ऐतिहासिक टोक्यो ओलंपिक अभियान में भी महत्वपूर्ण थे।

'मंच पर कमजोरी महसूस हुई, यह मेरे पीरियड का तीसरा दिन था : मीराबाई चानू

एजेंसी। पेरिस

पेरिस खेलों में टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सैखोम मीराबाई चानू के लिए यह दुखद था क्योंकि वह बुधवार को यहां महिलाओं के 49 किलोग्राम भारोत्तोलन फाइनल में चौथे स्थान पर रहीं। फाइनल के बाद, मणिपुरी भारोत्तोलक ने खुलासा किया कि उन्हें मंच पर कमजोरी महसूस हुई क्योंकि यह उनके मासिक धर्म का तीसरा दिन था। प्रतियोगिता के दो चरणों के समापन के बाद मीराबाई ने 199 किग्रा के स्कोर के साथ समापन किया, जो टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक के लिए उनके कुल वजन (202 किग्रा) से 3 किग्रा कम है। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 205 किग्रा है जिसे उन्होंने 2020 एशियाई चैम्पियनशिप में उठाया था। मीराबाई ने संवाददाताओं से कहा, मैं प्रदर्शन से खुश हूं...मैंने भारत को पदक दिलाने के लिए अपना 100 प्रतिशत देने की पूरी कोशिश की लेकिन चोट के बाद ठीक होने के लिए बहुत कम समय होने के बावजूद मैं इसमें कामयाब रही। मैंने भारत के लिए पदक लाने की पूरी कोशिश की लेकिन यह नियति में नहीं था। यह मेरे मासिक धर्म का तीसरा दिन था, इसलिए इसका आपके शरीर पर भी थोड़ा असर पड़ता है। मीराबाई ने अपने पहले प्रयास में 85 किग्रा भार उठाकर स्नैच राउंड की शुरूआत की। हालाँकि, 88 किग्रा में उनका दूसरा प्रयास असफल साबित हुआ। मीराबाई ने शुरूआत में अपने दूसरे प्रयास में 86 किग्रा का लक्ष्य रखा था लेकिन कुछ मिनट बाद उन्होंने 88 किग्रा में बदलाव किया। उन्होंने स्नैच राउंड में अंतिम प्रयास में 88 किग्रा के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ, एक राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। हालाँकि, उनके प्रयास की बराबरी थाई भारोत्तोलक सुरोडचाना खंबाओ ने की और स्नैच राउंड के अंत तक दोनों संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। वॉर्म अप में मेरे लिए सब कुछ अच्छा चल रहा था। मैंने स्नैच (88 किग्रा) में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अविनाश साबले 11वें स्थान पर रहे

एजेंसी। पेरिस

भारत के शीर्ष दूरी के धावक अविनाश साबले गति बरकरार नहीं रख सके और पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में बुधवार को यहां 11वें स्थान पर रहे, जिसे पेरिस ओलंपिक में मोरक्को के सूफियान एल बक्कली ने सीजन के सर्वश्रेष्ठ 8 मिनट 06.05 सेकंड के साथ जीता था। संयुक्त राज्य अमेरिका के केनेथ रूक्स ने आमतौर पर अफ्रीकी धावकों के प्रभुत्व वाली दौड़ में 8:06.41 के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ दूसरे स्थान पर रहकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया, जबकि केन्या के अब्राहम किबिनोई ने 8:06.47 के साथ कांस्य पदक जीता, क्योंकि अमेरिकी धावक ने उन्हें पछाड़ दिया।

साबले ने 8:14.18 का समय निकाला, जो 2022 में बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के दौरान लिए गए 8:11.20 की तुलना में काफी धीमा था। 39 वर्षीय सेना के जवान ने हीट्स में 8:15.43 का समय निकाला था जिसने उनकी फाइनल में जगह पक्की कर दी, जिससे वह ओलंपिक में 3000 मीटर स्टीपलचेज के फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए।

अमन सहरावत पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में

एजेंसी। पेरिस

2024 खेलों में भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सहरावत ने गुरुवार को यहां पेरिस ओलंपिक में 2022 विश्व चैंपियन अल्बानिया के जेलिमखान अबकारोव को तकनीकी श्रेष्ठता (12-0) के आधार पर हराकर पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल कुश्ती के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर अमन की यह लगातार दूसरी जीत थी। इससे पहले, उन्होंने उत्तरी मैसेडोनिया के यूरोपीय चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता व्लादिमीर एगोरोव को हराकर अंतिम-आठ चरण में जगह बनाई थी। बाद में शाम को सेमीफाइनल में अमन का मुकाबला नंबर एक वरीय जापान के री हिगुची से होगा। क्वालीफायर में, अमन ने कोटा मैच में चोंगसोंग हान पर तकनीकी श्रेष्ठता (12-2) से जीत हासिल की। उन्होंने पूरे क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया और बुल्गारिया के ओलंपियन जॉर्जी वांगेलोव को 10-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जहां उन्होंने यूक्रेन के एंड्री यात्सेंको को 12-2 से हराया। इस बीच, महिलाओं की स्पर्धा में, अंशू मलिक, जो अपने दूसरे ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं, 57 किग्रा प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता, यूएसए की हेलेन लुईस मारौलिस से अपना पहला मुकाबला 2-7 से हार गईं। हालांकि, विश्व चैंपियनशिप (2021) में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान अंशू के पास अभी भी रेपेचेज के माध्यम से पदक का मौका है, अगर अमेरिकी पहलवान फाइनल में पहुंचती है।

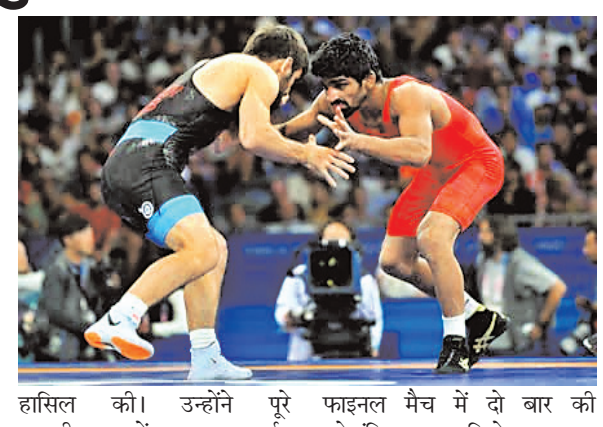

भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने दी बधाई

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीता है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपिक में भारतीय हॉकी के लिए 13वां मेडल है। इस मैच में भारत की जीत को लेकर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय श्रम, रोजगार, युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा, ₹मैं हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत के लिए सभी को बधाई देता हूं और धन्यवाद व्यक्त करता हूं। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने पर केंद्रीय रेलवे एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का कहना है, ₹मैं हॉकी टीम की कांस्य पदक जीत के लिए सभी को बधाई देता हूं। इस बार पंजाब के ज्यादा खिलाड़ी थे। हम गोल्ड मेडल जीतेंगे। पंजाब और देश की तरफ से खिलाड़ियों को ढेर सारी बधाईयां। भारतीय हॉकी टीम का पेरिस ओलंपिक का अभियान अच्छा रहा।

इंग्लैंड में दंगों के बीच श्रीलंका ने जताई सुरक्षा संबंधी चिंता

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड में कई शहरों में भड़के अप्रवासी विरोधी दंगों के बीच श्रीलंका की पुरुष टीम ने सुरक्षा संबंधी चिंता जताई है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और टीम को सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाने का आश्वासन दिया है। इंग्लैंड में श्रृंखला से पहले अभ्यास कर रहे खिलाड़ियों ने भी इस असंतोष को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। श्रीलंकाई दल के नौ लोगों के समूह जिसमें सात खिलाड़ी और दो कोचिंग स्टाफ के सदस्य शामिल हैं, उन्होंने एसएलसी से अगले कुछ दिनों तक

के लिए सुरक्षा के बेहतर इंतजाम सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। इंग्लैंड के एक खिलाड़ी ने ईएसपीएन क्रिकइंफो से कहा, हम इस समय जहां हैं वहां ऐसी स्थिति नहीं पनपी है लेकिन फिर भी लोग चिंतित तो हैं ही। हम बाहर डिनर करने नहीं जा सकते। ज्यादातर समय हम होटल में ही रह रहे हैं। कोई भी मुश्किल में नहीं पड़ना चाहता। हमने बोर्ड से मुख्य टीम के यहां पहुंचने से पहले सुरक्षा की व्यवस्था और कड़ी करने की मांग की है। इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच सीरीज के लिए टीम के अधिकतर खिलाड़ी रविवार को इंग्लैंड पहुंचेंगे। इस समय श्रीलंका में ही मौजूद श्रीलंकाई टीम के मैनेजर महिंदा हालागोंडा ने क्रिकइंफो से कहा कि मैनचेस्टर के समाचारों को देखने के बाद उन्होंने ईसीबी के समक्ष अपनी चिंता व्यक्त की थी। पहला टेस्ट मैच 21 अगस्त से मैनचेस्टर में ही खेला जाएगा। इसके बाद लॉर्ड्स में 29 अगस्त से दूसरा टेस्ट खेला जाएगा जबकि 6 सितंबर से ओवल में तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। हालगोंडा ने कहा, मैंने उनके समक्ष (ईसीबी) यह मुद्दा उठाया था। ईसीबी ने भी बेहद जल्दी प्रतिक्रिया दी और उन्होंने हमें सुरक्षा मुहैया कराई।

पेरिस में हॉकी टीम को कांस्य मिलने पर सोनीपत में अभिषेक और सुमित के घर जश्न का माहौल

सोनीपत। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। सोनीपत के अभिषेक नैन और सुमित ने भी भारतीय टीम की जीत में अपना योगदान दिया। भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद अभिषेक और सुमित के परिवार में जश्न का माहौल है। उनके परिजनों ने कहा कि, हमें अपने बेटों पर गर्व है। उन्होंने अच्छा खेल दिखाया और इस पदक से देश की हॉकी को एक बार फिर संजीवनी मिली है। अभिषेक और सुमित के घर आने पर उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा। सोनीपत के लोगों ने दोनों खिलाड़ियों की जीत का जश्न मनाया और उन्हें बधाई दी। मालूम हो कि, भारतीय हॉकी टीम ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक मैच में स्पेन को 2-1 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यह लगातार दूसरा ओलंपिक मेडल जीता है। इससे पहले भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में जर्मनी को मात देकर कांस्य पदक जीता था। यह ओलंपिक में भारतीय हॉकी के लिए 13वां मेडल है। इस मैच में भारत की जीत के स्टार एक बार फिर कप्तान हरमनप्रीत सिंह रहे, जिन्होंने भारत के दोनों गोल किए। भारतीय हॉकी टीम की इस जीत पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं ने भारतीय टीम को बधाई दी है।

राज्य हित के लिए प्रतिबद्धता के साथ लिए जा रहे हैं निर्णय : हेमंत सोरेन

सीएम से रांची विवि के सहायक प्राध्यापकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य सरकार के विगत 7 अगस्त 2024 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में विश्वविद्यालय एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (घाटानुदानित अल्पसंख्यक महाविद्यालयों सहित) के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू किए जाने की स्वीकृति दिए जाने के निर्णय पर आभार व्यक्त किया। रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री के समक्ष हर्ष जताते हुए कहा कि हमसभी महाविद्यालय शिक्षणेत्तर कर्मियों के लिए राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू किया जाना एक महत्वपूर्ण और सराहनीय कार्य है। राज्य सरकार ने हमसभी को पुरानी पेंशन के रूप में बुढ़ापे की लाठी दी है। पुरानी पेंशन योजना का लाभ मिलने से हमसभी सहायक प्राध्यापकों का भविष्य सुरक्षित हुआ है। मौके पर प्रतिनिधिमंडल में शामिल सभी सहायक प्राध्यापकों ने मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

सोरेन ने सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल से कहा कि उनकी सरकार राज्यहित में निर्णय लेने के लिए प्रतिबद्ध है। विगत साढ़े चार वर्ष में राज्यहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्ग-समुदाय को उनका हक-अधिकार देने का काम उनकी सरकार निरंतर कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी लोग मिलजुल कर झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल कर सकें इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ने की जरूरत है।

सहायक प्राध्यापकों के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कल्पना सोरेन से भी मुलाकात कर उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, रांची विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के सहायक प्राध्यापकों में डॉ उमेश कुमार, डॉ बहालेन होरो, डॉ खातिर हेम्ब्रम, डॉ रीता कुमारी, डॉ राजीव रजक, डॉ अवध विहारी महतो, डॉ विनीता एक्का, डॉ कंजीव लोचन, डॉ शाहीन परवीन, डॉ सुमंती तिर्की, डॉ शाहीन रजिया, डॉ अंजू पुष्पा बा, डॉ शिवनंदन राम, डॉ संतोष रजवार, डॉ राहुल कुमार, डॉ अनुजा विवेक, डॉ विवेक कुमार, डॉ नीलू कुमारी, डॉ जितेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

शहीद निर्मल महतो को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

अमर शहीद निर्मल महतो के 37वें शहादत दिवस पर जमशेदपुर के उलियान स्थित समाधि स्थल में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन।

आदिवासी अपने में ही खुश है : सुखदेव

रांची। लोहरदगा सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि आदिवासी समाज हर क्षेत्र में संक्रमण दौर से गुजर रहे हैं विश्व में जिस प्रकार के परिवर्तन हो रहे हैं और विकास का पैमाना जैसे सेट किया हुआ है। उसे पैमाने पर यह सेट नहीं हो पा रहे हैं। आज जो विकास का पैमाना तय किया गया है बड़ी-बड़ी भावन और मॉडर्न की लेकिन आदिवासी समाज अपने आप को यहां इसलिए कंफर्ट महसूस नहीं कर पाते हैं क्योंकि वह अपने आप में खुश रहते हैं मेहनती हैं और उनके जीवन शैली बहुत ही साधारण है वह ज्यादा पैसा कमाने और ज्यादा पैसा बचाने पर ध्यान नहीं देते हैं। उनमें किसी प्रकार की कोई दहेज भी नहीं चलता है जिस कारण से उनकी जरुरत कम होती है। झारखंड अलग राज्य बनने का संघर्ष लगभग 87 साल पुराना था। 1913 में यह संघर्ष शुरू हुआ और 2000 में झारखंड अलग राज बना। झारखंड को एजुकेशन हब टूरिज्म हब स्पोर्ट्स हब के तौर पर विकास किया जा सकता है इसमें उनका विकास का पैमाना तय हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट की एक बात आई है कि क्रीमीलेयर के बारे में क्रीमीलेयर तैयार करने की क्या जरूरत है जबकि हर क्षेत्र में बैंकलोक की फुलफिल नहीं हो पता है।

कार्यालय जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना।
ई– संख्या– DOPR/DE/ZP/Palamu 05/2024-25

विज्ञापन दाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक– 10.082024 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक–10.08.2024 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक–16.08.2024 (अपराह्न 02:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक– 17.08.2024 (अपराह्न 03:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय जिला परिषद, पलामू। कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं0	थाना/कैम्प/पिकेट का नाम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	निविदा शुल्क (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	एन0आई0टी0 रेफरेंस सं0
Group-I	चक पिकेट, मनातु थाना	07 अदद पोटाहार्ट की मरम्मति एवं विद्युतीकरण।	43.50	87000.00	5000.00	3 माह	DE/ZP/Palamu-05/2024-25/Gr-1
	चक पिकेट, मनातु थाना	पक्का मार्चा मोर्चा एवं टावर की मरम्मति।					
	चक पिकेट, मनातु थाना	08 अदद शौचालय की मरम्मति।					
Group-II	छतरपुर थाना	थाना भवन की मरम्मति।	48.50	97000.00	5000.00	3 माह	DE/ZP/Palamu-05/2024-25/Gr-2
	छतरपुर थाना	किचेन शेड का निर्माण।					

नोट– 1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. जिला परिषद, पलामू में तृतीय अथवा उससे उच्चतर श्रेणी में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट बड़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।
निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्ते **www.palamu.nic.in** एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए **Website- www.jharkhandtenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।

PR.NO.332181 District(24-25):D

मोरहाबादी मैदान खाली करें आंदोलनरत सहायक पुलिसकर्मी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जिला प्रशासन ने गुरुवार को पिछले 36 दिनों से आंदोलन कर रहे सहायक पुलिसकर्मियों को मोरहाबादी मैदान 24 घंटे में खाली करने का आदेश दिया है। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर मैदान खाली करने का यह आदेश दिया गया है। साथ ही जिला प्रशासन ने मोरहाबादी मैदान में धारा 144 भी लागू कर दिया है। झारखंड के सहायक पुलिसकर्मी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। बीते दो जुलाई से सहायक पुलिसकर्मी मोरहाबादी मैदान में डटे हैं। स्वतंत्रता दिवस को लेकर प्रशासन को मोरहाबादी मैदान की साफ-सफाई और घेराबंदी करनी है, इसलिए सहायक पुलिसकर्मियों को मैदान खाली करने का आदेश दिया गया है। दूसरी तरफ सहायक पुलिसकर्मियों द्वारा निर्णय लिया जायेगा कि आगे क्या करना है। आंदोलन समाप्त करना है या फिर आंदोलन स्थल को बदलना है। सहायक पुलिसकर्मियों के अनुसार, उन्हें उम्मीद थी कि कैबिनेट में सरकार द्वारा जो आश्वासन दिया गया था, उसे लिखित में लाया जायेगा। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। झारखंड पुलिस में समायोजन की मांग को लेकर मोरहाबादी मैदान में धरना दे रहे सहायक पुलिसकर्मी 19 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले थे। इस दौरान उनपर झारखंड पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। सहायक पुलिसकर्मियों की बहाली दस हजार रुपये के मानदेय पर राज्य के 12 जिले गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा, खूंटी, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, दुमका व गिरिडीह में हुआ था।

निशिकांत दुबे ने लोकसभा में उठाया मामला

ओबीसी आरक्षण झारखंड में 14 प्रतिशत क्यों है ?

नवीन मेल संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने गुरुवार को लोकसभा में सवाल उठाया कि ओबीसी समुदाय झारखंड में इतना कम क्यों है। देश भर में ओबीसी समुदाय को 27 फीसदी आरक्षण मिलता है, लेकिन झारखंड में 14 प्रतिशत क्यों। निशिकांत दुबे ने कहा, पूरे देश में कांग्रेस पार्टी सहित समस्त विपक्ष जातिगत जनगणना की बात कर रही है। पिछड़ों के साथ हमेशा ही अन्याय होता आया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने ओबीसी आरक्षण आयोग का गठन किया, जिसे उन्होंने संवैधानिक दर्जा भी प्रदान किया। जिस तरह से एससी और एसटी आयोग है, उसी तरह से अब ओबीसी आयोग भी है। मैं झारखंड की स्थिति की बात करना चाहता हूं। पूरे देशभर में ओबीसी समुदाय को 27 फीसद आरक्षण देने का प्रावधान है, लेकिन झारखंड में महज 14 फीसद आरक्षण दिया जाता है, जिसकी वजह से समुदाय परेशान है। उन्होंने आगे कहा, कई ऐसे लोग हैं, जिन्हें जनजातीय वर्ग में होना चाहिए, लेकिन उन्हें ओबीसी वर्ग में डाल दिया गया है। मैं पिछले कई समय से मांग कर रहा हूं कि प्रदेश में कई ऐसी जातियां हैं, जिन्हें एसटी समुदाय में डालने की आवश्यकता है, ताकि ओबीसी समुदाय के लोगों को उनका हक मिल सके, लेकिन आज तक इस संबंध में वहां की मौजूदा सरकार ने ना ही केंद्र सरकार को कोई नोटिस भेजा और ना ही अभी तक ओबीसी आयोग को कोई नोटिस भेजा।

पूरे देशभर में ओबीसी समुदाय को 27 फीसद आरक्षण देने का प्रावधान है

मेरा आपके माध्यम से भारत सरकार से आग्रह है कि जब सब जगह 27 फीसद आरक्षण है और कांग्रेस लगातार जातिगत जनगणना की मांग कर रही है। ऐसे में आखिर ओबीसी समुदाय के हितों पर हम क्यों कुठाराघात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मेरा झारखंड सरकार से आग्रह है कि वो प्रदेश में ओबीसी समुदाय को 25 फीसद आरक्षण दिलाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करें। यह उनका हक है, जो कि उन्हें मिलना चाहिए, मगर मौजूदा सरकार की निष्क्रियता की वजह से उन्हें यह हक नहीं मिल पा रहा है।

मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके जरिए मेरी बात झारखंड सरकार तक पहुंचेगी और वो ओबीसी समुदाय को आरक्षण दिलाने की दिशा में जरूर कदम उठाएंगे।

जिला शिक्षा अधीक्षक, पलामू
पलामू समाहरणालय परिसर (सी) ब्लॉक, मेदिनीनगर- 822101
ई-मेल:- palamau.mdm@gmail .com

-: आवश्यक सूचना :-

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड, राँची द्वारा एल0पी0ए0 संख्या 203/2022 एवं अन्य संबद्ध तथा सदृश्य वादों में पारित न्यायादेशों के अनुपालन हेतु स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, राँची की अधिसूचना/संकल्प संख्या 283 दिनांक 28.02.2024 के आलोक में झारखण्ड प्रारंभिक शिक्षक नियुक्ति नियमावली 2012 (यथा संशोधित) के आधार पर जिला द्वारा विज्ञप्ति संख्या 03/2015 दिनांक 04.07.2015 एवं विज्ञप्ति संख्या 04/2015 दिनांक 04.07.2015 द्वारा विज्ञाप्ति पद के विरूद्ध दिनांक 03.06.2019 तक की अंतिम काउंसिलिंग के अन्तर्गत सहायक शिक्षकों की नियुक्तियों के पश्चात् शेष बचे रिक्त पदों पर एकबारगी अंतिम अवसर के रूप में काउंसिलिंग की प्रक्रिया संकल्प संख्या 283 दिनांक 28.02.2024 की कंडिका 13 के क्रम संख्या I - XII में निहित शर्त्तो के अधीन दिनांक 01.08.2024 को की गई। निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 1001 दिनांक 06.08.2024 के निदेशानुसार पुनः काउंसिलिंग की प्रक्रिया निम्नांकित रूप से विस्तारित किया जाता है :–

1. दिनांक– 01.08.2024 को जिले की वेबसाईट पर प्रकाशित कोटिवार रिक्ति एवं विचारण क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले अभ्यर्थियों की सूची, कोटिवार (कट ऑफ मार्क्स के साथ) सुधार कर जिला शिक्षा स्थापना समिति के अवलोकन एवं अनुमोदनोपरांत पुनः अभ्यर्थियों से दावा/आपत्ति प्राप्त किए जाने हेतु जिले के वेबसाईट पर दिनांक 09.08.2024 को प्रकाशित की गयी है।
2. प्रकाशन के पश्चात् दिनांक 10.08.2024 से 17.08.2024 तक दावा आपत्ति भी प्राप्त किया जाएगा तथा संबंधित आवेदक को उसकी स्पष्ट पावती भी साथ–साथ दी जाएगी।
3. आपत्ति/दावा समर्पित करने वाले अभ्यर्थी जिनका मूल प्रमाण–पत्र/अंकपत्र अन्य किसी जिले में समर्पित किया गया है अथवा उनके द्वारा आवेदन समर्पित कर मूल प्रमाण–पत्र/अंकपत्र की मांग की जाती है तथा उस जिले से अपना अभ्यर्थित्व/दावेदारी/उपस्थिति समाप्त माने जाने का आवेदन साथ में दिया जाता है तो उनका सत्यापन कर उन्हें दिनांक 21.08.2024 के पूर्व हस्तगत करा दिया जाएगा।
4. दिनांक 22.08.2024, अपराह्न 03:00 बजे तक विचारण क्षेत्र अन्तर्गत आने वाले अभ्यर्थियों की सूची जिला के वेबसाईट www.palamu.nic.in पर प्रकाशित की जाएगी, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा एल0पी0ए0 सं0 203/2022 एवं समरूप वाद में दिनांक 15.09.2023 को पारित आदेश एवं विभागीय संकल्प संख्या 283 दिनांक 28.02.2024 में अंकित प्रावधानों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित की जाएगी।
5. दिनांक 25.08.2024 को विचारण क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एवं उपस्थित अहर्त्ताधारी अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कराई जाएगी।
6. दिनांक 01.09.2024 को अंतिम चयन सूची (Final Result) का प्रकाशन जिला शिक्षा स्थापना समिति के अनुमोदन के उपरान्त ही किया जाएगा।

उक्त के आलोक में जिला शिक्षा स्थापना समिति, पलामू की बैठक दिनांक 08.08.2024 में लिये गये निर्णयानुसार निर्धारित अंतिम काउंसिलिंग में भाग लेने हेतु अवशेष रिक्त पदों का पूर्ण विवरण, कट ऑफ मार्क्स एवं दावा विचारण क्षेत्र में आने वाले अभ्यर्थियों की सूची दिनांक–09.08.2024 को जिले के वेबसाईट www.palamu.nic.in पर प्रकाशित किया गया है। जिले के वेबसाईट www.palamu.nic.in पर प्रकाशित सूची में अंकित नाम वाले अथ्यर्थियों तथा अन्य को निदेशित है कि वे अपना दावा आवेदन निर्धारित तिथि तक निबंधित डाक या स्वयं अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में कार्यालय अवधि में उपस्थित होकर देना सुनिश्चित करेंगे। ससमय प्राप्त दावा आवेदन पर ही विचार किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधीक्षक
पलामू

PR 332307 District (24-25)_D

संथाल में आदिवासी अपनी पहचान बचाने की कर रहे जद्दोजहद : मरांडी

बाबूलाल ने आगे लिखा कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज पर बहुत ही विकराल संकट छाया है।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के जनसंख्या विस्फोट के कारण संथाल परगना में आदिवासी समाज अपनी पहचान बचाने की जद्दोजहद कर रहा है। उन्होंने गुरुवार को एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि आदिवासियों के अस्तित्व को मिटाने का षड्यंत्र सिर्फ जमीन की लूट और लव जिहाद तक ही सीमित नहीं है, अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हेमंत ने सदन के अंदर बांग्लादेशी घुसपैठियों का बचाव कर अपनी मंशा बिल्कुल स्पष्ट कर दी है कि जेएमएम-कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता अपने मुस्लिम वोट बैंक को संरक्षण देना है, ना कि अस्तित्व संकट से जूझ रहे आदिवासी समाज को। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने भी एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर जनता को ठगने की कोई प्रतियोगिता होती तो 'झामुमो-कांग्रेस-राजद ठगबंधन सरकार' इसमें स्वर्ण पदक पाती। एक तरफ मुफ्त बिजली देने का ढकोसला और दूसरी तरफ जनता का जीना मुश्किल कर देना। इन ठग नीतियों का जवाब झारखंड की जनता जल्दी देगी।

बांग्लादेशी घुसपैठिए संथाल आदिवासियों को नशे की गिरफ्त में फंसाकर उन्हें बर्बाद करने की साजिश रहे हैं। बाबूलाल ने आगे लिखा कि वर्तमान समय में आदिवासी समाज पर इतना विकराल संकट छाया है। इसके बावजूद मुख्यमंत्री द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों के पक्ष में बयान देना

सजायफ्ता पूर्व विधायक पौलूस सुरीन को नहीं मिली जमानत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने पुलिस मुखबिरी के आरोप में भूषण कुमार सिंह और राम गोविंद की हत्या मामले में सजायफ्ता पूर्व तोरपा के विधायक पौलूस सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। गुरुवार को झारखंड हाई कोर्ट में पौलूस सुरीन की ओर से सजा के खिलाफ दाखिल क्रिमिनल अपील पर सुनवाई हुई। दरअसल, अपर न्यायाधीश दिनेश कुमार की कोर्ट ने पौलूस सुरीन और नक्सली जेठा कच्छप को दोहरे हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। कोर्ट ने पौलूस सुरीन पर 25 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है, जबकि जेठा कच्छप पर 45 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है । जुमार्ना की राशि नहीं देने पर दोनों अभियुक्तों को 1 साल की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। पौलूस सुरीन दो बार झामुमो के विधायक रह चुके हैं। पौलूस सुरीन ने अपनी सजा के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील दाखिल की है। हाई कोर्ट ने गुरुवार को इस मामले में पूर्व विधायक सुरीन की जमानत याचिका खारिज कर दी। घटना खूंटी के तोरपा में साल 2013 की है। पुलिस मुखबिर भूषण सिंह और राम गोविंद की हत्या कर दी गई थी। मामले में पौलूस सुरीन ,नक्सली जेठा कच्छप, कृष्णा महतो और तीन महिला समेत छह आरोपित ट्रायल फेस कर रहे थे।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद्, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण–सूचना
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– 14 वर्ष 2024–25
D.M.F.T मद

1. विज्ञापन दाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद्, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि :– 16.08.2024 (अपराह्न 01:00 बजे तक)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान :– जिला अभियंता, जिला परिषद्, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 17.08.2024 को 03:00 बजे अपराह्न तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान :– जिला नियंत्रण कक्ष, (पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान :– 17.08.2024 को 03:30 बजे अपराह्न, कार्यालय जिला परिषद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	प्रखण्ड हेरहंज पंचायत हेरहंज तुस ग्राम मोहनपुर में पीच रोड से घनेश्वर भुईया के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	20,90,100	42000	5000	02 माह
2	प्रखण्ड लातेहार पंचायत सासंग ग्राम सासंग में सोहराई भुईया के घर से ईस्तफार मिंया के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	12,18,900	24500	2500	02 माह
3	प्रखण्ड गारू पंचायत रूद में राजकीयकृत उत्कमित मध्य विद्यालय डाडीछापर में चाहरदिवारी निर्माण।	17,87,100	36000	5000	06 माह
4	प्रखण्ड गारू पंचायत रूद में राजकीय प्राथमिक विद्यालय पण्डरा में चाहरदिवारी निर्माण।	10,91,100	22000	2500	06 माह
5	प्रखण्ड गारू पंचायत कार्रवाई में राजकीय मध्य विद्यालय गोईन्दी में चाहरदिवारी निर्माण।	15,25,100	31000	5000	06 माह

8. परिमाण विपत्र भारतीय स्टेट बैंक से निर्गत ही मान्य होगा जो जिला अभियंता, लातेहार के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र का मूल्य लौटाया नहीं जायेगा।
9. अग्रधन की अंकित राशि (NSC) 05 वर्षीय/03 वर्षीय/डाकघर सावधि जमा पत्र/03 वर्षीय/05 वर्षीय/बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय/03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो जिला अभियंता, लातेहार के नाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) कराते हुए निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. ग्रुप संख्या 01 के निविदा में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक जो प्रखण्ड हेरहंजके संवेदक भाग लेंगे। संवेदक के अन उपलब्धता या कार्य की अधिकता होने की स्थिति में प्रखण्ड हेरहंज के निकटतम प्रखण्ड बारियातु एवं बालूमाथ के संवेदक को कार्य आवंटन पर विचार किया जाएगा।
11. ग्रुप संख्या 02 पर अंकित योजना में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संबंधित प्रखण्ड के संवेदक भाग लेंगे।
12. ग्रुप संख्या 03 से 05 तक के निविदा में जिला परिषद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक जो प्रखण्ड गारू एवं सरयू के संवेदक भाग लेंगे। संवेदक के अन उपलब्धता या कार्य की अधिकता होने की स्थिति में महुआडांड के संवेदक को कार्य आवंटन पर विचार किया जाएगा।
13. Ucan Certificate (Updated New Version) की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
14- वैसे संवेदक जिनके पास पूर्व से D.M.F.T अन्तर्गत ली गयी योजना लंबित है उन्हे B.O.Q निर्गत नहीं किया जाएगा।

जिला अभियंता
जिला परिषद्, लातेहार।

PR.NO.332189 Rural Development(24-25):D

जेएलकेएम के नाम से जानी जाएगी जयराम की पार्टी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। टाइगर जयराम महतो की पार्टी को इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया से मान्यता मिल गयी है। इसके बाद गैर राजनीतिक संगठन झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) अब झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के नाम से जानी जायेगी। जेएलकेएम पार्टी का रजिस्ट्रेशन नंबर 56/042/42024 है। पार्टी निबंधन के बाद जयराम महतो ने एक सूचना जारी की है। उन्होंने कहा कि जो भी इस राजनीतिक दल से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं, वे अपनी दावेदारी विधानसभा सीट के साथ कर सकते हैं। आवेदन फार्म प्रधान कार्यालय धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है। लोकसभा चुनाव में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराने के बाद संगठन ने राजनीतिक दल के रूप में निबंधन कराने की घोषणा की थी, जिसे चुनाव आयोग से मान्यता मिल गयी। इसी के साथ ह्झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चाह्व का झारखंड में एक नये क्षेत्रीय दल के रूप में उदय हो गया है।

कार्यालय जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू
Email:- zilaparishad.palamu@gmail.com

अतिअल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
ई– संख्या– DOPR/DE/ZP/Palamu 13/2023-24 (Retender 3rd Call)

विज्ञापन दाता का नाम :– जिला अभियंता, जिला परिषद, पलामू।
Website पर निविदा प्रकाशन की तिथि :– दिनांक– 10.082024 (पूर्वाह्न 10:00 बजे)
ई–निविदा प्राप्त करने की तिथि :– दिनांक– 10.08.2024 (पूर्वाह्न 10:00 बजे) से दिनांक– 16.08.2024 (अपराह्न 02:00 बजे तक)
निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक– 17.08.2024 (अपराह्न 03:00 बजे)
निविदा खोलने का स्थान :– कार्यालय जिला परिषद, पलामू।
कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं0	प्रखण्ड	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	एन0आई0टी0 रेफरेंस सं0
11	पाटन	स्वास्थ्य उपकेन्द्र नौडीहा का निर्माण।	55.50	1.11	10000.00	6 माह	11/2022-23 DOPR/DE/ZP/PALAMU

नोट– 1. केवल ई–निविदा ही स्वीकार होंगे।
2. निविदा डबल बीड पद्धति से होगी।
3. जिला परिषद, पलामू में द्वितीय अथवा उससे उच्चतर श्रेणी में निबंधित संवेदक ही निविदा में भाग ले सकेंगे।
4. परिमाण विपत्र की राशि घट बड़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
5. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही निविदादाता की होगी।
निविदा की तकनिकी एवं सामान्य शर्ते **www.palamu.nic.in** एवं कार्यालय जिला परिषद, पलामू के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। वितृत जानकारी के लिए **Website- www.jharkhandtenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

ह0/–
जिला अभियंता,
जिला परिषद, पलामू

PR 332234 District(24-25)#D

KASHYAP'S DENTAL CLINIC
Dr. Vaibhav Kashyap
Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist &
Implantologist Certified Orthodontist, MIDA
" Smiles & More"
छात्र-छात्राओं के लिए
50% की छूट

Facilities
आरसीटी
पायरिया का ईलाज
टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
स्माईल डिजाइन
इनविजिवल क्लिप
दंत रोपण
फिक्स दाँत लगाना
अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज
CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

ब्रिफ न्यूज

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना हिंडन एयरबेस पर गरुड़ कमांडो और एनएसजी के कड़े पहरे में

नई दिल्ली । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री फिलहाल हिंडन एयरबेस पर वायु सेना के गरुड़ कमांडो और नेशनल सिक्युरिटी गार्ड (एनएसजी) के कड़े पहरे में हैं। उनकी सुरक्षा के साथ-साथ भारत शेख हसीना को यूरोपीय देश में राजनीतिक शरण दिलाने में मदद कर रहा है। जल्दबाजी में बांग्लादेश से निकलते वक्त पूर्व पीएम के साथ भारत आई उनकी टीम भी दैनिक जरूरत का सामान नहीं ला पाई थी, इसलिए भारतीय अधिकारियों ने हसीना की टीम के सदस्यों को कपड़े और अन्य सामान खरीदने में मदद की है। भारत से लगी बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ की आशंका के चलते सेना के साथ बीएसएफ को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बांग्लादेश में 05 अगस्त को अचानक बगावत होने के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देने के बाद अपनी बहन और टीम के साथ भारतीय वायु सेना के हिंडन एयरबेस पर शाम करीब 5:36 बजे अपने देश के सी-130जे हरक्युलिस विमान से उतरी थीं।

हिंदुओं की सुरक्षा के लिए बार काउंसिल ने बांग्लादेश बार एसोसिएशन को लिखा पत्र

नई दिल्ली। बांग्लादेश में राजनीतिक संकट के बीच अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय और उनके धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने पर चिंता प्रकट करते हुए ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल के निवर्तमान अध्यक्ष डाक्टर आदिश अग्रवाल ने बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एएम महबूबउद्दीन खोकों को पत्र लिखकर हिंदुओं की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। अग्रवाल ने कहा कि दक्षिण एशियाई देशों के बार हमेशा से ही मानवाधिकारों की रक्षा के लिए खड़े हुए हैं। मीडिया में यह खबरें आ रही हैं कि हिंदुओं के घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के साथ ही मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है।

आप इस तरह की गोलमोल बातें नहीं कर सकते
लोकसभा में अखिलेश पर भड़के अमित शाह

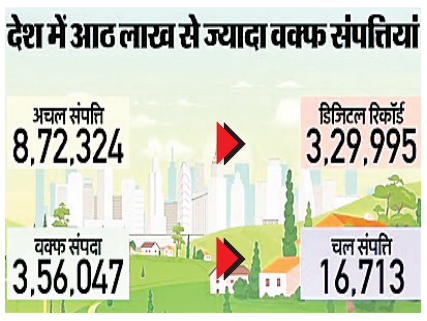

वक्फ बोर्ड को बनाया गया निजी जागीर कोई पारदर्शिता नहीं : शाजिया इल्मी

नई दिल्ली। भाजपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कहा कि मुसलमान के साथ भेदभाव की दुहाई देने वाले सभी राजनीतिक दलों से मैं पूछना चाहती हूं कि जिस तरीके से मुसलमान के पास वक्फ बोर्ड की जमीन है, सेंटर का वक्फ बोर्ड हो या फिर स्टेट का वक्फ बोर्ड हो, इतनी ज्यादा संपत्ति और लैंड होने के बावजूद उस समुदाय में इतनी ज्यादा बदहाली क्यों है।

इस बिल का स्वागत, पुराना वक्फ कानून कांग्रेस का पाप : मोहसिन रजा

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को लेकर यूपी सरकार में मंत्री रहे, और भाजपा के मुस्लिम चेहरे मोहसिन रजा ने कहा कि हम इस बिल का स्वागत करते हैं, पुराना वक्फ कानून कांग्रेस का पाप था। उन्होंने कहा कि, वक्फ बोर्ड को वक्फ की संपत्तियों का संरक्षण करने के लिए बनाया गया था, लेकिन देश में जहां-जहां कांग्रेस की सरकारें बनीं, उन्होंने इसे वक्फ माफिया और भू माफिया बना दिया।

एजेंसी। नई दिल्ली

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को लोकसभा में 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024' पेश किया। इस दौरान सदन में विपक्षी पार्टियों ने एक सुर में इस बिल का विरोध करते हुए हंगामा किया। सदन की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। इस दौरान अमित शाह सपा मुखिया पर भी भड़कते हुए नजर आए। अखिलेश यादव ने वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध करते हुए बोला, "यह विधेयक बहुत सोची-समझी राजनीति के तहत हो रहा है। अगर आप एक जिलाधिकारी को सब ताकत दे देंगे, आपको पता है कि एक जगह पर जिलाधिकारी ने क्या किया था, उसकी वजह से आज और आने वाली पीढ़ी तक को सामना करना पड़ा। सच्चाई ये है कि भाजपा अपने हताश, निराश और चंद कट्टर समर्थकों के तुष्टिकरण के लिए ये बिल लाने का काम कर रही है। आज तो आपके हमारे अधिकार कट रहे हैं, याद कीजिए मैंने आपसे कहा था कि, आप लोकतंत्र के न्यायधीश हैं, मैंने सुना है इस लॉबी में कि कुछ अधिकार आपके भी छीनने जा रहे हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल व उप प्रधानमंत्री के साथ की द्विपक्षीय वार्ता

वेलिंगटन । भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू न्यूजीलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने गुरुवार को न्यूजीलैंड के गवर्नर जनरल डेम सिंडी किरो और उप प्रधानमंत्री विंस्टन पीटर्स से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते द्विपक्षीय संबंधों और उन्हें मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मुलाकात के दौरान, राष्ट्रपति मुर्मू और गवर्नर जनरल किरो ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच मधुर और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना की और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। उप प्रधानमंत्री और न्यूजीलैंड के विदेश मामलों के मंत्री विंस्टन पीटर्स ने भी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की।

आखिर क्यों होती है नाग पंचमी पर शिव के साथ सर्पों की पूजा

काल सर्प दोष से मुक्ति के लिए इस दिन क्या करें?

एजेंसी। नई दिल्ली

सावन के महीने में एक और हिंदू त्योहार बहुत ही श्रद्धा भाव के साथ मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर नाग पंचमी मनाई जाती है। इस बार यह 09 अगस्त (शुक्रवार) को पड़ रहा है। वैसे तो पूरे माह भक्त भगवान शिव की आराधना करते हैं मगर इस खास दिन पर भोले के साथ सर्पों की पूजा का खास विधान है। इस दिन भक्त विशेष पूजा-अर्चना के साथ भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। शास्त्रों के अनुसार नाग पंचमी को शिव के साथ सर्पों की पूजा करने से कुछ खास तरह के फल मिलते है। कई धर्म ग्रंथों में भी इसका वर्णन किया गया है। ऐसी मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन कुछ उपाय करने से पितृदोष से मुक्ति मिलती है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि जो लोग नाग पंचमी के दिन सांपों की पूजा करते हैं और ब्राह्मणों को भोजन कराते हैं तो उन्हें कई तरह के फल मिलते हैं। ऐसी भी मान्यता है कि इस दिन सांपों का पूजन करने से लोगों को सांप के काटने से सुरक्षा मिलती है। पंडितों की मानें तो इस दिन काल सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए नाग-नागिन के जोड़े को शिवलिंग पर अर्पित करने का भी विशेष महत्व है।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा- मां ने प्रदर्शनकारियों पर गोली नहीं चलाने का दिया था आदेश

एजेंसी। नई दिल्ली

बांग्लादेश में स्वतंत्रता सेनानियों को दिए जा रहे 30 फीसद आरक्षण के मुद्दे पर हिंसक भीड़ की तोड़फोड़, आगजनी के बाद फैली हिंसा से घबराई बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना इस्तीफा देकर भारत आ गईं। वाजेद ने पश्चिमी देशों में सक्रिय बांग्लादेश के विरोधी समूहों पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कुछ पश्चिमी समूह विरोध को भड़काते रहे, प्रदर्शनकारी पीएम आवास पर मार्च कर रहे थे और मेरी मां देश नहीं छोड़ना चाहती थी। मैंने उनसे बात की और उन्हें देश छोड़ने के लिए मनाया। अगर वह ऐसा नहीं करतीं तो प्रदर्शनकारी उन्हें मार डालते। साथ ही उन्होंने साफ कर दिया कि बांग्लादेश में फैली हिंसा के बावजूद उनकी मां ने आदेश दिया था कि प्रदर्शनकारियों पर गोली नहीं चलाई जानी चाहिए। वह आगे कहते हैं, मेरी मां ने पुलिस और सेना को आदेश दिया था कि प्रदर्शनकारियों को नहीं मारना है। इसलिए जब प्रदर्शनकारियों ने पीएम आवास पर मार्च किया, तो सेना ने ढाका की सीमाओं पर बैरिकेड लगाए, सेना ने हवा में गोलीबारी की।

बांग्लादेश में अशांति को लेकर शेख हसीना की बेटी का टूटा दिल

नई दिल्ली। बांग्लादेश में फैली अशांति को लेकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद का एक बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि 'दिल टूटा हुआ' है। देश में अशांति के बाद वह अपनी मां को गले नहीं लगा सकती। दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए डब्ल्यूएचओ की क्षेत्रीय निदेशक शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, अपने देश में लोगों की जान जाने से दिल टूट गया है, मैं उन्हें बहुत प्यार करती हूं।" अपने देश की स्थिति पर दुख व्यक्त करते हुए क्षेत्रीय निदेशक ने कहा, "वह भी बहुत दुखी हैं। इस कठिन समय में वह अपनी मां को देख नहीं सकती, गले नहीं लगा सकती।" हालांकि, वाजेद ने कहा कि वह डब्ल्यूएचओ में क्षेत्रीय निदेशक की अपनी भूमिका जारी रखेंगी। वाजेद ने इस साल 1 फरवरी को दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय निदेशक के रूप में पदभार संभाला था।

एजुकेशन/करियर

रजनीश । भारतीय ट्रेडिशन में गहनों को पवित्र और कीमती माना जाता है। आभूषण महिलाओं के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालाँकि प्राचीन काल में इनका स्वरूप मोती मणियों के आभूषण के रूप में था, जो अब बदल कर सोने-चांदी के आभूषण बन गए हैं। इन आभूषणों को बनाने का तरीका ही ज्वेलरी डिजाइनिंग कहलाता है। 20वीं सदी के दौरान ज्वेलरी की डिजाइनिंग फॉर्मेट में लगातार बदलाव हुए हैं।

ज्वेलरी डिजाइनिंग : क्रिएटिविटी के साथ करियर भी

ज्वेलरी डिजाइनिंग कोर्स क्यों करें?

- ज्वेलरी डिजाइन में छात्रों को ज्वैलरी क्रिएशन और डिज़ाइनिंग और ज्वैलरी डिजाइनिंग में महत्वपूर्ण सभी पहलुओं का ज्ञान प्राप्त होता है।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स में मेटलर्जी, आभूषण डिजाइनिंग, डायमंड ग्रेडिंग और सॉर्टिंग, सीएडी, पोर्टफोलियो डेवलपमेंट, जेमोलॉजी, बीडिंग आर्ट आदि विषयों और विषयों के व्यापक क्षेत्र शामिल हैं।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स पूरा करने के बाद, किसी ब्रांड या कंपनी में नौकरी करने के बजाय, कोई भी अपना खुद का एक ब्रांड लॉन्च करके उद्यमिता शुरू कर सकता है, जिसमें उनकी खुद की ज्वेलरी डिजाइनिंग होगी।
- ज्वेलरी डिजाइन कोर्स ज्वेलरी डिजाइन उद्योग जैसे उत्पाद विकास, ग्राफिक डिजाइन, मार्किट रिसर्च, रचनात्मकता आदि में प्रोफेशनल करियर बनाने के लिए नए कौशल सीखने में मदद करता है।

स्किल्स

- ग्राफिक डिजाइन
- नेकलेस
- इंजीनियरिंग ड्राइंग
- खुदरा बिक्री
- सीएडी
- उत्पादन रूप
- कला शो
- डिजाइन प्रक्रिया
- उत्पाद विकास
- राइनो
- रुझान अनुसंधान
- बाजार अनुसंधान
- व्यापार की शो

ज्वेलरी डिजाइनिंग के लिए टॉप भारतीय यूनिवर्सिटीज़

- आर्क एकेडमी ऑफ डिजाइन, जयपुर
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- सेंट्रल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, नागपुर
- जेईसीआरसी विश्वविद्यालय, जयपुर
- एएएफटी मीडिया और कला विश्वविद्यालय, रायपुर
- जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गुड़गांव
- भारतीय रत्न और आभूषण संस्थान- नई दिल्ली और मुंबई
- जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया- मुंबई
- भारतीय आभूषण संस्थान- मुंबई
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन- दिल्ली, जयपुर, मुंबई और नोएडा
- वोग इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी- बैंगलोर में कला और डिजाइन कॉलेज

कोर्स

सर्टिफिकेट कोर्स
1. बेसिक ज्वेलरी डिज़ाइन
2. कैड फॉर जेम्स एंड ज्वेलरी
3. बेसिक ज्वेलरी डिज़ाइन

ज्वेलरी डिज़ाइन में बीएससी
1. बीएससी इन ज्वेलरी डिज़ाइन
2. बैचलर ऑफ ज्वेलरी डिज़ाइन
3. बैचलर ऑफ एक्सेसरीज़ डिज़ाइन

डिप्लोमा कोर्सेस
1. डिप्लोमा इन ज्वेलरी डिज़ाइन एंड जैमोलॉजी
2. एडवांस ज्वेलरी डिज़ाइन विद कैड
3. ज्वेलरी मैनुफैक्चरिंग

अन्य कोर्स

- बीएससी – ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड मैनेजमेंट (बीएससी जेडी एंड एम)
- ज्वैलरी डिजाइनिंग एंड मैन्युफैक्चरिंग में ग्रेजुएट डिप्लोमा - जीडीजेडीएम
- सीएडी के साथ ज्वैलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा (डीजेडी- सीएडी)
- ज्वैलरी डिजाइनिंग में डिप्लोमा
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट प्रोग्राम
- ज्वैलरी डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा प्रोग्राम

रोज़गार के अवसर

1. ज्वेलरी डिज़ाइन का कोर्स करने के बाद इसमें करियर बनाने का स्कोप काफी है. कोर्स खत्म करने के बाद प्लेसमेंट ले सकते हैं. ज्वेलरी डिज़ाइनर की तौर पर एक्सपोर्ट हाउस, मैन्युफैक्चरिंग हाउस, फैशन हॉउस, ज्वेलरी शो रूम्स जैसी जगहों पर काम करने योग्य हो जाते हैं.

2. नौकरी नहीं करना चाहते तो बिज़नेस की अपार संभावनाएं इस फील्ड में हैं. खुद की फर्म शुरू करके अपना बिज़नेस या स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं . अपने बिज़नेस से एक्सपोर्ट और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को जोड़कर काफी आगे जा सकते हैं.

3. फ्रीलान्स के तौर पर भी इस फील्ड में करियर को नयी दिशा दी जा सकती है. फ्रीलांसर के तौर पर फुल टाइम और पार्ट टाइम जुड़ कर पैसा कमा सकते हैं.